



भारत का राजस्मान् The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 8, 1979 (अग्रहायण 17, 1901)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 8, 1979 (AGRAHAYANA 17, 1901)

इस भाग द्वे भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेशापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० II—अधिसूचना सं०
ए० 11016/1/76-प्रशा० III दिनांक 16 अक्टूबर 1979 द्वारा
डेस्क अधिकारी के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणाम-
स्वरूप इस कार्यालय की सम संब्यक्त अधिसूचना दिनांक 17
सितम्बर, 1979 द्वारा अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद श्री
ए० गोपालकृष्णन की नियुक्ति उसी तारीख से रद्द कर दी गई
है।

मविव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग
के संबंध में के० स० मे० के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री बी० बी०
मुर्मू को 16 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से तीन मास की अवधि के
लिए अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो, आयोग के
कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार
पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता
है।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति होने
पर श्री बी० बी० मुर्मू का वेतन समय-समय पर संशोधित वित्त
1—356 GI/79

(10085)

मल्तालय, व्यव विभाग के का० जा० सं० एफ० 10 (24)-
ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 की घटों के अनुमार विनियमित
होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव
कृते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 नवम्बर 1979

सं० ए० 19014/6/79-प्रशा० I—भारतीय लेखा परीक्षा
एवं लेखा सेवा के अधिकारी श्री एस० के० एफ० कुजुर को
राष्ट्रपति द्वारा 12 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा
आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता
है।

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग
की सम संब्यक्त अधिसूचना दिनांक 18-8-1979 के अनुक्रम में
संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी
ग्रेड I अधिकारी श्री एम० आर० भागवत को राष्ट्रपति द्वारा
11-9-1979 से 23-11-1979 तक की अवधि के लिए अथवा

आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद सर नियुक्त किया जाता है।

एस० आलचन्द्रन,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 98 आर० सी० टी० 18—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एच० एस० राठौर, स्थायी सहायक को 15 नवम्बर, 1979 से 12 फरवरी 1980 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो आयोग में अनुभाग अधिकारी स्थानपन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मन्त्रालय
(का० एवं प्र० सू० विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० एम०-3/73-प्रशासन-5—निवारन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री मनोहर सिंह, जो कि गृह मन्त्रालय संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी थे और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पदस्थापित थे, दिनांक 31-10-1979 के अपराह्न में सरकारी नौकरी से निवृत्त हो गए।

दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० ए-12026/1/78-प्रशासन-5—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री डी० के० कोचर, अनुभाग अधिकारी, इस्पात, खान एवं कोयला मन्त्रालय (खान विभाग) को दिनांक 12 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कनिष्ठ विशेषक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-35018/4/79-प्रशासन-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी श्री डी० सी० भोले राव, पी० एस० आर० को दिनांक 18-10-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, सामान्य अपराध लकंघ, बम्बई शास्त्रा में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ओ० दो० 22/76-स्थापना—भारत सरकार दुख के साथ यह अधिमूचित करती है कि दिनांक 12-10-79 को श्री जे० एस० सलधान्हा भारत पुलिस सेवा (आनंद प्रदेश—1949) जोकि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल प्रतिनियुक्ति पर निवेशक के पद पर आर० एस० माऊर आबू में थे, का देहान्त हो गया है।

दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० ओ० दो० 1205/75-स्थापना—श्री एम० बी० गौतम ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक ३वी वाहिनी, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 31-8-79 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० ओ० दो० 1073/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ० प्रेड II) डा० विनोदा कुमार, बेस हास्पिटल-II हैदराबाद, को केन्द्रीय सिविल सेवा (स्थायी सेवा नियमावली), 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 5-11-79 के अपराह्न से कार्य भार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ० दो० 1096/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर प्रेड-II) डा० रिष्याल, बेस हास्पिटल-I केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली का त्यागपत्र दिनांक 26-9-79 (अपराह्न) से स्वीकृत कर दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निवेशक
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रीयोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ई-16018/1/79-कार्मिक—रक्षा अनिन अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली से के० ओ० सु० ब० में निरीक्षक (अग्निशमन) के रूप में प्रतिनियुक्ति के दौरान श्री एम० बी० बैंगूले कर को के० ओ० सु० ब० में प्रतिनियुक्ति आधार पर सहायक कमांडेंट (अग्निशमन) नियुक्त किया जाता है और उन्होंने 29 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (अग्निशमन) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

अगर भल्ला,
सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1979

सं० 11/40/79-प्रशा० 1-23634—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० एम० देष्टे को महाराष्ट्र,

बम्बई में जनगणना कार्य निवेशक के कार्यालय में तारीख 31 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्त पर स्थानांतरण द्वारा उप निवेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उनका मुख्यालय बम्बई में ही रहेगा।

दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० 11/29/78-प्रशा०-1-23929—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री: हरभजन सिंह को तारीख 3 नवम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक सोधीं भर्ती द्वारा, अस्थाई अमता से नई दिल्ली से भारत के महापंजीकार के कार्यालय से सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री हरभजन सिंह का मुख्यालय नई दिल्ली से होगा।

दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० 11/51/79-प्रशा०-1-24350—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र, बम्बई से जनगणना कार्य निवेशालय में कार्यालय अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री पौ.० डॉ.० प्रधान को जनगणना कार्य निवेशालय मणिपुर, इम्फाल में तारीख 28 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनसे से जो भी अवधि तभी हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रधान का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री प्रधान को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी और तदर्थ तौर पर उनकी सेवाये उस ग्रेड से वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिने जाएंगे। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रहे किया जा सकता है।

पौ.० पदमनाभ,
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा, लेखा विभाग
कार्यालय, निवेशक लेखापरीक्षा,
केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० प्रशासन-1/का० आ० 418/5-12/79-80/1623—भारत सरकार, गृह मन्त्रालय शापन सं० 25013/7/77-ईस्ट०(ए) दिनांक 26-8-77 के अनुभार 20 वर्ष से अधिक की अर्हक सेवा 1 नवम्बर, 1979 से इस कार्यालय के स्थायी लेखा-परीक्षा अधिकारी श्री एच० एस० रेखा भारत सरकार की सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

श्री एच० एस० रेखा सरकारी सेवा से 7-6-1947 को प्रविष्ट हुए और उनको जन्म तिथि 24-7-1925 है।

कौ० टि० छाया
संयुक्त निवेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आनंद प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1979

सं० I/8-132/79-80/160—श्री वि० एन० चारि लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आनंद प्रदेश-I सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-10-79 (अपराह्न)।

सं० I/8-132/79-80/160—श्री वहीदुहीन सिहिकी लेखा अधिकारी महालेखाकार कार्यालय आनंद प्रदेश-II, सेवा में निवृत्त हुए दिनांक 31-10-79 (अपराह्न)।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

सं० स्थापना-1/310—महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश, ने निम्न लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर, उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक में पदोन्नति किया है :—

सर्वश्री:

1. श्रो० पी० पुत्र भनोहरलाल गर्मा (02/254) 26-9-79 पूर्वाह्न।
2. कै० सं० कपूर (02/256) 24-9-79 अपराह्न।

धू० च० साहू
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

(श्रम व्यूरो)

ग्रामला-171004, दिनांक 6 नवम्बर 1779

सं० 23/3/79-शी० पी० आ० 100—अक्टूबर, 1979 में औद्योगिक अमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) सितम्बर, 1979 के स्तर से दो बांक बढ़ कर 365 (तीन सौ पैसठ) रहा है। अक्टूबर 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 444 (चार सौ चालीस) आता है।

रविन्द्र नाथ मुखर्जी
सहायक निवेशक
श्रम व्यूरो

वित्त मन्त्रालय

राजस्व विभाग

निवारक संकार्य निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1979

(निवारक संकार्य निवेशालय)

क्रम सं०/फा० सं० 201/12/79-संचार—इस निवेशालय के दिनांक 12 अक्टूबर, 1979 के आदेश फा० सं० 203 / 1 / डी० ए० एस०/79 के अनुसार इलाहाबाद में

स्थित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहतालिय में अधिकारी के पद पर काम कर रहे थीं ए० जो० सक्षेत्रा ने इस निवेशालय से निरंक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के रूप में प्रतिनियुक्त होने पर 29 अक्टूबर, 1979 पूर्वाह्न से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तथा 25 प्रतिशत विशेष वेतन और सम्बन्धित नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य सामान्य भौतिक सहित तथा अगला आदेश होने तक उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

भारत बी० जुलाई
निवेशक, निवारक संकार्य

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक
नई दिल्ली-22, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० 28012 (13)/79/प्रशासन-1 (क० स० म०) —
राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित स्थायी लेखा अधिकारियों को भारतीय लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के

कनिष्ठ समय मात्र (मध्ये 700-1300) से स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके नाम के समक्ष दर्शायिंग गई तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	उप्रति की तारीख
1.	श्री पा० पेरियास्वामी	20-8-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री ए० बी० मलिक	20-8-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एम० कुण्णामूर्ति	15-10-79 (पूर्वाह्न)
4.	श्री प०० डी० मकाड़	21-9-79 (पूर्वाह्न)

आर० एल० बख्ती
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० 40011 (2)/79/प्रशा०-II—(1) निम्नलिखित लेखा अधिकारी, अपनी सेवानिवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के समक्ष लिखी तारीख के प्रपराह्न से, पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिये गये थे :—

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेशन स्थापना को अन्तरित होने की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5

सर्वेश्वरी

1. राम नारायण गर्ग (पी/349)	.	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
2. के० सीवादासा मेनन (पी/317)	.	—उक्त—	31-5-79	—उक्त—
3. जयन्ती प्रसाद (पी/112)	.	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
4. प्राण नाथ शर्मा (ओ/258)	.	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-79	—उक्त—
5. धर्म पाल (ओ/1)	.	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
6. टेख राम (पी/255)	.	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-79	—उक्त—
7. चन्द्री राम जिन्दल (पी/323)	.	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
8. रोशन लाल बग्गा (पी/272)	.	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
9. एम० सेतुरमन (पी/263)	.	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
10. राम लाल गोयल (पी/469)	.	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
11. आर० एस० कौशल (ओ/341)	.	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
12. जितेन्द्र नाथ धीर (पी/118)	.	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-79	—उक्त—
13. एम० डी० मिश्रा (पी/16)	.	—उक्त—	31-7-79	—उक्त—
14. गिरधारी लाल मित्तल (पी/505)	.	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—

1	2	3	4	5
सर्वेश्वी				
15.	कृष्ण लाल (पी/233)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान मेरठ।
16.	एस० पी० शर्मा (पी/388)	—उक्त—	31-7-79	—उक्त—
17.	एम० सुश्रावणियम (पी/53)	—उक्त—	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।
18.	आर० जानकीरमन (ओ/346)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	30-6-79	—उक्त—
19.	जी० सी० बनर्जी (ओ/41)	—उक्त—	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), (उत्तर मेरठ)।
20.	जी० वेंकटारामन (पी/462)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून।
21.	के० एस० नरसिंहा अच्युत (पी/267)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
22.	पी० डी० पन्से (पी/354)	—उक्त—	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे।
23.	के० नागराजन (पी०/285)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
24.	बी० ई० जानारियह (ओ/163)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	30-6-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता
25.	लीलाधर तनेजा (पी/259)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-79	—उक्त—
26.	एन० कृष्णन (पी/58)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
27.	बी० गोपालन (पी/62)	—उक्त—	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), दक्षिण मद्रास।
28.	के० रंगनाथन (पी/156)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
29.	एन० कृष्णामूर्ति (ओ/159)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	30-6-79	—उक्त—
30.	कृष्ण दास (अभी आवंटित नहीं) (ए/646)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
31.	पी० रामाराव (पी/254)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना), बम्बई।
32.	के० पी० भास्करन नायर (पी/310)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
33.	ए० एन० ग्रोवर (ओ/355)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रशिक्षण), मेरठ।
34.	डी० पी० चड्डा (पी/274)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद।
35.	वाई० डम्पू० मूदन (पी/330)	—उक्त—	30-6-79	—उक्त—
36.	बी० बी० रामरत्नम (पी/599)	—उक्त—	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे।
37.	अमृत लाल श्रोरोरा (ओ/17)	स्थानापन्थ लेखा अधिकारी	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ।
38.	एच० आर० सुश्रावणियम (पी/194)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे।
39.	बी० बी० गोपालाराघवन (पी/6)	—उक्त—	31-7-79	—उक्त—
40.	सूरज प्रकाश (पी/207)	—उक्त—	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना) देहरादून।
41.	बी० कृष्णामूर्ति (पी/128)	—उक्त—	31-7-79	—उक्त—
42.	भोलादत नौटियाल (पी/573)	—उक्त—	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद।
43.	गुरु बल्लभ सिंह (पी/456)	—उक्त—	31-7-79	—उक्त—

1	2	3	4	5
		सर्वश्री		
44.	एस० पी० बाजपेयी (पी/198)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद।
45.	के० के० नन्दी (पी/85)	—उक्त—	31-7-79	—उक्त—
46.	आनन्द स्वरूप पाराशर (ओ/422)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ।
47.	जोगा सिंह (पी/446)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
48.	के० बालाचन्द्रन नायर (पी/122)	—उक्त—	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना), बम्बई।
49.	एम० एल० मुखर्जी (पी/371)	—उक्त—	31-7-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ।
50.	के० के० बसु	—उक्त—	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
51.	कृष्ण लाल साहनी (पी/396)	—उक्त—	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून।
52.	घर्म पाल गाजरी (पी/158)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
53.	बूज लाल गोड़ (पी/170)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
54.	विधुराम खरवाल (पी/527)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
55.	मोहन सिंह (पी/86)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
56.	एम० रामदास (पी/276)	—उक्त—	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे।
57.	वाई० एस० चित्रें (पी/205)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
58.	एम० धर्मराजन (पी/42)	—उक्त—	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पुणे।
59.	एस० वी० कृष्णामर्ति शर्मा (ओ/82)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रक) दक्षिण, मद्रास।
60.	मंगल सेन भसीन (पी/440)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।
61.	हरि भक्त शर्मा (पी/467)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
62.	ए० सी० सेन गुप्ता (पी/135)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
63.	कुमुम कुमार जेतली (पी/291)	—उक्त—	31-8-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन), इलाहाबाद।
64.	तीरथ राम नारंग (पी/398)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
65.	विश्वामित्र हान्दा (पी/152)	—उक्त—	31-8-79	—उक्त—
66.	अमरीक सिंह चंद्ररथ (पी/555)	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
67.	कस्तूरी लाल वर्मा (पी/72)	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
68.	एस० वी० श्रीनिवासन (पी/10)	—उक्त—	30-9-79	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे।
69.	टी० वी० नायर (पी/149)	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
70.	टी० श्रीनिवासन (पी/215)	—उक्त—	31-9-79	—उक्त—
71.	एस० रंगाचारी (ओ/81)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पुणे।
72.	के० राय (ओ/366)	—उक्त—	30-9-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून।

1	2	3	4	5
		सर्वे श्री		
73.	एस० के० सरकार (ओ/119)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-79	लेखा नियंत्रक (फैक्टरी) कलकत्ता।
74.	नीरेंद्र नाथ राय (ओ/32)	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
75.	बी० के० चक्रवर्ती (ओ/137)	—उक्त—	30-9-79	—उक्त—
76.	टी० पी० बनर्जी (पी/168)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-79	—उक्त—
77.	बलराज (ओ/335)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ।
78.	इन्द्र सिंह ओबराय (पी/387)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), दक्षिण, मद्रास।

रक्षा लेखा महानियंत्रक निम्नलिखित लेखा अधिकारियों की मृत्यु की सखेद अधिसूचना करते हैं:—

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या	ग्रेड	मृत्यु तिथि	विभाग की उपस्थिति से रजिस्टर से विलग किये जाने की तारीख	संगठन
सर्वेश्री					
1.	जी० एन० देव (ओ/215)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	23-2-79	24-2-79 (पूर्वाह्न)	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री), कलकत्ता।
2.	आई० बी० शर्मा (अभी आवंटित नहीं)	—उक्त—	17-4-79	18-4-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रफसर) पुणे
3.	आर० एस० सिंह (ओ/263)	—उक्त—	19-5-79	20-5-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
4.	धर्मपाल शर्मा (पी/166)	स्थायी लेखा अधिकारी	2-6-79	3-6-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।
5.	गंगाराम (ओ/221)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	8-6-79	9-6-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।
6.	टी० आर० राम सुभामनियन (ओ/361)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-8-79	31-8-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (दक्षिणी) पुणे।

एस० एन० चट्टोपाध्याय,
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मन्त्रालय
भारतीय आईनेस फैक्ट्रियां सेवा
आईनेस फैक्ट्री बोर्ड
डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा
कलकत्ता-700069, विनाक 30 अक्टूबर 1979

सं० 18/79/ई/ई-1 (एन-जी) —श्रीमान महानिदेशक, आईनेस फैक्ट्रियों, वर्तमान रिक्ति से, श्री बी० मंडल, आशुलिपिक ग्रेड-ए/व्याख्यातक सचिव/गुप्त-बी० (राजपत्रित) के पद पर तारीख 24-9-79 से अप्रिम आवेदन न होने तक स्थानापन्न आधार पर प्रोत्साहन करते हैं।

दिनांक 6 नवम्बर 1979

सं० 19/79/ए/ई-1 (एन० जी०) —वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री सौमेन्द्र भूषण राय, मौलिक एवं स्थायी सहायक, अस्थायी ए० एस० ओ० और श्री विश्वनाथ दे, मौलिक एवं स्थायी स्टेनोग्राफर ग्रेड-II अस्थायी ए० एस० ओ०, 31-10-79 (प्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ/एडमिन
कूपे महानिदेशक आईनेस फैक्ट्रियों

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० 54/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० पी० राय स्थानापन्न उप प्रबन्धक मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक दिनांक 31-7-79 (प्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दी० के० मेहता
सहायक महानिवेशक

श्रम मन्त्रालय
कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था
घनबाद, दिनांक 1979

सं० प्रशासन-12 (3) 79—श्री डी० के० रूज, लेखा अधीक्षक को कोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सचिव/अधीक्षक केन्द्रीय चिकित्सालय के सचिव के रूप में तारीख 26-9-79 (पूर्वाह्न) से नवर्ध आधार पर नियुक्त किया गया है।

टी० सी० के० लोथा
कोयला खान कल्याण आयुक्त

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति मन्त्रालय
(वाणिज्य विभाग)
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1979
आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1290/79/प्रशासन(राज०)/7986—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात एतदद्वारा केन्द्रीय स्थल जल परिषद (डब्ल्यू आर०), जयपुर में श्री एस० एस० राणा, मानचिकार को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में 15 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से, अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री राणा, नियंत्रक, के रूप में 650-30-740-35, 810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1287/79-प्रशासन (राज०)/7991—मुख्यनियंत्रक आयात-निर्यात एतदद्वारा डाक एवं तार कोएक्सियल स्टेशन, दावगोरे में श्री एस० राजन, कनिष्ठ अभियन्ता को संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 23 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप से नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री राजन, नियंत्रक के रूप में 650-30-740-35, 810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सी० एस० आर्य
उप-मुख्य नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० 6/1130/76-प्रशासन/राज०/8005—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एच० डी० शाह ने संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 31 जुलाई, 1979 के दोपहर बाद से नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० आर्य
उप-मुख्य नियंत्रक,
कूले मुख्य नियंत्रक

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० 7271 बी, ए-19012 (3-एस० एस०)/79-19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायनज) श्री एस० सत्यनारायण को सहायक रसायनज के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, अस्याई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 17-9-79 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

टी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० ए-19012(103)/78-स्थापना ए०—श्री आर० के० घोड़े, स्थायी बरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन शास्त्र) को दिनांक 29 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनविद के पद पर पदोन्नति की जाती है।

एस० बालगोपाल
कार्यालय अध्यक्ष

आकाशवाणी महानिदेशालय

(सिविल निर्माण स्कन्ध)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 नवम्बर 1979

सं० ए-35018/2/78-सी० डब्ल्यू-१—आकाशवाणी महा-निदेशक, के० लो० नि० वि० के सहायक इंजीनियर, श्री वाई० बी० धवले को रुपये 650-30-740-810-द० रो०-35-880 40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में सिविल निर्माण स्कन्ध, आकाशवाणी, बम्बई में सहायक इंजीनियर(सिविल) के पद पर 31-8-79 (प्रपराह्न) से प्रथमतः प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री धवले के वेतन एवं भत्तों का निर्धारण वित्त मन्त्रालय के समय-समय पर यथासंशोधित, कार्यालय शापन संझा 10/24/ई-III/60 दिनांक 4-5-1961 के अनुसार किया जायेगा।

एस० रामास्वामी
अपर मुख्य इंजीनियर (सिविल) के
इंजीनियरी अधिकारी
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० १०-१२०२५/१/७९-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री विश्वानाथ अधिकारी को सिनियर प्राइस्ट के पद पर अस्थायी रूप से ९ नवम्बर १९७९ से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० १७-२/७४-प्रशासन-I—श्री जौ० सी० गुप्ता ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली से २६ सितम्बर, १९७९ अप्राह्ल को उपनिदेशक लेखा (भण्डार) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० १२०२५/२४/७८-(एच० क्य०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० आर० गुप्ता को २७ अक्टूबर, १९७९ पूर्वाह्ल से आगामी श्राद्धों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली में जीव रसायनज्ञ (बायोकैमिस्ट) के पद पर अस्थायी तौर पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला

पुणे-२४, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० ६२९/२२/७९-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "ब") (राजपत्रित) से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पुणे, एतद्वारा निम्नानुसार अनुसन्धान सहायकों (इंजीनियरी) को सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पुणे में वेतनमान रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० स्थायी रूप से स्थानापन्न पदों पर उनके नामों के सामने दिखायी गई तारीख से नियुक्ति करते हैं।

2-356GI/79

		पद भार सम्मालने की तारीख
1.	श्री आर० एम० सिंधरकर	3-८-७९ (पूर्वाह्ल)
2.	श्री छृ० एम० बाम्लकर	4-८-७९ (पूर्वाह्ल)
3.	श्री आर० डी० कुलकर्णी	3-८-७९ (पूर्वाह्ल)
4.	श्री एस० एन० गवकी	6-८-७९ (पूर्वाह्ल)
5.	श्री एस० आर० छटकर	3-८-७९ (पूर्वाह्ल)
6.	श्री ए० एफ० शेवरे	4-८-७९ (पूर्वाह्ल)

उपर्युक्त अधिकारियों को सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी), के पद के लिए केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला (पुणे) में दो साल की उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से परिवीक्षावधी होगी।

दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ६०८/६१/७९-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'ख') से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पुणे एतद्वारा श्री छृ० एम० बाप्ये को सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पुणे ; वेतनमान रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० पर अगस्त ९, १९७९ को पूर्वाह्ल से नियुक्ति करते हैं।

श्री बी० एस० बाप्ये के लिए ७ अगस्त, १९७९ से दो साल परिवीक्षावधी होगी।

सं० ६०८/६२/७९-प्रशासन—विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप 'ख') से की गई सिफारिश पर निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पुणे एतद्वारा श्री बी० एस० मोटवानी को सहायक अनुसन्धान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान शाला, पुणे में वेतनमान रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० पर ३१ अगस्त, १९७९ को पूर्वाह्ल से नियुक्ति करते हैं।

श्री बी० एस० मोटवानी के लिए ३१-८-७९ से दो साल परिवीक्षावधी होगी।

डा० एस० पी० चड्ढा,
मुख्य अनुसन्धान अधिकारी (श्रेणी-II)
कार्यभारी : प्रशासन
कृते : निदेशक

ग्रामीण पुनर्निर्माण मन्त्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० ए० 19023/48/78-प्र० III—इस निदेशालय में कानपुर में उप वरिष्ठ विषयन अधिकारी (वर्ग II) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री जी० एस० कशिवा ने तारीख 23-7-1979 के अपराह्न में नागपुर में विषयन अधिकारी (वर्ग II) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1979

सं० ए० 31014/3/78-प्र० 1 (खण्ड-III)—कृषि विषयन सलाहकार भारत सरकार श्री संतरी प्रसाद को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय में दिनांक 19-8-78 से विषयन अधिकारी (वर्ग III) के स्थाई पद पर मूलतः नियुक्त करते हैं।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

सं० पीपीईडी/3 (236)/79-प्रशासन/1217/15999—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को उनके नाम के सामने उल्लिखित दिनांक से अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी/ग्रेड 'एसबी' नियुक्त करते हैं:-

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान ग्रेड	नियुक्ति दिनांक
1.	श्री सी० एस० वैद्य	नक्षानवीस 'सी' (स्थायिकत)	2-8-79
2.	श्री बी० डी० गंडा	वैज्ञानिक सहायक, 'सी' (स्थायिकत) ^a	1-8-79
3.	श्री एम० आर० पटनायक	वैज्ञानि क सहायक 'सी' (स्थायिकत)	1-8-79
4.	श्री आर० वी० शेट्टी	वैज्ञानिक सहायक 'सी' (स्थायिकत)	18-79

दिनांक 20 नवम्बर 1979

सं० पीपीईडी/3 (262)/78-प्रशासन/15966—इस प्रभाग के एक स्थायी प्रब्रण कोटि लिपिक श्री एन० टी० बारदामी जिन्हें विनांक सितम्बर, 26, 1979 की अधिसूचना संख्या पीपीईडी/3 (262)/78-प्रशासन/14268 के द्वारा स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया था, ने अक्टूबर, 4, 1979 के अपराह्न को सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रम एवं भौदार निदेशालय

मद्रास क्षेत्रीय यूनिट

मद्रास, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० एम० आर० पी० यू०/200(9)/79/प्रशासन—इस कार्यालय की तारीख 19-8-79 की अधिसूचना सं० एमआरपी० यू०/200(9)/78/प्रशासन के क्रम में श्री एन० राजगोपालन की स्थानापन्न रूप से की गई नियुक्ति की अवधि 1-9-78 से 29-7-79 के अपराह्न तक बढ़ा दी गई थी। श्री एन० राजगोपालन ने सहायक क्रम अधिकारी के पद का कार्यभार 29-7-1979 के अपराह्न में छोड़ दिया।

एस० रंगचारी,
क्रम अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603102, दिनांक 22 अक्टूबर 1979

सं० ए० 32013/8/79-आरा:—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, इस केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को अगले आदेश तक के लिए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतन-मान में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान ग्रेड	प्रोत्तिपति पद पर नियुक्ति की जाने की तारीख
1.	श्री एस० धनपाल	स्थायीवत नक्षा-नवीस 'सी'	1-8-79
2.	श्री बी० वेणुगोपाल	अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी'	1-8-79
3.	श्री एस० शंकरन	अस्थायी फौररैन	1-8-79
4.	श्री एस० नाथमुनि	अस्थायी फौररैन	1-8-79
5.	श्री ए० सुभाष चन्द्र बोस	अस्थायी फौररैन	1-8-79
6.	श्री बी० पवनाशम	अस्थायी फौररैन	1-8-79
7.	श्री ए० के० चन्द्रन	अस्थायी फौररैन	2-8-79

टी० एस० बी० अमर,
प्रशासन-अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79—ई० सी०:—महानिदेशक, नागर विमानन निम्नलिखित पांच तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई, तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात करते हैं।

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
संकेतशी				
1. के० सी० शर्मा	.	वै० सं० स्टेशन, पालम	रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली	6-9-79 (पूर्वाह्नि)
2. जे० आर० शर्मा	.	वै० सं० स्टेशन, अहमदाबाद	वै० संचार स्टेशन, पोरब्रह्मनदर	27-9-79 (पूर्वाह्नि)
3. के० टी० जोळ	.	वै० सं० स्टेशन हैवराबाद	वै० संचार स्टेशन हैदराबाद	4-10-79 (पूर्वाह्नि)
4. जसवन्त सिंह	.	वै० सं० स्टेशन बम्बई	वै० संचार स्टेशन, बम्बई	4-10-79 (पूर्वाह्नि)
5. के० एस० मुखर्जी	.	वै० सं० स्टेशन पोर्टब्लेयर	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	6-10-79 (पूर्वाह्नि)

हरबंस लाल कोहली,
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ए०—32013/5/78—ई० सी०:—इस विभाग की दिनांक 30-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/78—ई० सी० के

क्रम में राष्ट्रपति ने श्री आर० पी० शर्मा की नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक संचार के रूप में तदर्थ नियुक्ति को 30-8-1979 के बाद 12-10-1979 तक जारी रखने की संस्कृति दे दी है।

सं० ए० 32014/3/79—ई० सी०:—महानिदेशक नागर विमानन, निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	किस स्टेशन पर तैनात किया गया।	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्री के० रामनाथन	.	वै० संचार स्टेशन, पालम।	वै० संचार स्टेशन, पालम	25-10-79 (पूर्वाह्नि)
2. श्री छी० आर० कृष्णास्वामी	.	वै० संचार स्टेशन, तारकेश्वर।	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता।	12-10-79 (पूर्वाह्नि)

दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० ए० 32012/3/78—ई० एस—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री एम० सी० भद्र, को दिनांक 3 नवम्बर, 1979, पूर्वाह्नि से नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी (मुप्र “ख” पद) के रूप में नियुक्त किया है और इन्होंने तक

उन्हें प्रिसिपल, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय में तैनात किया है।

आर० एम० दास,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० ए०-३२०१३/७/७८-ई० I—इस विभाग की दिनांक 24-11-1978 की अधिसूचना संख्या ए-३२०१३/७/७८-ई० I के क्रम में राष्ट्रपति जी ने श्री एस० सी० मजुमदार, उपनिदेशक को दिनांक 30-८-७९ के बाद 31-१२-१९७९ तक या पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर निवेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक के रूप में नियुक्त किया है।

सी० के० वस्स,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० १२/४/७८-स्थापना:—निम्नलिखित स्थानापन्न/प्रस्थायी सहायक अधियंताओं को प्रत्येक के नाम के आगे लिखे दिनांक से सहायक अधियंता के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है:—

नाम	स्थायी नियुक्ति का दिनांक
1	2
1. श्री राजन पाल सिंह	19-7-1975
2. श्री वाई० श्रीराममूर्ति	20-7-1975
3. श्री देवेन्द्र सिंह	21-7-1975
4. श्री बी० एन० बी० खरे	22-7-1975
5. श्री सी० आर० छाक्रा	23-7-1975
6. श्री के० रामचन्द्रन	24-7-1975
7. श्री एन० सी० गय	25-7-1975
8. श्री आर० पी० अथर	26-7-1975

दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० १५/१०९/७६-स्थापना-I:—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहरादून निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों (प्रथम वर्ग) को उनके नाम के आगे लिखी तारीखों से उनके सामने लिखे पदों पर अस्थाई रूप से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

नाम	पद	तारीख
1. श्री पी० पी० भोला	अनुसंधान अधिकारी	15-11-79 (अपराह्न)
2. श्री पी० सी० पाण्डे	वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय । अनुसंधान अधिकारी	22-10-79 (पूर्वाह्न)
3. श्री एस० सी० मिश्रा	वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय अनुसंधान अधिकारी	22-10-79 (पूर्वाह्न)
4. श्री बी० एन० टण्डन	वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय अनुसंधान अधिकारी	22-10-79 (पूर्वाह्न)
5. श्री ए० के० अनन्धानारायण	वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय अनुसंधान अधिकारी	26-10-79 (पूर्वाह्न)
6. श्री सी० आर० रंगास्वामी	वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलूर अनुसंधान अधिकारी	26-10-79 (पूर्वाह्न)
7. श्रीमति बी० एस० कमला	सन्दर्भ अनुसंधान केन्द्र, बंगलूर अनुसंधान अधिकारी	26-10-79 (पूर्वाह्न)
	वन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलूर	

उनके अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्ति दो साल की परिवीक्षा पर होगी।

1	2
9. श्री ए० के० मलिक	27-7-1975
10. श्री ए० जी० आर० प्रयंगार	1-3-1976
11. श्री बी० एस० सक्सेना	29-4-1976
12. श्री के० एन० शर्मा	8-8-1976
13. श्री एस० के० शर्मा	11-3-1977
14. श्री जी० मोहन राव	5-5-1977
15. श्री टी० आर० कपूर	24-6-1977
16. श्री के० पी० शर्मा	1-11-1977
17. श्री आर० जे० पोल	5-3-1978

एस० श्रीनिवासाचार,
महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1979

सं० १६/२५७/७६-स्थापना-I:—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने डा० रमेश चन्द्र सेटिया, अनुसंधान अधिकारी का दिया गया त्वागपत्र दिनांक 31 जुलाई, 1978 के अपराह्न से स्वीकृत कर दिया है।

दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० १६/३३४/७९-स्थापना-I:—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री टी० कुण्डामूर्ती को, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के आधीन योजना स्तरीय के अन्तर्गत 'वन मृदा प्रयोगशालायें (वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण)' के क्षेत्रीय केन्द्र कोयम्बटूर में दिनांक 15 अक्टूबर, 1979 के अपराह्न से अगले आवेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 15/109/76—स्थापना—I—ग्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून निम्नलिखित तदर्थे अनुसंधान अधिकारियों को दिनांक 22 अक्टूबर से अगले आदेशों तक सहर्ष प्रस्थाई रूप से नियमित अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

1. श्री एच० एस० गहलोत,
2. श्री वी० धी० गुप्ता,
3. श्री के० के० शर्मा
4. श्री आर० सी० गोड़
5. श्री शिव प्रसाद
6. श्री डी० सी० चौधरी
7. श्री कृष्ण लाल
8. श्री आर० एस० आर्य

वे दिनांक 22-10-79 से दो साल की परिवीक्षा पर होंगे।

सं० 15/109/76—स्थापना—I:—ग्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने निम्नलिखित व्यक्तियों को दिनांक 22 अक्टूबर, 1979 के पूर्वाह्न से अपने मूल पदों पर जिनमें वे अपनी तदर्थे अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्ति से पहले काम कर रहे थे प्रत्यावर्तित कर दिया है:—

1. श्री पी० एस० पथाल
2. श्री आदर्श कुमार
3. श्री के० सी० बडोला

4. श्री सी० आर० शर्मा
5. श्री आर० डी० टण्डन
6. श्री श्री० के० जैन
7. श्री डी० डी० एस० नेगी
8. श्री पी० पी० जैन
9. श्री आर० सी० मित्तल
10. श्री वी० के० जैन
11. श्री के० के० कालरा
12. श्री एच० एस० अनन्यापद्ममानामा
13. श्री एस० आर० माधवनपिले।

दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० 16/322/79—स्थापना—I:—ग्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री अनिल कुमार मुखी को, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन योजना स्कीम के अन्तर्गत “वन मृदा प्रयोगशालायें (वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण)” के क्षेत्रीय केन्द्र कोयम्बटूर में दिनांक 27 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन,
कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरणिय, मद्रास
मद्रास-600034, दिनांक 14 नवम्बर 1979

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1976 (सातवां संशोधन) जो कि दिनांक 21-2-1976 से प्रभावी हुआ, के नियम 232-के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की जाती है कि उप नियम (2) के अन्तर्गत निर्दिष्ट उत्पादन शुल्क और नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए गए व्यक्तियों श्रीर उन व्यक्तियों का नाम, पता व अन्य विवरण जिन पर उक्त अधिनियम की धारा 33 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा 1,000 रुपये या अधिक राशि को शास्ति अधिरोपित की गई है, इस प्रकार है:—

सूची I

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के उल्लंघित उपबन्ध	अधिरोपित शास्ति की राशि
1	2	3	4	5
1.	श्री आर० नागर्जुन सुपुत्र श्री के० वी० रंगस्वामी मुदलियर	एल 5,29/71, चिटोड़ पोस्ट टालुक भवानी जिला, कोयम्बटूर।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम की धारा 9(1)(ब) (ब ब)	न्यायालय द्वारा 1,750 रुपये जुर्माना किया गया।

II—विभागी न्याय-निर्णयन

सूची II

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के उल्लंघित उपबंध	अधिरोपित शास्ति की राशि
1	2	3	4	5
1.	सी० नम्पेरमाल, गुजरात, एल० 5 सं० 17/67	सं० 13, भोहमेदेपर स्ट्रीट, मेट्रो	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 का नियम 151	2000 रु० की शास्ति लगाई गई। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधि- नियम-1944 के अन्तर्गत 9 (1) और 9(1)(ख) के अन्तर्गत 2 अभियोगों के लिये दोष सिद्ध होने पर 1000 रु० की शास्ति भ्रदा न करने पर 3 महीने के सख्त कारावास की सजा।
2.	ए० गोपाल, एल० 5 सं० 18/77	करंगलपट्टी, तीसरी रोड, सेलम	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 के नियम 151 (सी) 160	2 अभियोगों के लिए अर्थात् 9 (1) (ख) और 9 (1) (ख) के अधीन 2000 रु० की शास्ति भ्रदा न करने पर 2 महीने के सख्त कारावास।
3.	सर्वश्री संतोष कुमार, उद्योग	एल० 4 सं० 143/पी डी पी/72, कोयम्बटूर	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 की धारा 9	1000 रु० का जुर्माना लगाया गया।
4.	बी० मानीकम, सुपुत्र श्री वरदा गोन्डर	सनर स्ट्रीट, चीटोड़, भवानी तालुक, जिला कोयम्बटूर	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 के नियम 32(1)	250 रु० को शास्ति लगाई गई। जब्त करने के बदले में 1000 रु० की शास्ति लगाई गई। न्यायालय के बरखास्त होने तक के लिये कारावास तथा 300 रु० जुर्माना होने की सजा सुनाई गई।
5.	बी० रामस्वामी, सुपुत्र श्री वेल नईकर, एल० 5 सं० 8/73	मोडाचूर, गोदी तालुक	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 का नियम 151 (सी)	250 रु० शास्ति अधिरोपित की गई। 9 महीने के सख्त कारा- वास का दण्ड भुगतने के लिए दोषी पाया गया।
6.	जी० पेलमाल रेड्डियार, सुपुत्र श्री गोन्गू रेड्डियार	एल० 5 सं० 2/67 केमी अमपट्टी (वाया) एन्धीयूर, भवानी तालुक	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 का नियम 151 (सी)	250 रु० शास्ति अधिरोपित। दोषी पाये जाने पर न्यायालय के बरखास्त होने तक कारा- वास तथा 500 रु० का जुर्माना भ्रदा करने की सजा सुनाई गई।
7.	एम० कुण्णस्वामी गोप्तर, एल० 5 सं० 11/68, सुपुत्र श्री मारपा गोन्डर	चिट्ठोड़	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 का नियम 151 (सी)	250 रु० की शास्ति अधिरोपित। दोष सिद्ध होने पर 500 रु० का जुर्माना के भ्रदा करने की सजा सुनाई गई।
8.	एस० टी० मुख्यस्वामी, एल० 5 सं० 19/66	सेडापालियम, कुन्डम।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 के नियम 151 (सी)	250 रु० की शास्ति अधिरोपित। दोष सिद्ध होने पर जमति के रूप में 500 रु० भ्रदा करना।

1	2	3	4	5
9.	आर० कलिअरप्पा गाउडर, एल० 5 सं० 348/64 सुपुत्र श्री रविकाया गाउडर।	पेरंडीरी, ईरोड तालुक	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 का नियम 151 (सी)	2000 रु० शास्ति अधिरोपित। दोष सिद्ध होने पर जुर्माना के रूप में 500 रु० अदा करना।
10.	आर० कालिअरप्पा गोडर, एल० 5 सं० 348/64 सुपुत्र श्री रविकाया गाउडर।	पेरंडीरी, ईरोड तालुक	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 का नियम 151 (सी)	250 रु० की शास्ति अधिरोपित। जब्ती के बदले 250 रु० जुर्माना। दोष सिद्ध हो जाने पर जुर्माना के रूप में 500 रु० अदा करना।
11.	पी० ए० जगन्नाथन सुपुत्र श्री अरमूगम	एल० 2 सं० 12/68, चिटोड	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 के नियम 32 (1)	250 रु० शास्ति अधिरोपित। दोष सिद्ध होने पर 500 रु० अदा करने का जरूरी।
12.	पी० करण्युसामी, सुपुत्र श्री पोरीश्रीपा गोडर।	उत्तमपलायम, पी० पुलिमपट्टी, गोडी तालुक	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 के नियम 32 (1)	250 रु० शास्ति। जब्ती के स्थान पर 1250 रु० का जुर्माना। 1000 रु० जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई।
13.	पी० नार्थीमुण्डु, सुपुत्र श्री पेरमात्र गोडर, एल० 5 सं० 4/74, तम्बाकू व्यापारी।	चिटोड़, भवानी तालुक	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियमावली 1944 के नियम 151 (सी)	250 रु० शास्ति अधिरोपित। जब्ता के बदले में 250 रु० जुर्माना। दोष सिद्ध होने पर 9 महीने की सख्त कारावास की सजा।

II—विभागीय न्यायनिर्णय

शृंखला

सूची III

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के उल्लंघित उपबन्ध	अधिरोपित शास्ति की राशि
1	2	3	4	5
1.	श्री पी० महादेवन,	पी० एम० जी०, इन्डस्ट्रीस, कोयम्बटूर।	कें० उ० रु० अधिनियम, 1944 की धारा 9(1) (अ) 9(1) (ख ख)	2000 रुपये जुर्माना किया गया।
2.	श्री आर० नटराजन	विजय इलेक्ट्रोनिक्स इन्डस्ट्रीस, कोयम्बटूर।	—यथोपरि—	750/- रु० जुर्माना किया गया।

II—विभागीय न्याय निर्णयन

शृंखला

सं० IV/16/384/78/CX Adj.—II:—

एम० जी० वैद्या,
समाहर्ता,
कें० उ० रु०, मद्रास

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
नई विल्ली-110022, दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० 6/5/78-प्र०-2—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
एतद्वारा श्री बी० के० धोप, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में 15-9-79 से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 नवम्बर 1979.

सं० 6/2/78-प्र० 2—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सायकों को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (श्रेणी-ब) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री परमानन्द	11-9-79
2. श्री जे० एस० दुम्रा	11-9-79

दिनांक 12 नवम्बर 1979

सं० 6/8/77-प्र०-2—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधि, करण एतद्वारा श्री जी० पी० आनन्द, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा (श्रेणी-2) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में 27-1-78 से अनुपस्थिति में अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न भेजता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 नवम्बर 1979

सं० 6/5/78-प्र०-2—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथि से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री के० सी० बद्रा	20-9-79
2. श्री डी० पी० राठी	22-9-79

सन्तोष विश्वास, अवर सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 'कोरो मण्डल' मोस्टल माइनिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1979

सं० 519 (560)—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की (5) के अनुसरण में यह सूचना दी जाती है कि 'कोरोमण्डल मोस्टल माइनिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड' का

नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 'नव भारत केबल्स प्राइवेट लिमिटेड' के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1979

सं० 1339 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण में यह सूचना दी जाती है कि नवभारत केबल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

बी० एस० राजु,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बाला जी कारणी मूवरस स्ट्रीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० 3184/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा 5 के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बालाजी कारौणी मूवरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रायबहादुर एस० बी० गोविन्द राजन ब्रदर्स एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० 563/560/794—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा 5 के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रायबहादुर एस० बी० गोविन्द राजन ब्रदर्स एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० 1665/560/79—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 5 के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि के० सेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विजय नगर मैन औनस एसोसिएशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० 1435/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विजयनगर मैन औनस एसोसिएशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कुर्ग एवरग्रीन
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलौर, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं. 2301/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कुर्ग एवरग्रीन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजबानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्टर स्टेट फाईनेंस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जलन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं. जी/स्टेट/560/2290—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इन्टर स्टेट फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ब्लू बड़ फाईनेंसीयरस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जलन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं. जी/स्टेट/560/2969—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्लू बड़ फाईनेंसीयरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रांची श्रीवरीज प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं. 6664/19782—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रांची श्रीवरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सरसेना
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टैरो फिल्म्स लिमिटेड
के विषय में

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं. डी.एन. /6652/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टैरो फिल्म्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बाई० सत्यनारायण
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री कुपुस्वामी ट्रांसपोर्ट
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं. 4786/560(3)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री कुपुस्वामी ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह०/- अपठनीय
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स बर्मा शैल पेनशन्स
द्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं. 15414/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स बर्मा शैल पेनशन्स द्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स बीके वुड प्रोडक्ट्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं. 13865/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स बीके वुड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एल० मीना
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स मीरान्डा एंड
इंडस्ट्रीज रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० 18070/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मीरान्डा एंड इंडस्ट्रीज रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स वाधी ब्रदर्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1979

सं० 12840/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स वाधी ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० एम० गुप्ता
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त,
नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1979

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/1/79-80/27434—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 9-11-79 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-1-एफ,
नई दिल्ली।

एम० डब्ल्यू० ए० खान,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० जुरि/दिल्ली/2/79-80/27575—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 9-11-79 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली, रेंज-2-एच,
नई दिल्ली।

एम० डब्ल्यू० ए० खान
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० जुरि-दिल्ली/4/79-80/27851—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 9-11-79 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

1. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-3-जी, नई दिल्ली।
2. निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-3-एफ, नई दिल्ली।

एम० डब्ल्यू० ए० खान
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० जुरि-दिल्ली-3/79-80/27716—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 9-11-79 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त दिल्ली रेंज-4-जी, नई दिल्ली।

एस० जी० जयसिंघानी
आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

सं० जुरि-दिल्ली/5/79-80/27170—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 29-10-79 की अधिसूचना सं० जुरि-दिल्ली/5/79-80/25954 को दिनांक 8-11-79 से रद्द माना जाए।

दिनांक 9 नवम्बर 1979

सं० जुरि-दिल्ली-5/79-80/27999—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि दिनांक 9-11-79 से निम्नलिखित आयकर रेंज बनाया जाएगा :—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेज-5-एफ,
नई दिल्ली।

दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० जुरि-दिल्ली-5/79-80/28758—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों सथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निर्देश देते हैं कि आयकर अधिकारी, डि० 4(4) नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि० 4(6), नई दिल्ली द्वारा निर्धारित किए गए/नियरिण-गोम्य उन व्यक्तियों/मामलों के संबंध में, जिनके नाम अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर 'एस' से आरंभ होते हैं, आयकर अधि-

कारी, डि० 4(6) नई दिल्ली के साथ समवर्ती अधिकार क्षेत्र होगा किन्तु इनमें वे मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिकारी, डि० 4(6) नई दिल्ली को धारा 127 के अधीन सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

कार्यनिष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124 की उपधारा-2 में अवैधित आदेशों को पास करने के लिए निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-5-सी को प्राधिकृत भी करते हैं।

यह अधिसूचना दिनांक 15-11-79 से लागू होगी।

के० आर० राधवन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/11-79/4251—
अतः मुझे ढी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10578 है तथा जो पदम सिंह रोड, डब्ल्यू
ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्वा
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-3-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और यह कि
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित रूप में वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. सुरेश चन्द्र सेठी पुत्र तारा चन्द्र,
निवासी 84, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री आत्म प्रकाश पुत्र पं० चिरंजी लाल
निवासी 1088 कूचा नटवां, चांदनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिन्दू द्वारा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुभूति

एक लाई मंजिला सकान नं० 10578 इलाका नं० 16
धोतफल 269 वर्ग गज, पदम सिंह रोड, डब्ल्यू० ई० ए०
करोल बाग, नई दिल्ली-110005 में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली

तारीख 8-11-79
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एम् एस०—
भारत प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सार्वालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2
नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्स०-II /11-79-426—
अतः मुझे डी० पी० गोयल,
प्रारंभ प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक्स०-715 है, तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1979

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और प्रभरक (अन्तरकों) और प्रभरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया अनिष्टन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कारण सूचित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरक्षण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय वा किसी धन या अन्य पार्स्तयों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपप्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अकात् :—

1. श्री रामजीदास द्वारा, पुल नौबत राय
निवासी एफ-715, मालवीय नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. भजन सिंह पुल अमर सिंह
निवासी एफ-7/7, मालवीय नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी वाक्षेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों से मैं किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, व्यष्ठोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एफ 7/5, क्षेत्र फल 125, 88 वर्ग गज, मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III नई दिल्ली

तारीख 8-11-79
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/11-79/427—
ग्रतः मुझे ठी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० 90/84 ए है तथा जो मालवीय नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7-3-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दीनानाथ गांधी, राम नरायण गांधी व ओमप्रकाश
गांधी, पुत्र गण परमानन्द गांधी, निवासी ई-27,
ग्रेटर कैलाई-I, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश वाधवा पुत्र बिहारी लाल वाधवा,
श्रीमती राज वाधवा पत्नि ओमप्रकाश वाधवा,
निवासी 90-84 ए, मालवीय नगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संशोधन: - इसमें प्रत्येक शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 90/84 ए, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, मालवीय
नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

श्री० पी० गोयल
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

तारीख 8-11-79
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंसी डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, विल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/11-79/428—
ग्रहण, मुझे, ई० ए० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 11946 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल
बाग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 13-3-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

ग्रहण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवादतः—

1. श्री सुमन भंडारी घ रमन भंडारी पुत्रगण उप्र सेन भंडारी
निवासी 1000, आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई
विल्ली।

(अन्तरक)

2. अजीत कौर पत्नि साधू सिंह
निवासी 12/2390, बीड़नपुरा, करोल बाग,
नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अन्वन्ध में कोई भी ग्राहकेवं:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रधोहस्ताकारी के बास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्याय होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान म्युनिसिपल नं० 11946, प्लाट नं० 58,
ब्लॉक नं० 3-ए, क्षेत्रफल 877 वर्ग गज, डब्ल्यू० ई० ए०
करोल बाग, में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, विल्ली

तारीख: 8-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जे रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-III/11-79/429—
अतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एच-5/14 है, तथा जो मालवीय नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खेम अन्द, पुत्र खुशीराम
सैफर 23, 2315, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री राम जीदास व श्रीमती पार्वती, देवी
निवासी एच-5/14, मालवीय नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एच-5/14, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, मालवीय
नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 8-11-79

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, दिल्ली-2,
नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/11-79/430—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० जी-11/2 है, तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल
का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण,
निखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरण के दायित्व में कमी
करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्यादादियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य के अनु-
सरण में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्—

4—356GI/79

1. श्री गोदू मल पुत्र उत्तम चन्द निवासी 7/9 रेलवे कालोनी
दया बस्ती दिल्ली इनके स्पेशल अटोरनी एस० एन०
बन्सल पुत्र जी० एन० बन्सल निवासी जी-11/2
मालवीय नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती रक्षा रानी बंसल पति श्री एस० डी० बंसल
निवासी जी-11/2, मालवीय नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवृत्ति के संबंध में ऊर्ध्व भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरियों पर सूचना
को तामोल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्नि में हितबद्ध किसी
प्रत्यय अवित्य द्वारा, प्रबोहस्ताशरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें व्यूक्त गाड़ों और वर्दी का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रद्याय 20-क में परिभ्रान्ति है
वर्ती अर्थ द्वारा, जो उस प्रद्याय में दिया गया है।

गणूत्तमी

मकान नं० जी-11/2 क्षेत्रफल 126 वर्ग गज मालवीय
नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकाश प्राईटी एस.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, विनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं. आई.ए.० सी०/एक्यू-३/११-७९/४३—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए
के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ५०
से अधिक है और

जिसकी सं. जी/43 वी है, तथा जो मालवीय नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-३-१९७९ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वे कम के दृष्टिकोण
प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की वर्द्ध है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके दृष्टिकोण प्रतिकल से ऐसे दृष्टिकोण प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) या अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा यात्रा गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक ढंग से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कियो आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिकोण में कमी करने या उससे बचने में विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें मालवीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्ष अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किथा आमा आहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, पर, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के उक्त संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, धर्षतः—

1. श्रीमती पुष्पा बोहरा पुत्री चुनी लाल ध्वन पटिन दीना
नाथ बोहरा निवासी मकान नं. 31 माल रोड
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मोती राम पुत्र दियो मल, ललमन दास पुत्र दियो मल
निवासी 16 मालवीय नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उक्तनर में कार्य नामांकन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोदाम्त्रकारी के पाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. निल/43 वी क्षेत्रफल 100 वर्ग गज मालवीय
नगर, नई दिल्ली-110017 में निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

परिवेश : सड़क

उत्तर : मकान नं. निल/43 ए

दक्षिण : मकान नं. निल/44।

डी० पी० गोयल
संकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रह्ल प्राई० टी० एन० एस०---

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली-2
नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्य०-3/11-79/432—
यह, मुझे, डी० पी० गोपन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० एफ-3/12 है, तथा जो मालवीय नगर,
और दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम को धारा 269वा की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री शिव लाल पुत्र सुन्दर लाल ये अटोरनी श्री मंशी
सिंह पुत्र धर्म मिह निवासी एफ-315 मालवीय नगर,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती भागवत्ती परिन शिव लाल निवासी एफ-3/12
मालवीय नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिता नहीं के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० एफ-3/12 क्षेत्रफल 128 बर्ग गज मालवीय
नगर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर : सड़क
दक्षिण : प्लाट एफ-3/11
पूर्व : सड़क
पश्चिम : सर्विस लेन।

डी० पी० गोपन
सहायक ग्रामकर ग्रामक (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एच० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापार
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, विनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०-3/11-79/433—
यतः, मुझे, डी० पी० गोपल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापार 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए ये अधिक है।
और जिसकी सं० एच-7/6-7 है तथा जो मालवीय नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-3-1979
को एक्सेक्यूटिव सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (पश्चातकों) और अन्तरिती (प्रमत्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
सिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसो किसी प्राय या किसी बन या प्रम्य भास्तियों को;
जिन्हे भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की व्यापार 269व के अनुसरण में,
में, उक्त वावरितम, की व्यापार 269व की उपव्यापा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधितियों अर्थात् :—

1. श्री गुरचरन सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह, निवासी जी-86
मालवीय नगर, नई दिल्ली द्वारा श्री चानन राम
गुप्ता पुत्र श्री मेघर मल निवासी एच-7/6 मालवीय
नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री देशबन्धु व नरिन्दर कुमार पुत्रगण श्री चानन राम
गुप्ता निवासी एच-7/6, मालवीय नगर, नई दिल्ली
(प्रतिरक्षी)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त नमूनति के अर्जन के लिए
कार्यवाचियों करता है।

उक्त नमूनति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी
अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे हितवद्ध किसी
प्रम्य अधिकत द्वारा अष्टोहस्ताक्षरी के पास सिद्धि
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है
वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

प्रनुसूची

मकान नं० एच-7/6-7, क्षेत्रफल 1777.50 वर्ग फुट
(197.50 वर्ग गज) मालवीय नगर, नई दिल्ली में स्थित
है।

डी० पी० गोपल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० ए०००—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का आदा

269 व(1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-३/११-७९/४३४—

यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व के अधीन मकान प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 10, ब्लाक-ए है, तथा जो ग्रीन पार्क एक्स-टेन्यन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-३-१९७९ को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे छठने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या धन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छम्ब-२२ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योजनायां प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रब्र, उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवैतः—

1. श्री ईश्वर चन्द्र गुप्ता पुत्र राम चन्द्र गुप्ता निवासी ७-११, ग्रेटर कैलाश इन्क्लेव 2, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री अर्जीत प्रशाद जैन पुत्र ज्योती प्रशाद जैन निवासी 255९, घरमंपुरा दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रब्रन के लिए कार्यादियाँ करना हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रब्रन के मंत्रित में काई भी आश्रितः—

(क) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाश रूप नारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्थल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकें।

१ पञ्चीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों वेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बच्चुन्द्री

एक डेक मंजिला रिहायशी मकान जो फीहोल्ड रिहायशी प्लाट नं० 10, ब्लाक-ए क्लेफल 355.5 वर्ग गज (297.28 वर्ग मीटर) पर बना है, ग्रीन पार्क एक्सटैनशन नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: मकान नं० ए-१४ व ए-१५ (कुछ हिस्सा)
पश्चिम	: सड़क
उत्तर	: मकान नं० ए-९
दक्षिण	: मकान नं० ए-११

डी० पी० गोयल
सकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रश्न प्राई० डी० एन० एम०

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०-3/11-79/435—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा
269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर पत्तानि, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जे-4/6 है, तथा जो राजोरी गाड़न नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपायदृष्टि सूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित हो गये हैं और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण है
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269व (1) के अनुसर
में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269व (1) की उपधारा (1)
अन्तरित निम्नलिखित अवितर्दों, प्रवातः—

1. श्रीमती मोहिनी कौर पत्नि प्रीतम सिंह द्वारा जलन्धर
पाठीप फिर्दा का० चौक भगत सिंह जलन्धर शहर-१
(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र, योगिन्द्र प्रकाश पुत्रगण श्री बास्ती राम
निवासी एच नं० 9317 गली नं० 8, मुस्तानी डॉडा
पहाड़ गंज, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
सार्वजनिक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
द्वितीय फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० जे-4/6 राजोरी गाड़न नई दिल्ली ओ फी होल्ड
प्लाट क्लेफल 206 वर्ग गज पर बना है, ततारपुर गांव में
पड़ता है, निम्न प्रकार से स्थित हैः—

उत्तर : खुली जमीन
दक्षिण : सड़क
पूर्व : मकान नं० जे-4/5
पश्चिम : मकान नं० जे-4/7

जी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एम०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-III/11-79/436—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

जिसकी सं० एच-2 है, तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की आवत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/य

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

1. श्रीमती एडिथ नाथ बैरी पति स्वर्गीय श्री नाथ बैरी
इनके जनरल अटोरनी श्री ए० जे० लेवी निवासी
एच-2, ग्रीन पार्क नई दिल्ली के द्वारा
(अन्तरक)

2. श्री के० के० चड्ठा पुत्र स्वर्गीय श्री सुखराज चड्ठा
निवासी, 11 पार्क प्रिया करोल बाग नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो प्लाट नं० 2 ब्लाक एच ब्लैकफल
200 वर्ग गज पर बना है ग्रीन पार्क नई दिल्ली में निम्न प्रकार
स्थित है :—

उत्तर :	सड़क
दक्षिण :	सर्विस लेन
पूर्व :	प्लाट नं० 1 ब्लाक एन (ग्रब प्लाट नं० 16 ब्लाक एफ)
पश्चिम :	प्लाट नं० 3 ब्लाक एच।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-2
नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-III/11-79/437—
यतः, मुझे, डी० पी० गोदल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
अधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० 10/66 है, तथ जो पंजाबी बाग
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व प्रम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री ललित कुमार पुत्र आरा० के० नन्दा निवासी जे-
10/49, राजोरी गाँड़न नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला रानी पति कैलाश चन्द्र निवासी
3/3 जयदेव पार्क नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट नं० 10 सड़क नं० 66 क्षेत्रफल 279.55
वर्ग गज पर बना है, पंजाबी बाग गांव मादीपुर दिल्ली राज्य
दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोदल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-III, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/11-79/438—
यतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी जो, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 94 है, तथा जो गांव मटियाला डा० उत्तम
नगर नजफगढ़ रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21 मार्च 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों)
और प्रबन्धिती (प्रबन्धितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या हिस्से घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरम
में मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5-356GI/79

1. श्री सुमन कपाही पुत्र शिव कुमार कपाही निवासी
5/12 पंजाबी बाग एक्सटेनशन नई दिल्ली ये जनरल
ट्रॉयरनी श्री मीर सिंह के
2. मै० डीलक्स एन्टरप्राइजेस 94 मटियाला दिल्ली राज्य
दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में छिपाव
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोन्नस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 825 वर्ग गज जिस पर डेढ़ मंजिला मकान
बना है 94, गांव मटियाला, डाकखाना उत्तम नगर, नजफगढ़
रोड़, नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है:—

- | | |
|----------|------------------------------------|
| पूर्व : | मै० ए० के० इन्डस्ट्रीज की प्राप्ती |
| पश्चिम : | मीर सिंह की जमीन |
| उत्तर : | सड़क |
| दक्षिण : | शेर सिंह व अन्य की जमीन। |

डी० पी० गोयल
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

पंक्ति शाई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 व (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्य०-III/11-79/439—
 यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की
 धारा 269-व के प्रधीन संज्ञा प्राधिकारी को, यह विश्वास
 करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० प्लाट नं० 30 रोड नं० 56 है, तथा जो
 पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
 कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
 है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँदह प्रतिशत से अधिक है,
 और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया जाना प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रावरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से तुर्दि किसी बाब की वाहन उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी प्राय या किसी अन्य वा अन्य अधिनियमों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए।

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
 के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरबक्ष सिंह पुत्र श्री मेजर एस० करतार सिंह
 निवासी 57-बी सेन्ट्रल एवेन्यू, कलकत्ता-72
 (अन्तरक)

2. श्री हरनाम सिंह पुत्र एस० जीत सिंह निवासी 5/71
 पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26
 (अन्तरिती)

वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
 और भी प्रब्रह्म बाब में समाप्त होती ही, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किये जा सकें।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त गठों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 30, रोड नं० 56 दर्जा सी क्षेत्रफल 555.55
 वर्ग गज, पंजाबी बाग में स्थित, गांव मादीपुर जिला दिल्ली,
 दिल्ली ।

डी० पी० गोयल
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-३/११-७९/४४०—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जे० 5/24 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-३-१९७९ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया था कि उक्त प्रतिफल निम्नलिखित
वर्णन से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से मुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए।
बीर/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्राहितियों को;
जिन्हें मार्कीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त प्रस्तरण की धारा 269-व के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपराना (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हजारा सिंह पुत्र जगत सिंह माहेल, निवासी जे-५/४२
राजोरी गार्डन नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री डी० के० साहनी निवासी जे-५/१०९ राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
स्थायी विधियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस भूमिका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 24 (फीहोल्ड) पर बना हुआ
ब्लाक नं० जे-५ थोकफल 160 वर्ग गज राजोरी गार्डन नामक
कालोनी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	लोन
पश्चिम :	सड़क
उत्तर :	प्लाट नं० जे-५/२३
दक्षिण :	प्लाट नं० जे-५/२५।

डी० पी० गोयल
संधार प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-२

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू
यत; मुझे डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए, से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 62 का है, तथा जो नोर्थ एक्यू रोड, पंजाबी
बाग में नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची,
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

ग्रन्त: मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेमपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय स्व० ध्यान सिंह, 62
नोर्थ एक्यू रोड, पंजाबी बाग नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र स्व० ध्यान सिंह 62 नोर्थ एक्यू
रोड, पंजाबी बाग नई दिल्ली
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर स्थावर मम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

62 नं० की जायदाद का 1/2 अविभाजित भाग जो कि
नोर्थ एक्यू रोड, पंजाबी बाग में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 277.78
वर्ग गज है ।

डी० पी० गोयल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/३/११-७९/४४२—

यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 18 रोड नं० 71 है, तथा
जो पंजाबी बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रतिरूप:—

1. (1) श्री जे० आर० सिंह पुत्र लेट दिवान मुलक राज,
निवासी 64 पंच शील एन्कलेव, नई दिल्ली
(2) श्री मती राज सेले पुत्री स्व० दीवान मल क राज
निवासी सी-२/२३ नई दिल्ली रोहतक रोड, नई दिल्ली
(3) श्रीमती उषा सिंह पत्नी स्व० अनंत राज सिंह
डी-६०८ करजन रोड होस्टल नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री अविनाश सचदेवा सुपुत्र स्व० जगन्नाथ निवासी
4/४४ पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अथ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रोड नं० 71 पर स्थित प्लाट नं० 18 का आधा भाग
जिसका क्षेत्रफल 548.33 वर्ग गज है जो कि पंजाबी
बाग, गांव मादीपुर दिल्ली जिला में स्थित है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-२

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-3/11-79/443—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सदाम प्राधिकारी को मह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा प्लाट नं० 18 सड़क नं० 71
है, तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्री इससे
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(प्रतिफलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रश्नसंरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों क्षम्भातः :—

1. श्रीमती कमल छावड़ा पत्नि अनिल राज सिंह व श्रीमती
निर्मल कुमारी पत्नि देव राज सिंह निवासी 168
माऊंठ रोड़, मद्रास
2. श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नि अजीत सिंह निवासी 21/43
पंजाबी बाग, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में मात्र होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्रघोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित पैमाने पर लिया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18 का 1/3 हिस्सा जो सड़क नं० 71 पर है
क्षेत्रफल 365.55 वर्ग गज, पंजाबी बाग कालोनी, गांधी मादीपुर
दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-3/11-79/444—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/6 हिस्सा प्लाट नं० 18 सड़क नं० 71
है, तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा यारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिषा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अप्रितियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नि स्वर्गीय श्री पृथ्वी राज
निवासी सी-64, पंचशील इन्कलेव, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नि श्री अंजीत सिंह निवासी 2/43
पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(प्रत्यरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अप्रितियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अप्रितियों में से किसी अप्रित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य अप्रित द्वारा, अप्रोद्दृस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिप्तद्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18 का 1/6 हिस्सा जो सड़क नं० 71 पर है
क्षेत्रफल 182.78 वर्ग गज, पंजाबी बाग गांव मादीपुर दिल्ली
में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट पाई० डी० एन० एम०----

आ० १८७ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-३/११-७९/४४५—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है और जिसकी

और जिसकी सं० आरस्स 19 है, तथा जो हन्दर पुरी कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख 8-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, मिस्ट्रिक्वित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कर्ता
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी बन या ग्राम्य आस्तियों
को, जिन्हे ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, ग्रा-
मनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम को घारा 269-ब के अनुसरण
में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ब की उप-कारा (1)
के प्रधीन लिखित अधिकारी अर्थात् ।—

1. श्रीमती शान्तो देवी विधवा पत्नि श्री कंवर भान
कालरा निवासी आर० ए० इन्द्रपुरी दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री हरदीप सिंह वाधवा पुत्र श्री इकबाल सिंह वाधवा
निवासी 16/1325 गली नं० 19, नाईवाला करोल
बाग नई दिल्ली

(अन्तरिती)

सो पर पूछा जाते करके उक्त संवाद के प्रत्येक
निए कायंवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अवैतन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में में किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवड़ किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोरस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
प्रधिनियम के प्रध्याय 20 के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० आर० ए० 19 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज (एक
मंजिला मकान) हन्दर पुरी गांव नरायणा दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: मकान नं० आर० ए० 18
पश्चिम	: सड़क
उत्तर	: सड़क
दक्षिण	: सेन।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, विल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979]

निर्देश सं० आई० ए० [सी०/एक्य०-३/११-७९/४४६—
यतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है
और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा प्लाट नं० 22 सड़क नं० 56 है तथा
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातुः—

6-356GI/79

1. श्रीमती आर० सी० गलोरिया पुत्र दीवान चन्द निवासी
5961, शंकर मार्किट, कनाट सर्केस नई दिल्ली
(अन्तरक)

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र गुरदत्त सिंह, सुखवीर सिंह पुत्र
हरभजन सिंह 8227, गली नं० 6, मुलतानी, डोडा
पट्टाड गंज, नई दिल्ली
(प्रस्ताविती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फी होल्ड प्लाट नं० 22 सड़क नं० 56 क्षेत्रफल
660.64 वर्ग गज (1/2 हिस्सा) (330.32 वर्ग गज)
कालोनी पंजाबी बाग, गांव मादीपुर दिल्ली राज्य विल्ली में
निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर	: सड़क नं० 56,
वक्षिण	: सर्विस लेन,
पूर्व	: कोठी नं० 20/56,
पश्चिम	: सड़क नं० 67।

डी० पी० गोयल
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, विल्ली, नई विल्ली-2

तारीख : 8-11-1979

मोद्दर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली-2

नई दिल्ली-1, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/11-79/447—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
है, तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण,
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० सी० गलौरिया पुन दिवान चन्द निवासी
5971 शंकर मार्किट कनाट सर्केस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह चौपड़ा व श्रीमति हर भजन कौर
निवासी 8227 गली नं० 6, मुलतानी टांडा पहाड़
गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मावन्ध में कोई भी आधेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 22 का 1/2 हिस्सा जो सड़क नं० 56 पर
है खेतफल 330.32 वर्ग गज (कुल 660.64 वर्ग गज)
पंजाबी बाग, गांव मादीपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

उत्तर : सड़क नं० 56,
दक्षिण : सर्विस लेन,
पूर्व : कोठी प्लाट नं० 20/56 के ऊपर,
पश्चिम : सड़क ।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-2
तारीख : 8-11-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, विनांक 14 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/3-39—4986/

3798—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1164 वार्ड नं० 7 है, तथा जो गली
सामोसन, फास खाना दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मार्च 1970
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मानवदृष्ट
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्राप्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरिती
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया था :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के प्रश्नोत्तर कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ वा

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों को
जिस्ते भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल
प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी बाई बनाम लक्ष्मी बाई विधवा पलि
श्री हुकम चन्द मुद्रेजा निवासी 1164 गली सामोसन
फराश खाना दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द घनशाम दास पुत्रगण रत्न लाल
निवासी गली कड़ले काशन फतेहपुरी दिल्ली व
कंवल किशोर पुत्र रत्न लाल निवासी 6253 कूचा
शिव मंदिर गली बताशान, खारी बाबली दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आव्वेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से
किसी अवक्षित द्वारा;
(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य अवक्षित द्वारा प्रबोहस्ताकारी क पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्व हुआ जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

प्रनुसारी

एक ढाई मंजिला मकान म्युनिसिपल नं० 1164 वार्ड नं० 7 जो की होल्ड प्लाट क्षेत्रफल 120 वर्ग पर बना है गली
सामोसन फास खाना दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व :	मकान नं० 7/130
पश्चिम :	गली
उत्तर :	मसजिद
दक्षिण :	गली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-11-1979

मोदर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०—

आपहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्पु०-II/3-79/5028/

—यतः, मुझे, प्रार० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की बारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जे-137 है, तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली म
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और
भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निवित में
बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रतीन कर देने के भन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
भन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया
गया या या किया जाना चाहिए या, डिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के भन्तरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ब की उचावारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवार्ति :—

1. श्री गंगाराम पुत्र छेलुराम चौप सिल्क स्टोर घजमल खान
रोड करोल बाग नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्री एम० सी० ओवराय पुत्र विश्वन दास निवासी
बी-3/14 राजोरी गार्डन नई दिल्ली व कृष्ण लाल
पुत्र मदन लाल, ए-43, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अवित्यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अवित द्वारा, भगोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर वदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्राप्त्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जे-137, खेत्रफल 250 वर्ग गज, कीर्ति नगर,
गांव बसई दारापुर दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित
है :—

उत्तर	: सड़क
दक्षिण	: सर्विस लेन व पार्क
पूर्व	: सड़क
पश्चिम	: मकान नं० जे-136।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-11-1979

भोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एम०एच०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 नवम्बर 1979

निवेश मं० आई० ए० सी०/एफ्य०-2/3-79/5097/
3790—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आरा 269-व के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को वह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 142 है, तथा जो राजा गाँड़न दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय काया पया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में बास्तविक रूप से कर्तित
नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी
करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्ध भास्तियों
को जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को आरा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रवार्ता:—

1. श्री बलदेव कुमार चड्हा पुत्र जगदीश लाल निवासी
एच-45 किरती नगर और अब आयरलैण्ड इनके
जनरल ऑटोरनी श्रीमती कुमुद लता गुप्ता पति
रमेश कुमार गुप्ता निवासी 142 राजा गाँड़न, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री राखा राम गुप्ता निवासी
142, राजा गाँड़न नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायेवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें अधिकतयों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये गए महंगे।

उपर्योगकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होता, जो उस प्रधाय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट नं० 142 क्षेत्रफल 220 1/2 वर्ग गज
पर बना है राजा गाँड़न, गांव बसई दरा पुर दिल्ली में निम्न
प्रकार स्थित है:—

उत्तर : प्लाट नं० 141
दक्षिण : सड़क
पूर्व : सड़क
पश्चिम : प्लाट नं० 135।

आर० बी० एस० अग्रवाल
संकाम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंस् टी० एन० एवं० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्पादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु-२/३-७९/४९७३/३—
यतः, मुझे, आरा० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिये
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वं के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
23,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जे-45 है, तथा जो राजीरी
गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पृथक् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिए
क्या पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्राप्त
विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आमिनियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे प्राप्त अधिनियम, वा
अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाले द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बतः यह, उक्त अधिनियम की बारा 269वं के
अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाटिया एण्ड हंडर मोहन भाटिया सन्स आफ
श्री मुकन्द लाल भाटिया निवासी 25/60 न्यू रोड तक
रोड नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री गुरन्जरण सिंह पुत्री सरदार सिंह निवासी एस-31
राजीरी गार्डन नई दिल्ली
(2) सत्या भूषण एण्ड
(3) सुभाष चन्द्रा सन्स आफ देवकी नन्दन निवासी
6-3 रतनपांक नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरदारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताकारी के पास
सिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रबंध होता जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जे-45 राजीरी गार्डन दिल्ली जिसका क्षेत्रफल
243 वर्ग हेक्टेक है जोकि गांव बसाई डेरापुर दिल्ली स्टेट विल्सन
में स्थित है। जोकि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है :—

पूर्व : रोड़

पश्चिम : प्लाट नं० जे-86।

आरा० बी० एल० अग्रवाल
सकम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 16-11-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० पृ० ३०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-2/3-79/1014/
5014—यतः, मुझे, आर० बी० एस० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर समाप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 159 है, तथा जो राजीरी गाँड़न नई, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाव छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण निविन में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपकारा (1) के अधीन;
निम्नलिखित अक्षितियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सरदारनी इन्द्र की पत्नि श्री एस० अग्रवाल
सिंह ओबराण निवासी जेड-13 राजीरी गाँड़न, नई
दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार छावरा और सुरिन्दर कुमार छावरा
पुत्र श्री खेम चल्द निवासी म० न० 948 तिलक गली
कश्मीरी गेट, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में
से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाट न० जे-149, राजीरी गाँड़न दिल्ली जिसका
क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा जोकि निम्नलिखित प्रकार से
घिरा हुआ है :—

उत्तर :	प्लाट न० जे-148
दक्षिण :	प्लाट न० जे-147ए
पूर्व :	रोड
पश्चिम :	प्लाट न० जे/167 ।

आर० बी० एस० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० ट्रॉ० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-57, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस-105/श्रीजन 79-80—यतः, मृगे, अमरसिंह
बिसेन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के प्रधीन समय प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 2504/2 है, तथा जो अमरोहा
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरोहा
जिला मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, तारीख 12-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकरण के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विवास
करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकरण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक कर्ता से छिपा
नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व महीने करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्त्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रयुक्तर
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के अद्वीत निम्नलिखित अवित्तियों, अवृद्धि:—

1. श्री मरदार सुमेर सिंह व महेन्द्र प्रकाश
(अन्तरक)
3. श्री मो० नफीसअब्बासी, मो० हाफिज अब्बासी
(अन्तरिती)
3. उपरोक्त जैसा काम 37 जी में है (वह अवित्त
जिसके अधिष्ठोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रांजन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रांजन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या उससम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 2594 /2 की 0.47 उत्तिमल भूमि व उस पर¹
बना सनीमाहाल "कमला टाकीज" व इमारत मय सभी किटिंग
व कनीचर आदि के जो चुंगी के भीतर कबा अमरोहा जिला
मुरादाबाद में स्थित है यथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो काम
37-जी संख्या 1075/79 व सेलडील में वर्णित है जो कि सद-
रजिस्ट्रार अमरोहा के कार्यालय में दिनांक 12-3-79 को
दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-9-1979

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 179/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक

और जिसकी सं० एक दुकान इन्कलूडिंग बिर्लिङ और जमीन है तथा जो मोहल्ला बाजार मिस्टन गन्ज पी एन बी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

श्री साहू निरंकार सरम

(प्रन्तरक)

श्री सुबोध कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

श्री साहू निरंकार सरम (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एक किता दुकान बाला खाना पुज्जा इमारत स्थित मोहल्ला मिस्टनगन्ज पंजाब नेशनल बैंक रोड शहर रामपुर व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा कार्म 37-जी संख्या 894 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 29-3-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह विसेन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-9-1979

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकाश प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० जी-39/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 498/179 है, तथा जो फैजाबाद रोड़ लखनऊ में स्थित है (और इससे उपारबढ़ अन्यूनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पक्ष्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यदि अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, नई, उक्त अधिनियम, की धारा 269ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्ननिवित अधितयों, प्रारंभ :—

1. प्रोकेसर ई० अहमद शाह
(अन्तरक)
2. श्रीमती जानदेवी श्रीर मेसर्स अरोरा काटेज प्रा० लि०
(अन्तरिती)
3. फेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथ्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकें।

एवं अविकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित है, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

बंगला नं० 498/179 जो कि फैजाबाद रोड़ लखनऊ में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 1218/79 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-2-1979 को दर्ज है।

अमर सिंह विसेन
सकाम प्राधिकारी,
(निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-9-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राई. टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 व (1) के मध्येत सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 सितम्बर 1979

निर्देश सं० बी-41/प्रायकर 79-80—यतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यान् 'उत्ता प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के प्रधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय मन्त्री, उत्तिवार बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 986-बी है, तथा जो दरियाबाद, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च, 1979 को

पूर्णकृत मन्त्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्योक्त सन्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा प्राय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षण से दूर्दृष्टि किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके के बायित्र में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य भास्तवियों को जिन्हे भास्तीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भ्रतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री गया प्रसाद के सरकारी जी

(अन्तरक)

2. श्री विष्णु मित्तल, 2 अरबिन्द अग्रवाल पुस्तकालय स्व० विद्यालय, श्रीमती स्नेह लता अग्रवाल, 4 श्रीमती मंजू अग्रवाल

(अन्तरिती)

3. श्री गया प्रसाद विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृद्ध बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, प्रश्नोद्देश्यात्मकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

एक मंजिता मकान नम्बरी 986-बी दरियाबाद इलाहाबाद जो कि प्लाट नं० 165 साउथ हाउसिंग स्कीम पाटीकेन्ड पर बना है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडील व फार्म 37-बी संख्या 1241 में वर्णित है जोकि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 30-3-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 14-9-1979

मोहर :

प्रखण्ड आई० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस-180/अर्जन/यतः, मुझे अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन वकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट 17-ए व 17-बी है, तथा जो काजीपुरा मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल ऐलि अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई निसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी निसी आय पा निसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुपरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री भारत सिंह पुत्र राम सिंह

(प्रत्तरक)

2. श्री संजीव कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रण:—

(क) इस सूचना के रजत्रि में रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

साठी निरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

प्लाट आराजीयात नम्बरी 17-ए रकबई 6 एकड़ 42 डिसम्बर व नम्बरी 17-बी रकबई डिसम्बर कुल किता 6 एकड़ 71 डिसम्बर वाके मोजा काजीपुरा तहसील व जिला मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-बी संख्या 418/79 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय दिनांक 20-3-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह विसेन
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ
तारीख : 18-9-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एम-106/अर्जन 79-80—यतः, मुझे, अमर सिह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो सो० बाग खिरनी शाहजहांपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908-16) के प्रधीन, तारीख 30-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त है :

1. श्री अगदीश नारायण शुगलू
(प्रस्तरक)
2. श्रीमती डा० मदन जीत सिह
(अन्तरिती)
3. श्री जे० एन० शुगलू (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सेकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय आराजी व जुमला जागीरात व जमीन वगैरह करीब 200 वर्ग गज वाकें मोहल्ला बाग सिरनी शाहजहांपुर व संपत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी नं० 928/79 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार शाहजहांपुर के कार्यालय में दिनांक 30-3-1979 को दर्ज है।

अमर सिह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश मं० डी-34/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० एक किता मकान है, तथा जो मो० बाग सिरनी शाहजहांपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्द्धान, तारीख 30-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगदीश नारायण शुगल
(अन्तरक)
2. श्री धर्मेन्द्र प्रताप सिंह
(अन्तरिती)
3. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. उपरोक्त विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्त्रावन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किंवा मकान मय आराजी व जमला तामीरात बाके मोहन्ना बाग सिरनी क्षेत्रफल लगभग 250 वर्ग गज शाहजहांपुर सम्पत्ति का वह सब विश्वास जो सेनडीड व फार्म संख्या 37-जी संख्या 927/79 में वर्णित है जो कि यह रजिस्ट्रार शाहजहांपुर के कार्यालय में दिनांक 30-3-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्रखण्ड श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एन॒-29—यतः, मझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक

और जिसकी सं० बी-42 सेक्टर-ए है, तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1979 को

पूर्वोक्त ममति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्त्र यन् विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त ममति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल में नेमे दध्यपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मी अस्थाना, जी० एन० अस्थाना, कुमारी अमिता अस्थाना, अलका अस्थाना

(अन्तरक)

2. श्री डा० एन० एन० महेन्द्रा, श्रीमती कुमुम महेन्द्रा,

3. विनय महेन्द्रा, 4. शरद महेन्द्रा, 5. आशीष महेन्द्रा नाबालिंग पुत्र गण डा० एन० एन० महेन्द्रा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त ममति के अर्जन के ममत्वाद्वारा से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समत्वादी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होनी हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में हिनवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में गणित द्वारा वर्णित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-42 सेक्टर-ए महानगर लखनऊ (क्षेत्रफल 9833 वर्ग फीट) तथा ममति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 1921 में वर्णित हैं जो कि सब रजिस्ट्रीकर लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23-4-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 9-11-79

मोहर :

प्रश्न पाई० टी० एन० एस०—

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1979

निर्देश सं० टी-20—यतः, मझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष के अधीन नभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० 954 है, तथा जो कटरा इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के पायित्य में कमी करने या उसमें बच्चे में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-ष की उपराया (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति—

1. श्रीमती कामिनी श्रीवास्तव

(अन्तरक)

2. श्री वेणी प्रसाद विवेदी व जनादेन प्रसाद
पाण्डेय (अन्तरिती)3. विक्रेता व श्री राम किशोर शुक्ला किराएदार (वह
व्यक्ति, जिसके अधिगोग में सम्पत्ति है)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस प्रश्नाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का नं० 954 दो मंजिला स्थित कटरा इलाहाबाद व 163 वह सब विवरण जो सेतडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 1563 में वर्णित हैं जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 18-4-1979 को पंजीकृत हो चके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 9-11-1979

मोहर:

प्रकप प्राइटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एम-107/—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

जिसकी सं० खसरा 1069 है, तथा जो मो० बटधर मेहबूतला-गंज मुरादाबाद में स्थित है (श्री इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 7-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के निए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का उद्वह प्रतिशत से प्रधिक है, और पन्तरक (घन्तरकों) और पन्तरिती (प्रत्युतियों) के बीच ऐसे प्रभावण के लिए तथा याम्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण विवित में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अक्षरण के हुई फिरी आय वा रावा 193 प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्द के दायित्व में कर्मी करने या उसम बचन में सुनिश्च के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी आय वा किसी छन या मन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, वा अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना आहिए था, छिपाने में सुनिश्च के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसर अधीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अस्ति :—

8-356GI/79

1. श्री रामकिशन, हरचंद्री, राजेश्वर राव दुबे।
(अन्तरक)

2. श्रीमती माधुरी अपवाल, रामसखी देवी
(प्रत्तिरित)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहिया हरा है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में हाई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन हो तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तासम्बन्धीय अपक्रियाओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, तो भी वर्षां बाद में समाप्त होती हो, के बाद पूर्वोक्त अस्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस एवन के राजपत्र में प्रकाशन हो आरोप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्य अविन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित नैं किए जा याकेंगे।

लालोभरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-क में वर्णित हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अराजी आबादी रकवी 889 वर्ग गज इमारती वाक्य मुरादाबाद मोहल्ला कटधर महवुल्लागंज खसरा सं० 1069 व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1985 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद कार्यालय में दिनांक 7-4-1979 को पंजीकृत हो चके हैं।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 9-11-1979
मोहर :

प्रृष्ठ प्राईटी टी. एन. एस. —

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निवेश सं. एच-32/ग्रजन-79—यतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है), की धारा
269-व(1) के प्रधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय भवित्व, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 81/3 है, तथा जो शिवपुरी बांस मण्डी लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-4-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल के
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
निषिद्ध में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वावत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वापिश्व में करने करने या उपर्युक्त वर्तने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य मासितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

अम: पद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व(1) के
प्रत्युत्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व(1) की
उपलाप (1) के अधीन, निम्नलिखित प्रक्रियाओं, अन्त :—

1. श्री गिरीश शुक्ला

(अन्तरक)

2. श्री हनुमान दास अग्रवाल, श्रीमती चन्दो देवी
(अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अंतर्गत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितदद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास निकृत
में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पीर पदों का, जो 'उक्त प्रधि-
नियम', के प्राप्ताय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्राप्ताय में दिया गया है

अनुसूची

3613 वर्ग फिट पर बना हुआ भवन नं. 81/3 शिवपुरी
बांस मण्डी लखनऊ व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड
व फार्म 37-जी नं. 1475 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23-4-1979 को पंजीकृत हो
चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज, लखनऊ
तारीख : 9-11-1979
मोहर।

प्रकृष्ट प्राईंटी० ई० एन० एस०—

पात्रकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ३५/अर्जन-७९—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-८ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० 102/43 है, तथा जो अहता गुलाब निकेतन शिवाजी मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-३-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (पन्तरिक्षियों) के बीच दोसे घन्तरण के सिए तय पाया बया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से इकत्त पन्तरण विवित में वास्तविक कप दें किया महीने किया गया है:—

(क) घन्तरण से दुई किलो आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उसमें बचने में मुद्रिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंतु प्राय या किसी उन या अन्य घासितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनाव अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया थाहिदे था, तिनमें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को भारा 269-८ के अन्तरण में, में उक्त प्रधिनियम को भारा 269-८ की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात :—

1. श्री प्रभु नारायण कंकड़

(अन्तरक)

2. श्री धनपत्रराय अरोड़ा, श्रीमती रुक्मनी रानी, मदन लाल अरोड़ा, राकेश अरोड़ा

(अन्तरिक्षी)

3. विक्रेता व प्रधियन्ता सारदा सहायक खण्ड (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधंग के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यकारक :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 102/43 स्थित अहता गुलाब निकेतन शिवाजी मार्ग लखनऊ व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 1305 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 24-३-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं. एब77/प्रर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं. भूमि है, तथा जो भ्राम मझोला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए घोर/या;

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कहा: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नविवित अधिकारी, पर्याप्त:—

1. श्री प्ररविन्द कुमार गुप्ता, विपिन कुमार गुप्ता (अन्तरक)
2. श्री अर्जीत प्रगवाल, प्रनिल प्रगवाल, प्रमित प्रगवाल, प्रविल प्रगवाल (अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवादियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहण:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्यी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सो अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिवृद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

प्रधानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा तो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला भाराजी प्लाट मय पुख्ता चहारदीवारी तादादी 590.7545 वर्ग मीटर वाके मौजा मझोला, परगना व जिला मुरादाबाद जो कि मय पुख्ता चहार दीवारी के व सम्पत्ति का यह सब विवरण जो सेलडीड तथा कार्म 37-जी संख्या 807/79 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 30-4-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्रायिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एस-182/प्रजन्त—यतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान 92/161 है, तथा जो बांस मण्डी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीजर्टी अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से हम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया पाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वापर उक्त अधिनियम के प्रधीन इर हेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्यत्वाद्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुत्तरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब(1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिम्न अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हिमांशु धर्मसिंह प्रेशीडेन्ट व कृष्ण पाल सिंह वाईस-प्रेसीडेन्ट ब्रिटिश इण्डियन एसोसिएशन प्रबन्ध के शर बाग लखनऊ द्वारा
(प्रत्यक्ष)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार पहाड़ा
(अन्तरिती)

3. विक्रेता व श्री सी० एन० भार्गव (वह अवित्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 92/161 का फस्ट फ्लोर भाग स्थित बांस मण्डी लखनऊ व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1460 में वर्णित हैं जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 30-3-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस—

1. श्री श्रीमंकर सिद्धार्थ कुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निर्देश सं० —यतः, मुझे, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मोहल्ला ब्रह्मपुरा नई बस्ती नरकुलांगंज बरेली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रनुसारण उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों :—

2. श्री राजेन्द्र कुमार, विजय कुमार, नरेन्द्र कुमार (अन्तरिती)
3. श्री श्रीमंकर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान पुर्खा भय तामीली इमारत वाकें मोहल्ला ब्रह्मपुरा नई बस्ती नरकुलांगंज शहर बरेली व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म संख्या 37जी 1992 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 29-3-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह विसेन
सकाम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-11-1979

मोहर :

प्रारूप अर्डो टी० एन० प्र०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० आर 139/अर्जन-79-80—यतः, मुझे,
अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 201 सी है, तथा जो नई बस्ती बरेली में
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-4-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपषारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

1. श्री संजय कुमार

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रसाद, विजय कुमार व नरेन्द्र कुमार
(अन्तरिती)

3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 189 पर बने मकान नं० 201-सी का 1/3
भाग जो कि मोहल्ला नई बस्ती शहर बरेली में स्थित है तथा
सम्पत्ति का यह सब विवरण जो फार्म 37जी सेलडीड डाक्युमेंट
नं० 1646 में बण्ठत है जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय
में दिनांक 2-4-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एस-183/प्रर्जन-79-80—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13 दुकान मय इमारत व भूमि क्षेत्र फल 163 वर्ग मीटर है, तथा जो पुजेरी गली मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

1. श्री पृथ्वीजीत कुमार (अन्तरक)

2. श्री सत्य प्रकाश व प्रेमचन्द्र (प्रस्तरिती)

3. विशेष व किराएदार सौग :—

- सर्वश्री/
- 1. राम निवास,
- 2. चूषीलाल,
- 3. ज्ञानबीर सरन,
- 4. सिपाही लाल,
- 5. घनश्याम दास,
- 6. मुश्ती लाल,
- 7. शिव कुमार,
- 8. रामरसूत सिंह,
- 9. राम किशोर,
- 10. राम आसरे प्रसाद,
- 11. ग्रोम प्रकाश,
- 12. प्रताप नारायण

(वह व्यक्ति, जिनके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तमसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि हिती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिचापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(तेरह) 13 किता दुकानात पुर्खा जिसमें से 12 किता दुकानात उत्तर लखी है और एक किता दुकान पूर्व लखी है वभ आराजीतहस्ती 163 वर्ग मीटर बाके भोहला पुजेरी गली मुरादाबाद पूर्व रास्ता खरन्जा सरकारी महदूदाजैल गवी बाद आराजी आवक्ष मुवीया मजकूर के दुकानात बाला खाना मैसर्स प्यारे लाल राम किशन सर्कार जन्मी जुज से मकान में ज्ञानबीर व जुज में आराजीराम मुश्ती की सुमाली सरकारी जेरी मंजिल का कबड्डी एरिया 60 वर्ग मीटर है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड फार्म 37-जी संख्या 747/79 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 19-4-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रब्लेम आई० टी० एन० एम०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायान प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 6 अक्टूबर 1979

निर्वेश सं० 253/79-80—यतः, मुझे, पी० रंगानाथन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वायम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० लिमिटेड शाहाबाद है, तथा जो दी ए० सी० मी० विकर्स बाबकाक वर्क्स पि० ओ० शाहाबाद ए० सी० सी० गुलबर्गा में स्टिक्ट गुलबर्गा में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा (डाकुमेंट सं० 180/79-80') में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण में हुई फिसी आय की पावन, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः प्रब्लेम प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवति:—

9—356GT/79

1. श्री मैसर्स दी श्रसीसिएटेड सीमेंट कम्पनी लिमिटेड शाहाबाद सीमेंट वर्क्स पी० ओ० शाहाबाद ए० सी० सी० 585229 गुलबर्गा डिस्ट्रिक्ट कर्नाटक स्टेट (भन्तरक)

2. मैसर्स दी० ए० सी० सी० विकर्स बाबकाक लिमिटेड शाहाबाद वर्क्स पी० ओ० शाहाबाद ए० सी० सी० 585229 गुलबर्गा डिस्ट्रिक्ट (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीनर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अविति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविति द्वारा, अधोकृत्ताकारी के पात्र निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसन्धान

(दस्तावेज 180/79-80 तारीख 31-3-1979)

सिविल सम्पत्ति जिसका सम्बन्ध (1) स्टोन मशीनरी, (2) दीवार जो केन्टीन हवेली के चारों ओर है (3) कलर्ट जो गुलबर्गा एथर रोड पर है व जो पानी के पाइप के बाजू में है (4) पानी का पाइप लाइन जो नए पाटने शाप को लगा है। 1 और 3 ए० सी० सी० विकर्स बाबकाक लिमिटेड शाहाबाद के काम पास में है आदेटम और (2) गुलबर्गा राष्ट्र नेन रोड पर है। और मशीनरी प्लाट जो दस्तावेज गुलबर्गा में 31-3-79 को रजिस्टर्ड किए हैं उससे बताए हैं।

पी० रंगानाथन

मशीन प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 6-10-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 254/79-80—यतः, मुझे, पी० रंगनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ग्र
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1289 और 1290 है, तथा जो अलटो डी०
पीखोरीम सेरोला सोकीरी विलेज पंचायत बरडेज गोआ में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरडेज में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
(दस्तावेज सं० 303/79) तारीख 7-5-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
मह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया परिकल, निष्पत्तिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित गही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रकाश रामकृष्ण सलगावकर वासकोडागामा
गोआ
(अन्तरक)

2. श्री के० पुनडालीका मलया पनथिस गोआ :
पता है :—मैनेजर सिन्डीकेट बैंक दलही चौकडा रोड
ग्रहमदाबाद
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
विनाशद्वारा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 303/79-80 ता० 7-5-1979)
घर सम्पत्ति सं० 1289 और 1290 जो "फानडेम
शालम के नाम से कहलाता है तथा जो अलटो डी पोखोरीम
सेरोला आफ सोकोरा विलेज पंचायत तालुक बरडेज गोआ।

पी० रंगनाथन
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, धारवाड
तारीख : 10-10-1079
मोहर

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश वं० 255/79-80—यतः, मुझे, पी० रंगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन तत्त्वम वाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर क्षमता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1289 और 1290 है, तथा जो अलटी डी० पोर्वोरीय सोकोरो विलेज पंचायत तालुक वारडेज, गोआ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वारडेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, (डाकुमेंट सं० 305/79) तारीख 14-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत भे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुपर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति

1. श्री प्रकाश रामाकृष्ण सलगावकर वासकोडागामा, गोआ
(अन्तरक)
2. श्री के० रामनाथ बालिगा मापूसा गोआ,
पता : मैनेजर सिञ्चिकेट बैंक कल्पना टी० सी० 26/776
कोशापरेटिव कालेज रोड, निवेन्द्रम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वमन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अर्थात् द्वारा अप्रीइसाक्शरी के पात्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इनमें प्रमुख गढ़ों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 205 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 805/79-80 ता० 14-5-979)

घर सम्पत्ति सं० 1289 और 1290 का भाग जो "फानडेम गाल्य" के नाम से कहलाता है तथा जो अलटो पोर्वोरीम सिकोरो विलेज पंचायत आफ सेराला तालुक वारडेज गोआ में है।

पी० रंगानाथन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 256/79-80—पतः, मुझे, पी० रगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹5,000/- इयमे से प्रधिक है और जिसकी सं० 1289 और 1290 है, तथा जो अलटो डी० पोर्वोरीम सेराला आफ सीकोरो गांव पचायत वरडज गोवा में स्थित है (और इवतं उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्न अधिकारी के कार्यालय, बारडज, में रजिस्ट्रीफर्न अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, (दस्तावेज सं० 304/79-80) तारीख 11-5-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर प्रन्तरिती (अन्तरिती) के साथ ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई छिपी प्राप्ति की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आग वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दूसरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रति उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनुसरण में, उस प्राविधिकी की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।।।

1. श्री प्रकाश रामगुण मलगावकर वास्कोडागामा
गोवा
(अन्तरक)

2. श्री एम० देवदास कीनी सनकयोलीम गोवा
पता : मनेजर मिण्डीकेट बैंक मिशन स्ट्रीट मेंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सूचने के अर्जन का सम्बन्ध में नोट भी पाओ :—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी एवं व्यक्ति द्वारा, अधाइस्तानार्थी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थानीय दर्शन :——इप में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी एवं व्यक्ति द्वारा, अधाइस्तानार्थी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षी

[दस्तावेज सं० 304/79-80 ता० 11-5-79]

धर सम्पत्ति सं० 1289 और 1290 का भाग जो “फानडेम शालम” तथा जो अलटो पोर्वोरीम सोकोरो विलेज पचायत आफ सेराला तालुक बारडज गोवा में है।

पी० रगानाथन
लक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, धारवाड़

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप श्राह० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निर्देश स० आर० ए० सी० 339/79-80—यतः, मुझे,
कौ० कौ० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नभग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जमीन नं० 834 है, तथा जो नालगोवडा में स्थित है (प्रीरहमसे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नालगोवडा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा० उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती शमसुन्नीमा बगम पत्नी एम० ए० अजीज
- (2) श्रीमती रकीकुनासा बगम, पति मोहम्मदी दीन तुसन
5-4-94 एम० बी० रास्ता सिकन्दराबाद
(अन्तरक)
2. श्री सेक्टरी सर्वे लाण्ड रिकार्ड उद्योग क्षापरेटिव हौज
मीसाहटी रामगोरी नलगोण्डा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरक्षित में हितवद्व किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अवौद्याधरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 834, खसरा नं० 900 वीस्तरन 13.27 एक्स० नलगोडा गाऊ नलगोडा रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 413/79 उप रजिस्ट्रार कार्यालय नलगोडा में।

कौ० कौ० वीर
गठम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन०एस०—

मायकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की घारा

२६९८ (१). के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ३ नवम्बर १९७९

निर्देश स० आर० ए० सी० ३४०/७९-८०—यतः, मुझे,
के० के० वीर,

मायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा २६९८-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- इये.
से प्रधिक है

और जिसकी स० मलगी नं० ३७ है तथा जो २२-७-२६९/३७
दीवान देवडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री तर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आजमपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६) के अधीन, तारीख मार्च १९७९

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह से प्रतिशत परिवर्त है और अस्तरक (अस्तरकों) और
प्रन्तरिता (प्रन्तरितियों) के बावजूद पन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
सामाजिक का निर्धारित रूप से दिया गया है :—

(क) पन्तरण ने हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिस्तों द्वारा या अन्य पारितयों
को, जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोगनार्थ प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त प्रतिकर भी घारा २६९-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रतिकर की घारा २६९-ब की उक्तारा (१)
के अधीन निम्नलिखित अविकरणों, यथार्थ :—

१. मैसर्स शाह बुलडर्स २२-७-२६९/३ दीवान देवडी
हैदराबाद

(प्रन्तरक)

२. श्रीमती हेमलता पती जमना दास ८-१-२१२ शिवाजी
नगर सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तस्वीरनी अविकितयों पर
सूचना की तामील में ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भोतर पूर्वोक्त
अविकितयों में से किसी अविकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू
किसी अन्य अविकित द्वारा, अषोद्धाश्री के राम
लिखित में किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परि-
भावित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० ३७-आर० सी० सी० का वीसर्टर्न २३.६६
वर्ग मीटर नं० २२-७-२६९/३७ दीवान देवडी, हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० ९४०/७९ उप रजिस्ट्रार कार्यालय आजम-
पुरा में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

तारीख : ३-११-१९७९

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निवास स० आर० ए० सी० 341/79-80—यतः, मुझे,
के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पाहात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है
और जिसकी समें 6-2-655 है, तथा जो कैरता बाद हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कैरता बाद में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तर के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:-

(क) प्रन्तरण में हुई किसी भाय को बाबा, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी घार या किसी घर या दरा प्रास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ननकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब; उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

1. (1) श्रीमती विकारुनीसा बेगम,
(2) श्रीमती आसिफजान बेगम,
(3) श्रीमती मगवुल जान बेगम,
(4) श्रीमती मीजमजान बेगम,
(5) श्रीमती मिस्त्रम जान बेगम,
(6) श्री मिर्जा सलीम बेगम,
(7) मिर्जा मुहम्मद अली बेगम,
तमाम का घर नं० 6-10-123/ए मासाब टेनक
हैदराबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती बीलकीज जान बेगम,
(2) श्रीमती नजमुनीसा बेगम,
(3) श्रीमती शहरयार जान बेगम,
घर नं० 6-2-655 कैरता बाद, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहिया हड्डा है।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभासित
है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और घर नं० 6-2-655 कैरता बाद,
हैदराबाद वीर्सन 2350 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
956/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरता बाद में।

के० के० वीर
संक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनाक 3 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 342/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन नं० 157/7 है, तथा जो तीकटा सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख भार्च 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० ईश्वर रेडी 157/7 तीकटा सिकन्दराबाद (अन्तरक)
2. दी राघवा क्वापरेटिव होज बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड 6/87/4 अलवाल सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के में व्यापरिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन वीस्टर्न एकड़ का विभाग सर्वे नं० 157/7 तीकटा हैदराबाद अर्बन सिकन्दराबाद रजिस्ट्री अस्तावेज नं० 482/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1979

मोहर :

प्रेस्प्रिंट प्राई० टी० एस० एस०--

(1) श्रीमती के० कमला पति सीता रामा रुजु पदमाकीप
पारडेन सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 3 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० य० सी० न० 343/79-80—यतः मझे
के० के० वीरप्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के
प्रधीन सकार प्राधिकारी को, पहुंचिवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक हैऔर जिसकी सं० मलगी न० 33 है, जो 1-7-234 वा० 241
एस० डी० रास्ता स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन मार्च 79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्राप्तफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित्र में वास्तविक रूप से कषित नहीं
किया गया है :—(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के व्यापिक्ष में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्राय प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए, वा, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः, घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण
में मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अवक्तर्या, प्रधीन :—

10—356 GI/79

(2) सैयद नजमुल होसेन पिता सैयद अमीर हुसेन
453 एस० आर० डी० याकीतपुरा, हैदराबाद
(अन्तरक)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
एतद्दृश्यारा कार्यवाहिया शुरू करता है

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तर्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तर्यों
में से किसी अविस्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्राय अवक्तर द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिपालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी न० 33—घर न० 1-7-234 वा० 241-चन्द्रा-
लोक कामपलकस एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद। रजिस्ट्री
दस्तावेज न० 506/79-ऊप रजिस्ट्रीकार्यालय सिकन्दराबाद
में।के० के० वीर
सकार प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-79

मोहर :

प्रकप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वा०(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशोधक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० एन० सी० नं० 344/79-80—यतः मुझे
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-वा०
के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० 33 कार्यालय है, जो एस० डी० रास्ता सिकन्दरा-
बाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 1979

को वृद्धीकरण के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रति छन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथायोगी संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया
प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अन्तरण के
प्रतिशत के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी बन या पक्ष्य प्रास्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिथामें सुविधा
के लिए;

यतः बब, उक्त अधिनियम की आरा 269-वा० के अनु-
सार ये, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269 वा० की उपवाया
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्वाद।—

(1) श्री स्वातिक कस्ट्रक्युशन कम्पनी 111-एस० डी०
रास्ता सिकन्दराबाद

(अन्तरिक)

(2) श्री श्री० वी० शमराजू

1-10-1/15 ग्रामोकनगर हैदराबाद

(अन्तरिक)

जो यह सूचना आयी हुरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियों द्वारा द्वारा हैं।

उक्त संपत्ति के प्रधन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
पक्ष्य अवित्त द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रवृक्त जटियों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के पक्ष्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अवं होगा, जो उस
पक्ष्याय में विद्या देया है।

ममुसूची

कार्यालय नं० 337—3 मंजिला पर ऐन्ड्रालोक काम्पलेक्स
सरोजनीदेवी रास्ता सिकन्दराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
686/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर
संशोधक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
संदायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-79

मोहर :

प्रूल्प लाई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निवेश सं० आर० मे० सी० नं० 345/79-80—यतः मुझे
के० के० थी०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संकरण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- बपये से प्रधिक है और जिसकी सं० आफिस 237 भंजल 2 सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्ग 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रतिफल (प्रस्तुरान्) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रतिगत के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) वास्तुरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या

(ख) ऐसी रोकी आय या हिसी धन या अन्य पास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय प्रस्तुरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए?

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० टी० रास्ता सिकन्दराबाद
(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० सी० घरन० 1-10-1/15
अशोकनगर हैदराबाद।
(प्रस्तुरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधन के संबंध में कोई भी आश्वेष ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना जी तामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रश्नादस्ताप्ररी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोच्चरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 237 दो भंजिला पर अन्द्रालोक का घर में 111-सरोजनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 687/79। ऊपर रजिस्ट्रीकार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० थी०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 3-11-79
मोद्दूर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 3 नवम्बर, 1979

निरेश सं० आर० ये० सी० न० 346/79-80—यतः मशे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 24 है, जो 16-2-मलकपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्व 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

(1) श्री वी० कृष्ण प्रसाद घर 1-8-549/2 धीकड़पल्ली
हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री एस० नरहरि घर न० 18-4-391, अलीमाबाद
के बार—हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 24, घर न० 16-2-वैस्तनै 1109, बर्न यार्ड
मलकपेट हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज न० 718/79 ऊप
रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी,
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० य० सी० नं० 347/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269वं
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है, जो न्यायादीण कालोनी मलकपेट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमपुरा में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
मार्ग 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
'लक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है':—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन करदेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत : अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-वं की उपधारा (1)
के उक्तीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवीत्:—

(1) एस० सुन्दर राज पिता एम० कोनडलराऊ
3-6-696 मुकतादीबार एस० कोनडलराऊ
हिमायतनगर, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री डाक्टर कर्नल जनारदन रेड्डी
1-5-16/सी० मुर्शीदाबाद, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतें के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतें के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होंगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7-वीस्टर्न 450 वर्ग यार्ड न्यायादोश कालोनी
मलकपेट हैदराबाद। रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 939/79 ऊप
रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 348/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दोर नं० 1600/24 है, जो पतेकानपेट नेलूर
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा प्राधिकारी के कार्यालय नेलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्ख 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवृत्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-वा के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात्:—

(1) श्रीमती कीन्डर स्वी देवम्मा पति बेनकटा कृष्णन
रेड्डी, घर पम्मारेड्डी पालम कोकुरतालुक नेलूर
जिला

(अन्तरक)

(2) श्री (1) गडी रामधेन्द्रा रेड्डी

(2) गडी धरनोजा पति रामधेन्द्रा रेड्डी

अमा रेड्डी पलिम गाँड़, कोवुर नेलूर जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1600/- बार्ड नं० 24 पतेकानपेट नेलूर में है
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 702/79 ऊपर रजिस्ट्रीकार्यालय नेलूर
है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) धीतेन्द्र परशाद घरनं० 6-3-1238 राज सचन

रास्ता सीमाजीगुडा, हैदराबाद

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती हृषीबुनीशा बेगम, पति हसीमीदीन पार्सी

3-1-298 नीमबीली घडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 349/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', गहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 32/1 है, जो सीमाजीगुडा, हैदराबाद
में स्थित है (और इसने उपायदूर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में
भारी० रजिस्ट्रररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुलीजमीन सरवे नं० 32/1 में० थीस्तनं० [942.5 वर्ग
याडे सीमाजीगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 964/79
जा रजिस्ट्रीकार्यालय केरताबाद में०।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक प्रायकर प्रायुक्त
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी० एन० एस०—

भारतीय प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 350/79-80—यतः
मुझे के० के० थीर

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, पहुँचिवास करने का
कारण है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 118/2 है, जो कैरताबाद, हैदराबाद में
स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रि.स्ट्री.ल्टी अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रररण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अनुरिती
(अनुरितियों) के बीच देसे अनुरितण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरितण सिवित में कास्तिक
रूप से कठित नहीं किया गया है। —

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की वावत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन करने के प्रस्तरक
के दायित्व में कभी करने या उसके बच्चे में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः, यदि, उक्त प्रधिनियम की वारा 269वा के
प्रस्तरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269वा की
उचिताता (1) के अधीन निम्नलिखित अनुरिती, प्रस्तुतः—

(1) श्रीमती हेमालता देवी 7-1-414/45

श्रीनिवासनगर, इस्टेट हैदराबाद

(प्रस्तरक)

(2) श्री (1) धेला प्रसन्नाकुमार

(2) धेला प्रवीन कुमार

3-6-462/हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
निये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में होई भी आलेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्ररण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वी का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-वा में परिचायित हैं,
वही पर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

अनुसूची

घर की खुलों जमीन 546 काँग पाड़ कैरताबाद हैदराबाद में
है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 977/79 में है और रजिस्ट्री कार्यालय
कैरताबाद में जमीन का सरवे नं० 118/2 में है।

के० के० थीर
सकाम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक भायकर भायुक्त
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-79

मोदर :

प्रकृष्ट भाई० टी० एन० एस० —

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सी० न० 351/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
प्रवीन संशम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6-3-907/912 है, जो सीमांजीगुडा
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण लिपि
से अंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में
नारीग रजिस्ट्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में वास्तविक काग से
इचित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रवीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भीर/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अभ्य ग्रासियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
आयकर प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात :—

11—356GI/79

(1) श्रीमती डॉक्टर वी० पीनटु 149/ए बिगेडियर
सैथव रास्ता, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील पिता, हरीराम सधीदेव 32-सावनाथर
बामबे-26।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहुस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
लिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वीस्टर्न 412 वर्ग यार्ड नं० 6-3-907/912
राज भवन रास्ता के पास मयमांजीगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1002/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय केरताबाद में।

के० के० वीर

संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्म रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० न० 352/79-80—यतः मुझे
के० के० वोर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट न० 2 एस है, जो 384 सीमाजीगुडा
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद
में भास्तोय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख भावे 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर है प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल विन्मलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से लिखित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिक में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन, विन्मलिखित अधिकारी, प्रधान :—

(1) श्रीमती हुसीराला सत्यावती और दूसरे
पन्धेन्द्रा गुडीवाडा तालुक कृष्णा जिला
(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कामेश्वरी आई० सी० 68
येरमसंजील-कालोनी हैदराबाद
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्येन्द्री अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिचायित है,
वही प्रथम होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन न० 2 सरवे न० 384 सीमाजीगुडा हैदराबाद
में वोस्तन० 867 वर्गयाडे रजिस्ट्री दस्तावेज न० 1055/79
उप रजिस्ट्री हायीलय कैरताबाद में।

के० के० वीर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्म रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1979

निवेश सं० आर० य० सी० नं० 353/79-80—यसः मुझे
के० के० ओरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की बारा
269-ख के अधीन सकान अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन 129 है, जो युसुफगुडा हैदराबाद
में स्थित (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्री फर्ता अधिकारी के कार्यालय केरताबाद
में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन मार्ग 79को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का अन्ध प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
लिखित में शास्त्रविश स्प से कथित नहीं किया गया है:—(क) पर्यावरण से हुई किसी मात्र की वावत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर हेने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोटो(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी उन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
इम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामें अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अनः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 369व के अनुसरण
में, ये, उक्त प्रधिनियम की बारा 269व की उपधारा (1)
के असौन लिम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—(1) श्रीमती पी० कमला देवी परिनि पी० रामचन्द्र राऊ
12/2/725/23 पी० और टी० कालोनी हैदराबाद।
(प्रत्यक्ष)(2) श्री दी० सेरवेल कुवापरेटु होसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, हैदराबाद-28

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
से किसी अनित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बदल किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसे प्रयुक्त प्रबंधों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रह्लाद 20-क में परिनि
प्रावित है, वही यह होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 129 वीस्टर्न 39.4 गुनटास
युसुफगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1065/79 उप
रजिस्ट्री आर्यालय केरताबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 13-11-79

मोहर:

प्रूरुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 354/79-80—यतः
मुझे के० के० दी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें;
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन नं० 129 है, जो युसुफगुडा हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री इन्टरी अधिकारी के कार्यालय कैरकावाद में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्क 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
का सिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के द्वारा निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० रामधनदर राज

12-2-725/23-पी० आर० टी० कालोनी
रेती बीनी हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री दी० सेरेवेल कुवापरेटु होजीनगर

सोनाईटी लिमिटेड रेती कौली हैदराबाद-28।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजग्रन्थ में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजग्रन्थ में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन सं० नं० 129 वी० नं० 23 3/4 गुनदास युसुफगुडा
हैदराबाद रजिस्ट्री दफ्तर नं० 1066/79 ऊपरजिस्ट्री
कार्यालय कैरकावाद में ।

के० के० दी०
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11 13-11-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० १०--
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 355/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर, प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिप्रति सं० जमीन नं० 129 है, जो युसुफगुडा हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप सं वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्टी अधिकारी के कार्यालय केरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पयतु :—

- (1) श्री पी० वेनरुटेश्वर राऊ
12/2/725/23 री० आ० टी० कालोनी
हैदराबाद
(अन्तरक)
(2) श्री दी० सरवेन कुवापरेटु हाउसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घास्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुरो जमीन नम्बर 129, युसुफगुडा हैदराबाद में है यीस्तरन 2873.75 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1068/79 ऊपरजिस्ट्री नार्यातिय केरताबाद में है।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 356/79-80--थतः मुझे
के० के० वीर,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269व के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर संपत्ति विस्त्रित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से पर्याप्त है।

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 234 है, जो गुडीमलकापुर हैदराबाद
स्थित है (और इससे उपांकुड़ ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय केरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रायोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरडां) और पन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति निवित में बास्तविक
रूप से निवित महीं किया बया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी घाव की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के पन्तरक के बाबिल में कमी
होने या उससे बचने वें सुविधा के लिए। और

गुडीमलकापुर

(क) ऐसी किसी घाव या किसी बत वा अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अनुचित हारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया बासा चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

(1) श्रीमती लक्ष्मी कुमुमामबा
बी० रनगढ़ा के द्वारा
बाकारम हैदराबाद

(पन्तरक)

(2) श्री डी० सेरेवेल कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लिमिटेड रेती बौली
हैदराबाद-28।

(पन्तरिती)

को वह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दण्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
दिवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जमीन सर्वे० नं० 234 गुडीमलकापुर वीस्टर्न नं० 2.15
मेक्सर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1070/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
केरताबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

बता अब, उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनु-
सारण में, मे, उक्त अधिनियम की आरा 269व की उपलब्ध
(1) के अधीन निम्नलिखित अवितर्यों, अवतः :—

तारीख 13-11-79

मोहर :

प्रस्तुप घाई० दी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 घारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, शिर्कंक 13 नवम्बर, 1979
 निवेश सं० प्रा० २० ये० सी० नं० 357/78-८०—यतः
 मुझे के० के० वीर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
 इसके पश्चात 'उन अधिनियम कहा गया है'), की घारा 269-व
 के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 ह० से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन 234 है, जो गुडीमलगापुर हैदराबाद
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के राहबाहू में भर्त
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे प्रधान
 तारीख मार्च 79 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके वृद्धमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 एक ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 वर्ष पाया गया प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव वी वावत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
 के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आव या किसी वन या अन्य आस्तिवैं
 को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा
 अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्त नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-वा के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-वा की उपघारा (1)
 के अधीन, निम्नविवित व्यक्तियों, पर्वात्:—

(1) श्रीमती के० सरोजनीदेवी पसि वेनकट
 नरसर्वा 16-11-1/5/8 सलामनगर कालोनी
 हैदराबाद

(अन्त रक्त)

(2) श्री डी० सेरेवेल कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी
 लिमिटेड रेती बौली, हैदराबाद-28

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाव ये में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही धन्य होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 234 गुडीमलगापुर हैदराबाद वीस्टर्न
 1.07 भेल्से रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 716/79 ऊप रजिस्ट्री
 कार्यालय कैरताबाद में

के० के० वीर
 सक्षम प्राधिकारी
 निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायुक्ति
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-11-1979
 मोहर।

प्रलेप शाई टी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 नवम्बर 1979

निवेश सं० आर० य० सी० नं० 358/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269वट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन 32/1 है जो शिवाजी गडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-

तारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के प्रवीन विनियमित अवित्यों पर्याति —

(1) श्री धीतेन्द्र राज 1238/शिवाजिगडा हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनुका बालीराऊ
सी-5-आर० आर० लाबा तारनाका
हैदराबाद

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुली जानकारी सर्वे नं० 32/1 सीमाजीगडा हैदराबाद
वीस्टर्न 875 वर्क्स एंड इंडिस्ट्रीज स्ट्रीट दस्तावेज नं० 849/79 ऊर
रजिस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-79

मोहर:

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) ही
बारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज वैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 नवम्बर 1979

निवेश सं० आर० य० सी० न० 359/79-80—पतः
मझे के० वीरआयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सकाम प्रायिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 और 5ए है जो परमागुटा हैदराबाद
स्थित है (श्री इससे उपावड़ अनसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 79को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पावड़
प्रतिवात प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तावण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रस्तावण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; भौतिक।(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाथे प्रस्तावित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आविष्ट या, छिपाने में
सुविधा के लिए;प्रतः ध्वनि, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के प्रत्युपरण
में, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ष को उपचारा (1) के
अधीन निम्ननिखित अवित्तियों अर्थात्:—

12-336 GI/79

(1) श्री मोहनलाल लकीटीवा

6-3-927/वी राजमन्त्र रास्ता
सीमाजीगढ़ हैदराबाद

(अम्तरक)

(2) श्री गरीफ महम्मद अकील अनसारी

ममताज अहमद के-रपी है।

6-3-666/ए पनजागुटा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करने पूर्वी सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जार्यांविता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्पञ्चन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से नियी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्द किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोदस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्भूमि

प्लाट नं० 4 और 5ए वर्नं० 772/4 रजागुटा हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1287/79 ऊ रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।के० वीर
सकाम प्रायिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-79

मोहर :

प्रल० आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद विनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 360/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मं० 40 ता 44 है जो गन्डीगुड़ा राऊ में स्थित
है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद बैस्ट में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्ख 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

(1) श्री मैसर्स डी० एल० एफ० यमाइड लिमि०
21-22 नरीन्द्रामहल
पार्लियामेन्ट भवन नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रीतम गरडेस
प्रीतमपाल 16-1-484
सैदाबाद हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राचीन एवं प्राचीन
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन वीस्टेन 50 एक्स० 29 गुनटाल गन्डी-
गुड़ा गांज रन्गारेड्डी जिला सर्वे नं० 40 41 42 43 44
रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 536/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
ईस्ट में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एस०एन०—

(1) श्री एम० रघुनन्दा राऊ

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा

(2) एम० श्रीनिवास

269 घ (1) के अधीन सूचना

6-3-883/ए/12 पनजागुटा कालोनी
हैदराबाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

(2) श्रीमती गनेशी बाई कुनडलया परिन एफ० सी०
कुनडलीय

प्रजन रेज हैदराबाद

(2) रमेश कुमडलीया

हैदराबाद, विनांक 15 नवम्बर 1979

(3) अशोककुनडलीया

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 361/79-80—स्थलः
मझे के० के० थीर

(4) भनजु आर कुनडलीया, तमाम का घर
6-3-88/ए/12/1

पनजागुटा कालोनी हैदराबाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० अधिक है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकार के लिए कार्यवाहियां करता है।

और जिसकी सं० 6-3-883/डी/12 है जो पनजागुटा में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस मुद्रन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायिक्य में कभी करां या उस से बचने में सुविधा के लिए थीर/या।

अनुसूची

घर नं० 6-3-883/ए/12-थीर 6-3-883/ए/12/1
पनजागुटा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1001/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए।

के० के० थीर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-79

मोहर :

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० य० सी० नं० 362/79-80—यतः मुझे
के० के० बी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सम्म आयिकारी की, यदि विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 10-3-108/1 है, जो दी० भारिडपली दियत
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
मार्च 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थीका सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरह (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित मास्तविक कर से नियम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुझ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरह के
बायित्र में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या ऐसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जीतः—

- (1) श्री एन० सी० वाटसा पिना देविंड वाटसा
10-3-108/1 ईस्ट मरिडपली सिकन्दराबाद
(अन्तरक)
- (2) बाली सेटी गोपाल कुण्डामूर्ति 1-3-166 राजा-
मुदीदार गली, सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवादियाँ करता हैं।

यह सम्पत्ति के प्रज्ञन के उद्देश्य में होई भी आक्षेपः—

- (इ) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिधि या उक्तमन्त्री व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिधि, जो भी
प्रतिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक द्वारा प्रयोगस्थानी के पात
निवित में किए जा सकें।

स्वाहाकारण :—इसमें पुराना गजनी योगी जी, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20ए में परिवाधित है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरनं० 10-3-108/1 प्लाटनं० 29ए है, ईस्टमरिजपल्ली
सिकन्दराबाद में। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 476/79 ऊपर रजिस्ट्री
कार्यालय सिकन्दराबाद में

के० के० बी०
सक्षम प्रायिकार
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, अधिकारी

तारीख : 15-11-79
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० आर० य० सी० न० 363/79-78—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का नियम है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-1-5/2 है, जो ई० मारेजपल्ली स्थित है (ग्रीर इससे उपाख्य अनुमती में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मान्य 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान इतिहास प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपरि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्ननिवित व्यक्तियों, प्रथात् :—

(1) श्री के० पी० नायर पिता पी० कुण्डापलि
2/सी० पी० आर० प्रदेन कोचीन
केराला।

(अन्तरक)

(2) श्री रजीक कुण्डगुप्ता
घरनं० 8-2-139 रास्तानं० 3
बनधारा हिल्स हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इति सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि दिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम जमीन और घर बीस्टर्न 340-64 वर्ग यार्ड प्लाट नं० 2 सर्वे नं० 65/2 और घर नं० 10-1-5/2 इस्टमरिडपली रजिस्ट्रीकार्यालय सिकन्दराबाद में है।

के० के० वीर०
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-11-79
मोहर:

प्रक्षेप प्राई० टी० एव० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रपति, इंद्राजल आयकर आयुक्त (नियोगी)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 364/79-80—यतः मुझे
के० के० वी०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन नं० 46, 48 है, जो 52/1 मारेडपल्ली
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्ग 79 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रनियंत्रण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के
वायिक में कभी करने या उससे बदले में सुविधा
के लिए; और/या(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधोननाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुपरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री वी० नागराजन घर नं० 163 मारेड पली
वेस्ट सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) रेलवे उद्योग समयकृत घर सोसाईटी लिमिटेड
सोसाईटी लिमिटेड टी० सुब्रह्मन्यम अधीकारी हैं,
रेलवे नीलयम, सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जरायती जमीन वीस्टनं 8-25 एकड़ सं मारेडपल्ली गाऊँ
सिकन्दराबाद में संख्या नं० 46, 48, 52/1, 54/1, 55/1,
59/1, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 513/7 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में।के० के० वी०
सकाम प्राधिकारी
निरीक्षो सहायक आयकर आयकृत
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-79

महरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 365/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 12-5-87 है, जो लाला गुड़ा स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
फर्टा अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्र-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्ग
79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथति:—

(1) श्री रिनालड मैकलस डी० रोजियो
13-बी-घीटुटेराम कोलाबु रास्ता बामबे
(2) ए० ज० धाको
(3) तीसरी मोरीन पोलीमीन
(4) एवानी गलासीपीर्ग

(अन्तरक)

(2) मरकीस पीलीफ पुटमेन
12-5-87-बतकम्माकुनटा
सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अवौहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, यहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रस्टेट विभाग घर नं० 12-5-87-बतकम्माकुनटा लाला-
गुड़ा सिकन्दराबाद 788 वर्ग यार्ज रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
568/78 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 15-11-79

मोहर :

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 366/79-80—यतः मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० विभाग नं० 12-5-87 है, जो लालागढ़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भास्तरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा काया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में आइतिहिक कृप से कठिन महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादा, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वरने में सुविधा के लिए औरका

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रबृंद्ध उक्त प्रधिनियम की आरा 269-घ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-घ की उपावड़ (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्ती अद्यता।—

(1) श्री (1) रोकालू मैकलडी डी० रोजरीयो

(2) ए० जी० चाको

(3) माऊरीन वीलीना चाको

(4) मैर्स यनीवर्सल्स 13/बी, चोटी देराम, बाम्बे।

{अस्तरक}

(2) बीटले पुटमेन

12-5-87-सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी वारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संरक्षित के अर्जन के प्रत्येक में कोई भी आक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तीयों पर उक्त सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एपेंडीफाल्गण 1——इसमें प्रयुक्त शब्दों और नामों का जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जाया है।

जनुसूची

घर नं० 12-5-87-पडमरवीभाग ह बतकम्माकनट लाला-गुडा सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 569/79। ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
मक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-79
मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० य० सी० न० 367/79-80—यतः मुझे
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-503 है, जो जुबिली हिल्स स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हैदराबाद कैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापसी, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-356 GI/79

(1) श्रीमती कुसुम भारती पति देव वास भराती

(2) सतीश चन्द्रा भारती

(3) सुदीरचन्द्रा भारती तमाम का घर मं०
8-2-503 जुबली हिल्स हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती नरिमला बेन पति सीवाली

(2) श्रीमती मनजुला (3) नीलीन कुमार

(4) गिरीशकुमार, (5) नीलेशकुमार घर नं०
8-2-503 जुबली हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 8-2-500 और उस के सम्बन्धी घर
मोटारकान अशोरीकी का घर—नोगरानी कार का घर, वगैरा
वीस्टान 3358.12 वर्ग मीटर है धुबली हिल्स हैदराबाद में
रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 802/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-1-1979

मोहर :

प्रधन भाई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० य० मी० न० 368/79-80—यतः मुझे
के० के० थी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्येक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० में प्रधिकृत है,

और जिसकी सं० 10-3-173 है, जोमारेड पली सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 79

को पूर्वोक्त संघर्षित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए पन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघर्षित का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक
कृप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के प्रस्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय गा किमी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अन्
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपलब्ध
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बीपुला वेमकट लक्ष्मी पति थी० जी० नागेणवर
राऊ मरिडपल्ली सिक सीकीशाज कालोनी सिकन्दरा-
बाद।

(अन्तरक)

2. श्री मोईद मला तायुब भाई ममजीवाला

कृष्णा कालोनी, प्रशोक निवास नोलकपुर, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्षित के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संघर्षित के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित को तारीख में
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख के
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकासी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

वीमनजिला घर न०: 10-3-173 और जमीन न० 21/1ए
वीस्तरे 222.22 वर्ग यार्ड है सनत जार्ज रास्ता सिकन्दराबाद
में रजिस्ट्री दस्तावेज न० 615/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में।

के० के० थी०
सधाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-11-79

मोहर:

प्रकल्प नं. ८१० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० घार० ए० सी० न० 369/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन सम्बन्ध में प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उत्तर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में प्रधिक है

और जिसकी सं० 3-6-135 है, जो हिमायत नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उत्तर सम्पत्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रमत्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पार या किसी बन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्नकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के प्रकृत्यानमें, में उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

(1) श्रीमती हीलमोहिनी पति स्वर्गीय राज कौशल राज, घर नं० 494/22/सनजीवरेडी नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हनुमान प्रसाद पिता भूरामल

(2) रमेश चन्द्र,

(3) सुरेश चन्द्र

(4) नारायणी बाई पति हनुमान प्रसाद घर नं० 3-6-139/1, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरसंघन्वयी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अप्रोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रारम्भाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रारम्भाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-136 विस्तीर्ण 885 वर्ग याड़ हीमायत नगर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 1627/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर
सम्बन्धीय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-11-1979

मीहर :

प्रकल्प आई० दी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनाक 16 नवम्बर, 1979

निवेदन सं० आर० ए० सी० नं० 370/79-80—यसः
मुझे के० के० थीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 38 और 39 है, जो 16-2 सैद्धांत में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तर के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धन, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

(1) श्री प्रभाकर राज प्रतापनस पिता स्वर्गीय हनुमान राज, 8-2-906 केरताबाद, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) लेफ्टेनेंट, स्टेट बैंक हैदराबाद, उद्योग कोआपरेटिव ट्रांजिसिंग सोसायटी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकारी को लिए जायेगा।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 38 और 39 वार्ड नं० 16-2 विस्तीर्ण 8 एकड़ सैद्धांत हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 927/79 रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा में।

के० के० थीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट ई० एन० एस०—

(1) श्री कृष्ण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612 अब्दीद
रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 नवम्बर, 1979

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 371/79-80—यतः
मुझे के० के० वीरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4-1-938/215 व 17 है, जो तिलक
रोड में स्थित है (और इससे उपांच्छ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अप्सरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रति-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, भर्षतः:—(2) श्रीमती परहाना युसुपीदीन 6-3-1119/ए बेगम
पेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीरत पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बर नं० 4-1-938/आर 15 व 17 तीसरे मन्जिल पर
श्रीकृष्ण काम्लेक्स तिलक रास्ता हैदराबाद के पास में है
विस्तीर्ण 1157 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1835/
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।के० के० वीर
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रखण्ड अर्द्ध० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

(1) श्री कृष्ण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612 आबीद
रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरक)

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 372/79-80—यतः
मुझे के० के० थीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग
के अधीन सन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

थीर जिसकी सं० 4-1-938/आर०-12 व 14 है, जो
तिलक रास्ता में स्थित है (थीर इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1978
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
त्वद् अतिगत अविहृत है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा
गाया गया प्रतिकल, निम्नानिवित उद्देश्य से उक्त अस्तरण,
निवित में ग्रासविहृत कर से रुक्षित नहीं किया गया है:—

(2) श्री वी० वीश्वेश्वर राऊ, 1-1-404/ए आकारम,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के अंतर्गत में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरग्रन्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोषिताकारी के पात्र
लिखित में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

अनुसूची

(छ) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें
सुविधा के लिए ;

हाल नं० 4-1-938/आर 12 ता० 14 तीसरे मर्जिल
पर श्री कृष्ण घर, तिलक रास्ता हैदराबाद में है। रजिस्ट्री
कर्सायेज नं० 1518/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० थीर
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

पतः यद्युपि उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नानिवित व्यक्तियों, अर्बादः—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 373/79-80—यह:
मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर० 19 व 20 है, जो तिलक रास्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979 को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिमी वाय गा किमी घा रा रा पन्य आमितियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अथ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के पन्नसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स श्री कृष्ण कल्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612 आबीद रास्ता, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री मोर मुहम्मद अली खान, 6-2-6 लकड़ी का पुल, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरो करते पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तामील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान लंपति में हितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोद्धस्ताकरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के बायाव 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अल्लाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-938/आर० 19 और आर०-20, 5
मन्जिलेपर। कृष्ण काम्प्लेस, तिलक रास्ता हैदराबाद।
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1519/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एम०————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 374/79-80—यह:
 मुझे के० के० वीर
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
 के अधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 79 है, जो एस० पी० रास्ता
 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दरा-
 बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वाई फिसी प्राय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रोजेक्टर्स द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम नी धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

(1) श्री मुहम्मद अब्दुल खादी "ए-कौलस", मलकपेट,
 हैदराबाद।
 (अन्तरक)
 (2) श्री सैयद युसुफ 10-4-11/7, मासामदेनक,
 हैदराबाद।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरम्भाधी अक्षियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर प्लाट नं० 79 विलीन 194 वर्ग याँई, हजाजत
 नामा नं० 1548/114/74, सरवार पटेल रास्ता, सिकन्दरा-
 बाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 642/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय
 सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर
 सक्षम प्राधीकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 375/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 3-5-121 व 142 है, जो ऐंडीन गार्डेन में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बबने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14—356GI/79

(1) श्रीमती सपेबाजारी अजीधीया बेगम पती नवाबीस जान बहादुर नवाजीस नीला, ऐंडीन गार्डेन, रदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहन्दर कौर पति सरदार करतार सिंह, 5-2-423 रीसाला अबहुला, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जमीन के 30 दिन की अवधि, जो थी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध इसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-स में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

खुली जमीन नं० 3-5-121 ता० 142 ऐंडीन गार्डेन किन्नर कोठी, हैदराबाद। विस्तीर्न 566 वर्ग यार्ड। दस्तावेज नं० 1464/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट ट्री० पृ० १०० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 376/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सैदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, आजम-
पुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) श्रीमती तहजीबुनीसा बैगम, 16-2-867 सैदाबाद
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) स्टेट बैंक उद्योग को आपरेटिव हॉलिसिंग सोसायटी
लिमिटेड, 57 मलकपेट, गनफाउन्डी, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

'उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 2229 वर्ग यार्ड, सैदाबाद हैदराबाद में। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 655/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

के० के० वीर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

क्रमांक १० एवं ११—
आवकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) को भारा
२८९-ए (१) के प्रधीन द्वारा

भारत मरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 377/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा
२८९-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से पहिक है,
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सैदाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का
१६) के अधीन आजमपुरा में तारीख मार्च, १९७९
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
माननिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित वा वास्तविक क्रम
से निहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय वा किसी धन वा पन्थ प्राप्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनालं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः यद्यु उक्त प्रधिनियम की भारा २८९-ए के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की भारा २८९-ए की उपबारा (१) के
प्रधीन, विननिहित अधितियों, वर्चात् ।—

(१) श्रीमती तहजीबुनीसा बेगम, १६-२-८६७ सैदाबाद
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(२) स्टेट बैंक हैदराबाद उद्योग को आपरेटिव हाऊसिंग
सोसायटी, लिमिटेड, मलक पेट, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह मूलना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाचियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की प्रबलिया या तत्संबंधी अधिकारियों पर सूचना की तामील से ३० दिन की प्रबलिया, जो भी प्रबलिया में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम
के प्रध्याय २०-क में परिचालित है, वही पर्याप्त
होणा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुदृढ़ी

खुली जमीन विस्तीर्न २७७१ वर्ग यार्ड, सैदाबाद हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० ६५४/७९ उप रजिस्ट्री कार्यालय
आजमपुरा में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख : 16-11-1979
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 378/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-9-297/1 है, जो 15-9-299 अफजल गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तीम, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती जयाबुन्नीसा बेगम, 2. अहमद दीलावर शरीफ, 3. मुहम्मद युसुफ शरीफ, 4. मुहम्मदकाब्बा शरीफ, 5. दीलावर बेगम, 6. कैश्मीसा बेगम, 7. मुरीसा बेगम, 15-9-297/1 अफजल गंज, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सैयद यूसुफ और सैयद इब्राहीम 17-8-343 घाऊनी नदियाली बेग, याकुतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 15-9-297/1 और मलगी नं० 15-9-299/ (पहला और दूसरा मञ्जिल पर) अफजल गंज, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1828/79 उप रजिस्ट्री दस्तावेज नं० हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एन० एस०—
आयकर शाखानियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 379/79-80—यथः

मुझे के० के० वीर
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 1 है, जो सागर वु मकान में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16)* के अधीन मार्च, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निखित में
वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अस्तरण से तुझे किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के विवित में
कमा करने या उससे बचन में मुविद्धा के लिए:
और/या

(ख) ऐसी किसी आरा किसी व्रत या प्रथ्य मासितियों का
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्य
अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए जा, छिपाने में मुविद्धा के लिए।

(1) श्रीमती नरबदा बाई, (2) श्री मुकुन्दलाल पति
(3) श्री नक्षीनिवास पति घर नं० 4-1-10
तिलक रोड, हैदराबाद।

(2) श्री मुहम्मद अली मकान 8-7-685 दारगती
निजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप —

(क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना के
नामील से 30 दिन को अवधि जो भी प्रधिष्ठाता में
मपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और रद्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 1 जमीन की सतह पर „सागर वी मकान“
1-2-524/3 दीमल गुडा, हैदराबाद। विस्तीर्न 231 वर्ग
फीट, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1798/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद।

के० के० वीर
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

वस्तु: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त ।—

तारीख : 16-11-1979

मोहर :

प्रॅलॅप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 380/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० 1-10-47/1 है, जो अशोक नगर में
स्थित है (और इसमें उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16)
के प्रधीन तारीख मार्च 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल पर, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी निरी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अक्षित्यों पर्याप्त:—

(1) श्री बेन्कटराऊ पिता श्री सीतारामय्या, श्रीमती
शशीरिका स्त्री सीतारामय्या, 4-1-920 तीलक
रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डॉक्टर बी० नरसिम्मारेड्डी, 5-8-50/2, नामपल्सी
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वस्वन्धी अक्षित्यों पर सूचना
की तारीख तक 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त अक्षित्यों में
में किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

संष्करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के प्रधाय 206 में परिभाषित हैं वही
प्रयृष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विभाग घर 1-10-47/1 अशोक नगर हैदराबाद। पहला
मन्जिला पर 1620 वर्ग याड़। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1759/
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एम० एस०—

आप०र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 381/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 3-6-158 है, जो हिमायत नगर में स्थित
है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, म, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती इन्दिरा बाई पति स्वर्गीय राजा दीलराम
बीरजी, पुराना बाग, दीलीटौकी, हैदराबाद।
(अन्तरक)
(2) डॉक्टर सैयद जबीद मुनीर पिला सैयद मुनीर
अहमद 318/बी, मलेपली, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना के
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

वीभागी घर नं० 1 म्युनिसिपल नं० 3-6-158 हैदरगुडा
गुडा, हिमायत नगर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1631/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

रक्षप पार्टी टी०ए०ए०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, प्रशायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 382/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया दे), को धारा 269-व
के अंत्री प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय मम्पति, जिसका उल्लिख आजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० बीबीरा 3 का 3-6-658 है, जो हैदरगुडा
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूची
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
अन्तरित करा यह सिद्धि नहीं किया गया है।—

(*) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायिन
में कमी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए;
जौर/दा

(**) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य अस्तियों
को जिस्मे आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

बातः यथा, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसारण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवृत्ति :—

(1) श्रीमती इन्दिरा बाई पति स्वर्गीय राजादीलेराय
बीरजी, 8-2-861/ए, रोड नं० 12 बनजारा
हिस्सा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डॉक्टर सैयद मजीद मुनीर 318/बी, महापली
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
के लिए कार्यवाहियों करता है।

इस सम्पत्ति के प्रश्न के प्रश्नमें कोई भी मालेय :—

(क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तात्पर्यात्मी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त द्वारा अन्तरित में इक्षवक्ष
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित
में किए जा सके।

प्रधानीकरण :——इसमें प्रयुक्त गद्दी और पदों जा, जो उक्त प्रधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्व होगा जो उम अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विभागी नं० 3 घर नं० 3-6-158 हैदरगुडा हैदराबाद
हिमायत नगर का विभाग विस्तीर्ण 208.00 वर्ग यार्ड।
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1632/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में।

के० के० बीर
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1979

- (1) 1. श्रीमती न शनता अथांगर पती थेन-सी अथ्यांगर, 2. डॉक्टर रनगराव, 3. एन० रामप्रसाद 4. मेन द्वारकानाथ, 5. श्रीमती जया लक्ष्मी प्रमोद 6. श्रीमती तारा सत्यान, 7. श्रीमती रमा बालाजी, जया नगर, बैंगलूर।

(प्रस्तरक)

- (2) श्री यादा नारायण पीनावारी गली, वारंगल के निवासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(र) इप्प सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(व) इप्प सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मलगी नं० 6-8-134 धीरे रास्ता हनमकोनजा वारंगल रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 620/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय वारंगल में।

के० के० धीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर श्रावक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रूफ प्राई० टी० एन० एस०——

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 384/79-80—यतः
मुझे के० के० धीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-8-135 न, जो हनम कोनडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बारंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1879

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रसिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आधिकार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अधीन, —

(1) 1. श्रीमती शान्ता घायंगर, (2) डॉक्टर एन० रनाराय, (3) एन० रामप्रसाद, (4) एन० द्वारकानाथ, (5) श्रीमती जयालक्ष्मी प्रमोद, (6) श्रीमती तारा सर्वा, (7) श्रीमती रामाबालाजी श्री बालाजी 367 जया नगर, बैंगलूर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मदनपली पदा पति एम० कोशट्ट्या, 1-8-157 तनती कार्यालय, हनमकोनडा, बारंगल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजनन्द में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रक्षम्भी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनन्द में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 6-8-135 चौरास्ता हनमकोनडा बारंगल रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 621/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय बारंगल।

के० के० धीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निम्नें सं० आर० ए० सी० न० 385/79-80—यतः
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है ।

और जिसकी सं० मलगी न० 6-8-736 है, जो हनमकोनडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वारंगल
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
16) के अधीन तारीख मार्च, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिखित में वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अतरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एन० शान्ता आव्यंगर पति एन० आव्यंग
(2) डॉक्टर एन० रंगनाथ, (3) रामाप्रसाद
(4) एन० बारकानाथ, (5) श्रीमती जयालक्ष्मी
प्रभोद, (6) श्रीमती तारा सत्यन, (7) श्रीमती
रामावालाजी, 367, जयानगर, बैंगलूरु ।
(अन्तरक)

(2) श्री नसरीबीन पिता करमाली मसली गीरयाजीपेट
वारंगल ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मलगी न० 6-8-136 हनमकोनडा वारंगल रजिस्ट्री
दस्तावेज न० 622/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय वारंगल में ।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 17-11-1979
मोहर :

प्रस्तुति माई० ई० एन० एस०—————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 च(1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अधिकारी रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निवेदण सं० ग्राम० ए० सी० न० 386/79-80—यत्
मझे के० के० वीर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च
के प्रधीन विभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर नम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 6-8-137 है, जो हतमकोनडा
में स्थित है (और इससे उपावक्त अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वारंगल
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या फिरो ग्रन्थ या ग्रन्थालयों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ग्राम प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवार्ता 1—

(1) (1) श्रीमती एन० शान्ता आव्यंगर पति एन०
शी० आव्यंगर, तारनाका हैदराबाद में। (2)
डाक्टर एन० रंगाराव, (3) एन० रामप्रसाद,
(4) द्वारकानाथ, (5) श्रीमती जयालक्ष्मी प्रमोद
(6) श्रीमती तारास्त्यम, (7) श्रीमती रामा-
बालाजी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीतारामुलु, वारंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोत्स्थाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवं द्वितीय:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इससे
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
भर्ये होंगे जो उस अध्याय में विधा गया है।

मलगी

मलगी नं० 6-8-137 चौरास्ता हतमकोनडा वारंगल में
है, रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 623/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय
वारंगल में।

के० के० वीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अधिकारी रेज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979
मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 387/79-80—यतः
मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6-8-130, 131, 132 तथा 133 है, जो
हनमकोनडा में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी
कार्यालय, बारंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के [प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए]

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्रीमती एन० शान्ता आयंगर पति
डाक्टर आयंगर तारनाका हैदराबाद, (2)
डाक्टर रंगाराज, (3) एन० रामप्रसाद, (4)
एन० द्वारकानाथ, (5) श्रीमती जयालक्ष्मी प्रमोद,
(6) श्रीमती तारा सत्यन, (7) श्रीमती रामा-
बालाजी।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री गुनडा सीकुमार (मेनर) पिता श्री
लिनामुखी, (2) श्री श्री कुमार (माइनर),
(3) श्री श्रवण कुमार, (4) श्री उमामहेश्वर,
(5) श्री जीतेन्द्र कुमार, 12/635 ता० 650,
बारंगल।

कोयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर और मलगी नं० 6-8-130, 131, 132 और
133, चौरास्ता हनमकोनडा, बारंगल के पास में। रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 624/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय बारंगल में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
धारा २६९व (१) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक १७ नवम्बर, १९७९

निरोग सं० आर० ए० सी० न० ३८८/७९-८०—यतः
मुझे के० के० दीर
प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० ६-८-१२९, १३७ है, जो हनमकोनडा
में स्थित है (श्रीर इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वारंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन तारीख मार्च, १९७९ को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
प्राय-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

उक्त अन्तरण अधिनियम, धारा २६९-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपचारण (१)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अधीत:—

(१) (१) श्रीमती एन० शान्ता आर्यंगर, (२) एन०
रंगराज, (३) एन० रामाप्रसाद, (४) एन०
द्वारकानाथ, (५) श्रीमती जयालक्ष्मी, (६)
श्रीमती तारासत्यन, (७) श्रीमती रामाबालाजी
वेंगलूर।

(अन्तरक)

(२) (१) श्री रामावरपु प्रकाशम, (२) आर०
विश्वासागर, (३) आर० सुदर्शन, पुरानाबीट
बाहर, वारंगल के निवासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्याय २०क में परिभाषित हैं, वही
जर्ज होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर और मलगी न० ६-८-१२९ और १३७ उप रजिस्ट्री/
कार्यालय हनमकोनडा, वारंगल, रजिस्ट्री दस्तावेज न० ६२५/
७९ उप रजिस्ट्री कार्यालय, वारंगल में।

के० के० दीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : १७-११-१९७९

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 389/79-80—यतः
मझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है, जो 8-2-696/697
बनजारा हिल्स में स्थित है (और इससे उपाख्य अन्नसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तयों अर्थात्:—

(1) श्री ओ० पी० वासुदेव पिता अमीन चन्दा, कोटल
रोड, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर कोहली, पति अमरजीत
सिंह कोहली, (2) मैसरे गुरजीत कौर कोहली
3-6-131/1 हैदरगुज़ा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 1196 वर्ग यार्ड प्लाट नं० 2 कम्पनी घर
नं० 8-2-696/697, रास्ता नं० 12 बनजारा हिल्स, हैदराबाद
रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1784/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय,
कैरताबाद में।

के० के० बीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

प्रसूप शाई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 390/79-80—यसः
मुझे के० के० थीर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7-12 है, जो लक्सीटीपेट में स्थित है
(और इससे उपाबूझ अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख मार्च, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके धूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धूश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी प्राय या किसी धम या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री जे० एन० उपेन्द्र राव, (2) जे०
नरेशकुमार, 1-2-412/8, बैगम महल कालोनी,
हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री एन० कानद्या पिता जैनराम्या, 7-12 लक्सीटी-
पेट, करीमनगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामोत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में त्रितीय व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बर नं० 7-12 लक्सीटी पेट, करीमनगर में है रजिस्ट्री
पस्तावेज नं० 239/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय मनचेनयीला
में।

के० के० थीर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

268-ष (1) के पश्चीम मूल्यना०

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 29 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० प० पी० सं० 1964—यतः ५३६ बी० एस० दहिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 268-ष के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी न० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरियों (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया वया पतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विवित में वास्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दुई किसी व्याय की वारत 'उक्त प्रधिनियम' के पश्चीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी व्याय या किसी अन्य व्याय के अन्तरक के जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः यद्यपि उक्त प्रधिनियम की वारा 268-ष के अन्तरक में, ये, उक्त अधिनियम की वारा 268-ष की उप-धारा (1) के पश्चीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान 16—356GI/79

(1) श्री मेला सिंह सहोता, सहोता बिल्डिंग सिवल लाइस्स, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) मै० ऐपेक्ष इन्स्ट्रीज म० 54 दादा कालोनी, इन्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविस्तरणों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संबोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रयाय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख न० 8645 मार्च, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख : 29-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी • एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1966—यतः मुझे बी०
एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुंच विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, मार्च, 1979 को

पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त अनुसूची का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
प्रदृढ़ प्रतिकारन प्रतिकृत है और प्रदृढ़ (प्रमाणीय)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के द्वितीय ऐसे अनुसूचणा के निए
तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कवित न में किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उसमें
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी ही प्राय या फिसी प्रम गा अग्र आस्तियों
को, जिसे भारतीय भव्य-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
शन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अनुच्छेद अन्तरिक्षीय दारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

यतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) सर्वेश्वी सतनाम सिंह, हरजीत सिंह, मोहन सिंह
पुर लाज सिंह, रवीदास नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सिंह पुत्र हजारा मिह, जसबीर
कौर, पत्नी हरदियाल सिंह, कोठार।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस उन्नता व दात्राव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तन्तस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रदृढ़ प्रतिकारन में समाप्त होती है, के प्रीतर पूर्तीकृत
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित न हो जा सके।

प्रबोक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख सं० 8128 मार्च, 1979, को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-11-1979
मोहर :

प्रकाश प्राइंट टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ए (1) के मध्यात् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंशायन आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1967—यतः मुझे बी० ए० एस० दिहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ल 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि हथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जी० टी० रोड फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उत्तरांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रनारक (अन्तर्रांचल) और अन्तरिती (अन्दरितियों) के द्वीच ऐसे अन्तरण के लिए उत्तम प्रयत्न किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धब्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के प्रत्ययन में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(1) श्री गुरदियाल सिंह पुष्प इन्द्र सिंह, जी० टी० रोड, फगवाड़ा

(अन्तरक)

(2) श्री जनक राज दुगल पुष्प बलराज दुगल, जी० टी० रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन क संबंध में कोई भी व्यापैष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयदाद जैसा कि विलेख नं० 2208 मार्च 1979 को रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

बी० ए० एस० दिहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रकृप थाई० टी० एम० एस०——

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० ए० पो० नं० 1968—यतः मुझे भी०
एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रशास्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269वं (1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का उद्देश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य उक्त अन्तरण मिहित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
श्रवनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रष्ट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269वं के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269वं की
उपकारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, घोर्तः—

(1) श्रीमती राज कौर पत्नी हीरा सिंह ई० सी०-
139 पेज पीर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी तरलोचन सिंह ई०
एफ० 52 लालों कली रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

यह संपत्ति के प्रर्जन हेतु योग्य में फॉर्म भा यात्रा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जाती है से
45 दिन की प्रबलि या तस्म्यन्तरो व्याप्तिका पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबलि
जो भी प्रबलि वाद में समाप्त होती हो, भी भीतर
पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में राजगढ़ को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपति में हितबद्ध
किसी भन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किये जा नज़रें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि बिलेख नं० 8109 मार्च 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

भी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहर:

प्ररूप प्राइंटो टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1969—यतः मुझे बी०
एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अंतर्गत प्राधीन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों अस्ति:—

(1) श्री केशर सिंह पुत्र कौर सिंह ई-सी-139, पंजपीर जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कौर पत्नी हीरा सिंह पंजपीर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 8110 मार्च, 1979 में रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालन्धर के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 1970—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' नहीं गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति गिराव उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(८) अन्तरण १ द्वारे किसी भाव की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
बौद्धिकीय

(९) ऐसी किसी वाय या किसी व्यवहार को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की भारा 269-व के प्रभुत्वरूप में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात्:—

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र तेलू राम सिंहला, जी० टी० रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र पुत्र राम सरूप खोसला, सुभास नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में राचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिष्ठान से समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनांक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 2201 मार्च, 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

ब्रह्म प्राई० टी० एन० एस० —————

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रामीण, उदाहरण आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निवेश मं० प० पो० नं० 1971—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,
ग्रामीण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इवाच सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

श्रीर जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कागजड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ग्रामीण फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में बास्तुक्षिप्त रूप से दायर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि दिया गया को उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रास्तियों नो, जिन्हें ग्रामीण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावृत्त अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं दिया गया था या किया जाना चाहिए था, दियाने में मूल्यांकन के लिए।

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अधीन, विवरित अधिकारी, अर्जन :—

(1) श्री रूप चन्द्र पुत्र तेलू राम सिंगला, जी० रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) डा० कृष्ण चन्द्र पुत्र राम सरण सुभाश नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो अकित सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसाकि बिलेख नं० 2219 मार्च 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा के पास लिखा है।

बी० प० स० दहिया
सक्तम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहरः

प्रसंग प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निकेश सं० ए० पी० नं० 1972—यतः, मुझे, बी०
एस० द्विया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीहर्टा अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा
में रजिस्ट्रीहर्टा अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से दुई किसी आय की वाचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के उत्तरांक के
दायित्व में कभी करने वा उक्ते बचने में सुविधा के
लिए; और/वा

(ख) तेसी किसी आय या तिसी धन या अन्य आक्षितयों
को बिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269वा० के उत्तरांक
में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269वा० की उपक्रान्त (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री चमत लाल पुत्र तेलू राम सिंहला, जी० टी०
रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) डा० ऊषा खोसला, पत्नी डा० गुरुण चन्द्र खोसला,
मुमांश नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
उमीद से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

प्रधोहस्ताक्षर:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20क में परिचालित
हैं, वही प्रथम होया, जो उस अन्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा हि विलेख सं० 2203 मार्च, 1979 को
रजिस्ट्रीहर्टा अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० एस० द्विया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहरः

प्रकृष्ट प्राइंट ई० ई० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निरेण मं. ए० ई० नं० 1973-उपतः, मुझे, श्री० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिन्हीं सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथति :—

17-356GI/79

(1) श्री रम अन्द्र पुढ़ तेलू राम फिराड़ा, जी० ई० रोड़, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) डा० ऊष, खोसला पत्नी डा० कृष्ण अन्द्र खोसला सुभाष नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आयदात जैसा कि विलेख नं० 2218 मार्च 1979 को रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

श्री० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहर : 211

प्र० श्री प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 नवम्बर 1970

निवेश सं० ए० सी० नं०/1974—यतः, मुझे, बी०
एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में दर्शित है), रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, सारोख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चमन लाल पुत्र तेलू राम सिंहला, जी०
टी० रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरग)

(2) श्री राम सरुप पुत्र राम नाथ ओसला, सुभाष
नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हथि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयांकित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आयदाद जैसा कि विलेख नं० 2220 मार्च 1970 को
रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 7-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 नवम्बर 1979

विंशठ मं० ए० सी० नं० 1975—पता; मुझे शी० एस०
दहिया,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जितकी मं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव
शी० नर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नकोदर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चानन सिंह पुन अतर सिंह गांव शांकर
तहसील नकोदर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जगदीश कौर पत्नी श्री अजीत सिंह
गांव शांकर, तहसील नकोदर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 2982 मार्च, 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर के पास लिखा है।

शी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 8-11-1979

मोहर:

प्रकृष्ट माई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेश सं० ए० पी० नं० 1976—यतः, मुझे, दी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सकाम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संराति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव जेठपुर तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पञ्चवांश प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बोन ऐसे अन्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी पाया की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर बने के अस्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाया या किसी अन्य अधिनियमों को जिन्हें मार्त्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकार्यों, अवतारः—

(1) श्री तेजा सिंह पुत्र आधिक लिह जेठपुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह, मलकीयत मिह पुत्र तेजा सिंह गांव जेठपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो अधिक सम्पत्ति में नचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंध में कोई भी आकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकार्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकार्यों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिभाषित है, कही भयं होगा, जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि किलोवट सं० 8631 मार्च 1979 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 8-11-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० बी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक ९ नवम्बर, १९७०

निवेश सं० ए० पी० नं० १९७७-यतः मुझे बी० एम०

दहिया

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
बपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची से है तथा जो जालन्धर
से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६)
के अधीन, तारीख मार्च, १९७९

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अर्थात् :—

(१) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र महताब मिह माडल टाइप
फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(२) श्रीमति हरपाल कौर पत्नी गुरदीप सिंह एन०
एम० १२३ मोहल्ला कराहवां, जालन्धर।

(अन्तरक)

(३) जैसा कि अपर न० २ से है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिर्भाग से
सम्पत्ति है)।

(४) जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में नापाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर भूमि में हितबद्ध
निसी अवृत्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय-२०क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख न० ५५६२ मार्च, १९७९ को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकरी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : ९-११-१९७९

मोहर :

प्रकल्प प्राई० डी० एन० एस०-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निकेश सं० ए० पी० नं० 978-यतः मुझे बी०
एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
उचावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
में प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची से लिखा है तथा जो
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा से रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रमुखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रमुखितों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया
है :--

(क) अन्तरण से दूर्दृढ़ किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं
भास्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अवश्यक में,
पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित अधिकारी, प्रतीत ।--

(1) श्रीमदो गुरुदिवाल कौर परनी हरभजन सिंह
बेरा रोड, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री बाल कृष्ण पुत्र रेखी राम वासी प्रतापपुरा
तहसील, फिलौर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह अवित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो अवित सम्पत्ति से हचि रखता हो।
(वह अवित, जिनके बारे में प्रधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवित के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी व्यापेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सर्वसंघी अवितों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितों में से किसी
अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिवर्तित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख मं० 2199 मार्च, 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी फगवाड़ा के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, जालन्धर।

तारीख : 9-11-1979

नोहर :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वजनिक, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्थर कार्यालय

जालन्थर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निवेश सं० ८० पी० नं० १९७९-प्रतः मुझे बी० एम०
दक्षिण

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूल्य में है तथा जो कगवाड़ा
से स्थित है (और इसमें उपायदृष्टि अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य
से अधिक है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कगवाड़ा
से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की रही है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है :—

(५) प्रतिरण से दुई किमी प्राय की ओर उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(६) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य वा अन्य प्रायितियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरूप
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपक्षारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रयावृत्ति :—

(1) श्री हरदियाल सिंह, जी० टी०
रोड, कगवाड़ा।

(अस्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र पुत्र जगमाथ, जी० टी० रोड,
कगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे से अधो-
लुस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति
से हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वीन सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीम्यी अवधियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अन्तरिती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्रिलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 2209 मार्च 1979 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पास लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्थर

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 239-व (1) नियम प्रति

भारत सरकार

कार्यालय, संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निदेश मं० टी० आर० 148/अर्जन/आगरा/78-79—

अस्त: मुझे वी० मी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संकेत संस्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु० के अधिक है।

श्री जैसकी मं० 5/85 वाके हैं तथा जो मदिया कटरा मथुरा में स्थित है (श्री इसने उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्जित है), रजिस्टर्ड अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्टर्ड कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्री अन्तरक (अन्तरकों) श्री यह है कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सुरेन्द्र नाथ बंसल पुत्र रमेशनाथ बंसल, नरेन्द्र कुमार बंसल पुत्र भी जमुना प्रसाद बंसल, सुरेन्द्र कुमार बंसल पुत्र कैलाशनाथ बंसल, अरविंद बंसल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद बंसल, निषासी रंजुनाथ नगर, महाराष्ट्रा गांधी रोड आगरा।

(अस्तरक)

(2) मैसर्स लिबर्टी फुटवियर कम्पनी वाके मधुरा रैह आगरा, पाठीनर श्री पुरुषोन्नम वास गृष्णा।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक गहरी जायदाद नंबरी 5/85 वाके मदिया कटरा मौसूमा मथुरा रोड आगरा आधा भाग शामलाती।

बी० सी० चतुर्वेदी

संकाम प्राधिकारी

संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-11-1979

मोहर:

प्रॅलप प्राई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निवेद सं० 762/अर्जन/ग्रागरा/78-79—अतः मुझे चो० सो० चतुर्वेदी

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 5/85 है तथा जो मदिया कटरा ग्रागरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः :—

18—356 GI/79

(1) श्री सुरेश नाथ बंसल पुत्र श्री रमेश नाथ बंसल, नरेन्द्र बंसल पुत्र श्री जमुना प्रसाद बंसल, सुरेन्द्र कुमार बंसल पुत्र श्री कैलाशनाथ बंसल, अरविन्द बंसल पुत्र श्री गणेन्द्र प्रसाद बंसल, निवासी रघुनाथ नगर, महात्मा गांधी रोड, ग्रागरा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स लिबर्टी एवर प्राइजेर वाके मथुरा रोड, ग्रागरा द्वारा पार्टनर पुश्पोत्तमदास गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतनिक व्यक्तियों शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक शहरी जायवाद नम्बरों 5/85 वाके मदिया कटरा ग्रागरा का आधा भाग शामलातो।

मो० सो० चतुर्वेदी
सभी प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 7-11-1979

मोहर :]

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रीराज रेज, कालपर

कानपूर, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 749/प्रज्ञन/मेरठ—प्रतः मुझे बी० सी०
प्रतवेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रावर भवित जिनसा उचित वाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसको संदेश मेठ वाड़ा मथुरा है तथा जो मथुरा में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विवाद फरंते का कारण है कि प्रधानमंत्री ने प्रधानियों का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकूल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का प्रदृढ़ प्रतिगत प्रधिक है और अन्तररु (अन्तररक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निखित में बास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :—

(iii) अन्तरण से हुई किसी दाय को ब्रावत, उक्त प्रधि-
नियम के अवान कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
पौर/सा

(ब) ऐसी किसी पाय या किसी बन या अन्य वास्तुओं को जिन्हें ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्राम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसी संविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की शारा 269-ए के प्रत्युपरण में, मैं उक्त प्रधिनियम को शारा 269-ए की उपशारा (1) के प्रत्येक निम्नलिखित व्यविधयों प्रभावातः—

(1) श्रो सुरेन्द्र चन्द्र अग्रवाल, निवासी सेठवाड़ा,
निलक द्वार, मथुरा।

(मन्त्रक)

(2) श्री रामनाथ अग्रवाल, निः० केसरवार मथुरा
व श्रीमती सुशीला देवी, सुभाष चन्द्र अग्रवाल
निवासी सताधडा, मथुरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन दे लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तिः—

(क) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशित को नारीश्वर से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के प्रध्याय 20 के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसारी

एक हिस्सा मकान नं० 1206 पुराना व 1317 नया
वा के सेठ बाड़ा तिलक द्वारा, मथरा।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

प्रस्तुति आदृश टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मई 1979

निदेश सं० 542-ए/पो-न०/कैराना/79-80--ग्रतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसका सं० 99, 104, 106 है तथा जो ग्राम बहेड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), नजिस्ट्रफर्टा अधिकारी के कार्यालय कैराना
में, रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-5-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
षत्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्री, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमात्:—

(1) श्री मुख्यबांध सिंह व बलराम सिंह पुत्रेण आसा
राम ग्राम पुरामाको परगना जिन्हाना हाल बहेड़ा
परगना जिन्हाना, तहसील कैराना, जिला मुज़फ़रनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल पुत्र देवी चन्द्र व श्रीमती चन्द्रा
प्रभा स्त्री चमन लाल ग्राम बहेड़ा परगना जिन्हाना
तहसील कैराना, जिला मुज़फ़रनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधान

कृषि भूमि 99/1/1, 106/2 अ 10 किलो 7III/2
ल० 77.35 सालाना स्थित ग्राम छिंडाली परगना जिन्हाना
व दरोवस्त मकान दक्षिण मुहाना व इससे मिला मुश्त्रा,
दूसरा मकान दक्षिण मुहाना तामोर कच्ची ग्राम बहेड़ा
परगना जिन्हाना, तहसील कैराना, जिला मुज़फ़रनगर में
स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 27-5-1979।

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 205ए/पी० एन०/बागपत/79-80—यतः
मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2749 है, तथा जो ग्राम छपरौली में
स्थित है (और इससे उपरान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बागपत में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-5-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
के अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तथा और
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पाया
गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थातः:—

(1) श्री मुन्नो व करमसिंह पुत्रगण देवी राम, निः
विनोली, प० वरनावा, तहसील, सरधना, जिला
मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी पत्नी मुरेशपाल, व मु०
बाहेती बे वा इकबाल सिंह, निः छपरौली तह०
बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम छपरौली बांगार का ख० नं० 2749/
6/3-11 मि० लगान सालाना 80.33 पैसे।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईडी एनो एसो—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

निदेश सं. 118-ए/पि/एन/मंसूरी/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. है तथा जो खेतान स्परिंग
रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यों में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय,
मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16-4-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
पृथमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके पृथमान प्रतिफल से ऐसे
पृथमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिष्ठित से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित
उल्लेख से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी प्राय की वारा उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
सहायक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षिती हुआ प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की वारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्

- (1) श्री अमोचनदेव, 13, कैन्टोनमेंट, अमृतसर
(अन्तरक)
(2) श्री प्रोत्तम मिह, मारार भवन, कुलरो मंसूरी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में खोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित
में किए जा सकेंगे।

संख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

: अमृतसूरी

गृह सम्पत्ति तीन मंजिला जो कि स्परिंग रोड, मंसूरी
में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-10-1979

मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना सातारा रोड, पूना
पूना, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सी० ए०/एस०आर०-अहमदाबाद/प्रगति 79/
458—अतः मुझे ए० सी० चन्द्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० ए० क्र० 3576/1 है, तथा जो
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 24-8-79

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) 'ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. वि अहमदाबाद, इमारत कम्पनी लिमिटेड,
प्रेसिडेंस : श्री एस० आर० ताबोली,
चेयरमैन, : श्री एम० एम० सोनी, अहमदनगर
(अन्तरक)

2. श्री कनकमल भगनमल गांधी,
मिरी तालुका, पाथर्डी, डिस्ट्रिक्ट अहमदनगर ।
(अन्तरिती)

4. मंगरे एम० आर० भिंगारवाला,
कलाय मार्केट, अहमदनगर,
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम उम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्राप्ती: सी० ए० क्र० 3576/1, अहमदनगर, सिटी
क्षेत्र फल : 66. 3 वर्ग मीटर्स ।

(जसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1676 दिनांक 24-8-79
को सब रजिस्ट्रार अहमदनगर के कार्यालय में लिखा है)

ए० सी० चन्द्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 13-11-79
ओहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 19th November 1979

No. F.6/79-SCA (I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted/appointed the following Officers and members of the staff of this Registry to the post shown against each with effect from the forenoon of November 16, 1979 until further orders.

S. No.	Name	Post held	Post to which appointed
1.	Shri B.R. Gupta	Offg. Section Officer	Offg. Court Master.
2.	Shri D. Banerjee	Assistant	Offg. Section Officer <i>Vice</i> Shri B.R. Gupta.
3.	Shri C.L. Mahajan	Assistant	Offg. Section Officer.
4.	Shri Krishan Lal	Assistant (on deputation to the Gujral Commission of Inquiry).	Offg. Court Master (pro-forma).
5.	Shri A.B. Lal Kanojia	Assistant	Offg. Court Master.
6.	Shri P.K. Basu	Assistant	Offg. Court Master <i>vice</i> Shri Krishan Lal (on depu- tation).

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd November 1979

No. A. 35014/1/79-Admn.II.—Consequent on his appointment to the post of Desk Officer, *vide* notification No. A. 11016/1/76-Admn.III dated the 16th October, 1979, the appointment of Shri A. Gopalakrishnan as Section Officer (Spl.) *vide* this office notification of even number dated the 17th September, 1979, stands cancelled with effect from the same date.

The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri B. B. Murmu a permanent Section Officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on *ad hoc* basis as Section Officer (Special) in the Commission's office for a period of three months with effect from forenoon of the 16th October, 1979 or until further orders whichever is earlier.

On his appointment to the post of Section Officer (Spl.), the pay of Shri B. B. Murmu will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E.JII/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 2nd November 1979

No. A. 19014/6/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. F. Kujur, an officer of the Indian Audit & Accounts Service, as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 12th October, 1979.

No. A. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 18-8-1979 the President has been pleased to appoint Shri M. R. Bhagwat a permanent Grade-I officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a further period from 11-9-1979 to 23-11-1979 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th November 1979

No. 98RCT18.—Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 15th November, 1979 to 12th February, 1980 or until further orders whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commission

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 19th November 1979

No. F.6/79-SCA (I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted/appointed the following Officers and members of the staff of this Registry to the post shown against each with effect from the forenoon of November 16, 1979 until further orders.

S. No.	Name	Post held	Post to which appointed
1.	Shri B.R. Gupta	Offg. Section Officer	Offg. Court Master.
2.	Shri D. Banerjee	Assistant	Offg. Section Officer <i>Vice</i> Shri B.R. Gupta.
3.	Shri C.L. Mahajan	Assistant	Offg. Section Officer.
4.	Shri Krishan Lal	Assistant (on deputation to the Gujral Commission of Inquiry).	Offg. Court Master (pro-forma).
5.	Shri A.B. Lal Kanojia	Assistant	Offg. Court Master.
6.	Shri P.K. Basu	Assistant	Offg. Court Master <i>vice</i> Shri Krishan Lal (on depu- tation).

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th November 1979

No. M-3/73-Ad.V.—On attaining the age of superannuation Shri Manohar Singh, who was a permanent Section Officer of the Cadre of the Ministry of Home Affairs and was posted in the Central Bureau of Investigation, retired from the Government service with effect from the afternoon of the 31st October, 1979.

The 17th November 1979

No. A-12026/1/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri D. K. Kochar, Section Officer, Ministry of Steel, Mines and Coal (Dept. of Mines), as Junior Analyst in the Central Bureau of Investigation on deputation basis with effect from the afternoon of 12th November, 1979 and until further orders.

No. A-35018/4/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoint Shri D. C. Bhalerao, P.S.I., an officer of Maharashtra State Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation GOW Bombay Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 18-10-79 until further orders.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 14th November 1979

No. O.II-22/76-Estt.—The Government of India regret to notify that Shri J. S. Saldanha, IPS (AP 1949) on deputation to CRPF as Director ISA, Mount Abu expired on 12-10-1979.

The 15th November 1979

No. O.II-1205/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri M. B. Gautam relinquished charge of the post of Dy. S.P., 3rd Bn, CRPF, on the afternoon of 31-8-1979.

The 16th November 1979

No. O.II-1073/77-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Vinoda Kumar, GDO; Grade-II of Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from the afternoon of 5-11-79 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1963.

No. O.II-1096/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Rich Pal, GDO; Grade-II of Base

Hospital C.R.P.F. New Delhi with effect from the afternoon of 26-9-1979.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

**OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110019, the 14th November 1979

No. E-16018/1/79-Pers.—While on deputation from Defence Institute of Fire Research, New Delhi as Inspector (Fire)/CISF, Shri M. V. Vengurlekar has been appointed as Assistant Commandant (Fire) in the CISF on deputation basis and has assumed the charge of the post of Assistant Comdt (Fire), CISF HQRS, New Delhi w.e.f. the forenoon of 9th October, 1979.

Sd/- ILLEGIBLE
Inspector-General, CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 13th November 1979

No. 11/40/79-Ad.I-23634.—The President is pleased to appoint Shri V. M. Deole, an officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 31 October, 1979, until further orders.

2. His headquarters will be at Bombay.

The 15th November 1979

No. 11/29/78-Ad.I-23929.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Harbhajan Singh as Assistant Director of Census Operations (Technical), in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the afternoon of 3rd November, 1979, until further orders.

The 19th November 1979

No. 11/51/79-Ad.I-24350.—The President is pleased to appoint, on Promotion Shri P. D. Pradhan, Office Superintendent in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay to the post of Assistant Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 28th August, 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. His headquarters will be at Imphal.

3. The above ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Pradhan any claim to regular appointment to the grade and the services rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of Seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-2, the 15th November 1979

No. Admin.I/O.O.418/5-12/79-80/1623.—Shri H. S. Rekhi a permanent Audit Officer of this Office has retired voluntarily from service of the Government of India, with effect from 1-11-1979, after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.I. Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-1977.

2. Shri H. S. Rekhi entered Govt. service on 7-6-1947 and his date of birth is 24-7-1925.

Sd/- ILLEGIBLE
Jt. Director of Audit (Adm.)

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH-I**

Hyderabad, the 13th November 1979

No. I/8-132/79-80/160.—Shri V. N. Chary, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-10-79 AN.

No. I/8-132/79-80/160.—Shri Waheeduddin Siddiqui, Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-10-1979 AN.

R. HARIHARAN
Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 15th October 1979

No. DE.I/310.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :—

Sarvashri

1. O. P. Son of Shri Manoharlal Sharma, (02/254), 26th September 1979 (FN).
2. K. C. Kapoor, (02/256), 24th September 1979 (AN).

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

"Clermont", Simla-171004, the December 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960-100 increased by two points to reach 365 (three hundred and sixty five) during the month of October, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of October, 1979 works out to 444 (four hundred and forty four).

R. N. MUKHERJEE
Assistant Director
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

DIRECTORATE OF PREVENTIVE OPERATIONS

New Delhi, the 12th November 1979

Sl. No. 1.—In pursuance of this Directorate's Order F. No. 203/1/DAS/79 dated the 12th October, 1979, Shri A. G. Saxena, Superintendent in the Collectorate of Central Excise, Allahabad on his appointment as Inspecting Officer (Group 'B') on deputation basis, assumed charge of the said post in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus 25% special pay with usual allowances as admissible under the rules, in the forenoon of 29th October, 1979 and until further orders.

BHARAT B. JULKA
Director

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 16th November 1979

No. 28012(13)/79/AN-I(JTS).—The President is pleased to appoint the following Permanent Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service (Rs. 700—1300) with effect from the dates shown against them, until further orders :—

- Sl. No. Name & Date from which promoted
1. Shri P. Periaswamy—20-8-1979 (FN).
 2. Shri A. B. Malik—20-8-1979 (FN).
 3. Shri M. Krishnamurthy—15-10-1979 (FN).
 4. Shri P. D. Makkar—21-9-1979 (FN).

R. L. BAKHSHI
Addl. Controller General of Defence Accounts (Adm.)

New Delhi, the 16th November 1979

No. 40011(2)/79/AN-II—The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to Pension Establish- ment	Organisation
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	Ram Narayan Garg (P/349).	Permanent Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
2.	K. Sivadasa Menon (P/317).	Do.	31-5-79	Do.
3.	Jainti Prasad (P/112).	Do.	30-6-79	Do.
4.	Pran Nath Sharma (O/258).	Officiating Accounts Officer	30-6-79	Do.
5.	Dharam Pal (O/1).	Do.	31-8-79	Do.
6.	Tekh Ram (P/255).	Permanent Accounts Officer	31-8-79	Do.
7.	Chandgi Ram Jindal (P/323).	Do.	31-8-79	Do.
8.	Roshan Lal Bagga (P/272).	Do.	30-9-79	Do.
9.	M. Sethuraman (P/263).	Do.	30-9-79	Do.
10.	Ram Lal Goel (P/469).	Do.	30-9-79	Do.
11.	R.S. Kaushal (O/341).	Officiating Accounts Officer	30-4-79	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
12.	Jitinder Nath Dhir (P/118).	Permanent Accounts Officer	30-6-79	Do.
13.	M.D. Misra (P/16).	Do.	31-7-79	Do.
14.	Girdhari Lal Mittal (P/505).	Do.	31-8-79	Do.
15.	Krishan Lal (P/233)	Do.	30-9-79	Do.
16.	S.P. Sharma (P/388).	Do.	31-7-79	Do.
17.	M. Subramanian (P/53).	Permanent Accounts Officer	30-6-79	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
18.	R. Janakiraman (O/346).	Officiating Accounts Officer	30-6-79	Do.
19.	G.C. Banerjee (O/41).	Do.	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.
20.	G. Venkataraman (P/462).	Permanent Accounts Officer	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
21.	K.S. Narasimha Iyer (P/267).	Do.	30-6-79	Do.
22.	P.D. Panse (P/354).	Do.	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Officers), Pune.
23.	K. Nagarajan (P/285).	Do.	30-6-79	Do.
24.	V.E. Zachariah (O/163).	Officiating Accounts Officer	30-6-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
25.	Ziladhar Taneja (P/259).	Parmanent Accounts Officer	30-6-79	Do.
26.	N. Krishnan (P/58).	Do.	30-6-79	Do.
27.	V. Gopalan (P/62).	Do.	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South, Madras.
28.	K. Ranganathan (P/156).	Do.	30-6-79	Do.
29.	N. Krishnamurthy (O/159).	Officiating Accounts Officer	30-6-79	Do.
30.	Krishan Das (NYA) (A/646).	Do.	30-6-79	Do.

1	2	3	4	5
	S/Shri			
31.	P. Rama Rao (P/254).	Permanent Accounts Officer	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.
32.	K.P. Bhaskaran Nair (P/310).	Do.	30-6-79	Do.
33.	R.N. Grover (O/355).	Officiating Accounts Officer	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Training), Meerut.
34.	D.P. Chadda (P/274).	Permanent Accounts Officer	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
35.	Y.W. Sudan (P/330).	Permanent Accounts Officer	30-6-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
36.	V.V. Ramaratnam (P/599).	Do.	31-7-79	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
37.	Amrit Lal Arora (O/17).	Officiating Accounts Officer	31-7-79	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
38.	H.R. Subramanian (P/194).	Permanent Accounts Officer	31-7-79	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
39.	V.V. Gopalraghavan (P/6).	Do.	31-7-79	Do.
40.	Suraj Parkash (P/207).	Do.	31-7-79	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
41.	V. Krishnamurthy (P/128).	Do.	31-7-79	Do.
42.	Bhola Dutta Nautiyal (P/573).	Do.	31-7-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
43.	Gurubaksh Singh (P/456).	Do.	31-7-79	Do.
44.	S.P. Bajpai (P/198).	Do.	31-7-79	Do.
45.	K.K. Nandy (P/85).	Do.	31-7-79	Do.
46.	Anand Swarup Parashan (O/422).	Officiating Accounts Officer	31-7-79	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
47.	Joga Singh (P/446).	Permanent Accounts Officer	31-7-79	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
48.	K. Balachandran Nair (P/122).	Do.	31-7-79	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.
49.	M.L. Mukherjee (P/371).	Do.	31-7-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.
50.	K.K. Basu	Do.	31-8-79	Controller of Defence Accounts, Patna.
51.	Krishan Lal Sawhney (P/396).	Permanent Accounts Officer	31-8-79	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.
52.	Dharam Pal Gajri (P/158).	Do.	31-8-79	Do.
53.	Brig Lal Gaur (P/170).	Do.	31-8-79	Do.
54.	Bidhu Ram Kharwal (P/527).	Do.	31-8-79	Do.
55.	Mohan Singh (P/86).	Do.	31-8-79	Do.
56.	M. Ramdas (P/276).	Do.	31-8-79	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
57.	Y.S. Chitre (P/205).	Do.	31-8-79	Do.
58.	M. Dharmarajan (P/42).	Do.	31-8-79	Controller of Defence Accounts (Officers), Pune.
59.	S.V. Krishnamurthy Sharma (O/82).	Officiating Accounts Officer	31-8-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South, Madras.
60.	Mangal Sain Bhasin (P/440).	Permanent Accounts Officer	31-8-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.
61.	Hari Bhagat Sharma (P/467).	Do.	31-8-79	Do.
62.	A.C. Sen Gupta (P/135).	Do.	31-8-79	Do.
63.	Kusum Kumar Jaitly (P/291).	Do.	31-8-79	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
64.	Tirath Ram Narang (P/398).	Do.	31-8-79	Do.
65.	Vishwa Mittar Handa (P/152).	Do.	31-8-79	Do.
66.	Amrik Singh Chatrath (P/555).	Do.	30-9-79	Do.
67.	Kasturi Lal Verma (P/72).	Do.	30-9-79	Do.

1	2	3	4	5
68.	S.V. Srinivasan (P/10).	Permanent Accounts Officer	30-9-79	Controller of Defence Accounts, Southern Command
69.	T.B. Nair (P/149).	D.	30-9-79	
70.	T. Srinivasan (P/215).	Do.	30-9-79	Do.
71.	S. Rangachari (O/81).	Officiating Accounts Officer	30-9-79	Controller of Defence Accounts, (Officers) Pune.
72.	K. Roy (O/366).	Do.	30-9-79	Controller of Defence Accounts, (Air Force) Dehra Dun.
73.	S.K. Sarkar (O/119).	Do.	30-9-79	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
74.	Narendra Nath Roy (O/32).	Do.	30-9-79	Do.
75.	B.K. Chakravarty (O/137).	Do.	30-9-79	Do.
76.	D.I. Banerjee (P/168).	Permanent Accounts Officer	30-9-79	Do.
77.	Bal Raj (O/335).	Officiating Accounts Officer	30-9-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
78.	Inder Singh Oberoi (P/387).	Permanent Accounts Officer	30-9-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South, Madras.

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officers.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date of Death	Struck Off Strength in the Depart- ment	Orgn.
S/Shri					
1.	G.N. Vaidya (O/215).	Officiating Accounts Officer	23-2-79	24-2-79 (FN)	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
2.	I.V. Sharma (NYA).	Do.	17-4-79	18-4-79 (FN)	Controller of Defence Accounts (Officers), Pune.
3.	R.S. Singh (O/263).	Do.	19-5-79	20-5-79 (FN)	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
4.	Dharam Pal Sharma (P/166).	Permanent Accounts Officer	2-6-79	3-6-79 (FN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
5.	Ganga Ram (O/221).	Officiating Accounts Officer	8-6-79	9-6-79 (FN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
6.	T.R. Ram Ramsubramanian (P/361).	Permanent Accounts Officer	30-8-79	31-8-79 (FN)	Controller of Defence Accounts, Southern, Command, Pune.

S. N. CHATTOPADHYAY
Dy. Controller General of Defence Accounts (Admn)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD
DG OF HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 30th October 1979

No. 18/79/A/E-1(NG).—The DG DF is pleased to promote Shri B. Mondal, Steno, Gr. 'B'/Sr. P.A., as Steno, Gr. 'A'/P.S. (Group 'B' Gazetted) in Soffg capacity, in an existing vacancy, from 24-9-79 until further orders.

The 6th November 1979

No. 19/79/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Soumendra Bhushan Roy, substantive and permanent Assistant, Temporary A.S.O. and Biswa Nath De substantive and permanent Stenographer Gr. II, Temporary A.S.O., retired from service with effect from 31-10-79 (AN).

D. P. CHAKRAVARTI
ADG OF Admn.
for Director General, Ordnance Fys.

Calcutta-700016, the 9th November 1979

No. 54/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. P. Roy Offg. Dy. Manager/Subst. & Perm. Asstt. Manager retired from service w.e.f. 31-7-79 (A.N.).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 1979

No. Admin. 12(3)79.—Sri D. K. Ruij, officiating Supdt. of Accounts has been appointed as Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital, on *ad-hoc* basis with effect from 26-9-79 (F/N).

T. C. K. LOTHIA
Commissioner

**MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)**
**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 12th November 1979

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/1290/79-Adm.(G)/7986.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. S. Rana, Cartographer in Central Ground Water Board (WR) Jaipur, as Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th October, 1979, until further orders.

2. Shri Rana as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

No. 6/1287/79-Admn.(G)/7991.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. Rajan, Junior Engineer in P&T Coaxial Station, Devangere, as Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd October, 1979, until further orders.

2. Shri Rajan as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

The 14th November 1979

No. 6/1130/76-Admn.(G)/8005.—On attaining the age of superannuation, Shri H. D. Shah relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay on the afternoon of the 31st July, 1979.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)**
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th October 1979

No. 7271B/A-19012(3-MS)/79-19B.—Shri M. Satyanarayana, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/ in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-9-79 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th November 1979

No. A. 19012(103)/78-Estt. A.—Shri R. K. Ghonge, Officiating Senior Technical Assistant (Chemistry) (now Assistant Chemist on *ad hoc* basis), is promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in this department on regular basis with effect from 29th October, 1979 (F.N.) until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

**DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO
(CIVIL CONSTRUCTION WING)**

New Delhi-110001; the 7th November 1979

No. A-35018/2/78-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Sh. Y. V. Dhavale

an Asstt. Engineer of CPWD as Assistant Engineer (Civil), Civil Construction Wing, All India Radio, Bombay on deputation in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the afternoon of 31-8-79 for a period of one year in the first instance.

2. The pay and allowances of Shri Dhavale will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E. III/60, dated 4-5-1961 as amended from time to time.

S. RAMASWAMY
Engineer Officer to Ad. CE(C)
for Director General.

**DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi, the 16th November 1979

No. A. 12025/1/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Biswanath Adhikary as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th November, 1979, until further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th November 1979

No. 17-2/74-Admn. I.—Shri J. C. Gupta, relinquished charge of the post of Deputy Director Accounts (Stores) in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the afternoon of the 26th September, 1979.

No. A. 12025/24/78(HQ)Admn. I.—The President is pleased to appoint Dr. S. R. Gupta to the post of Biochemist in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27th October, 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&N)

CENTRAL WATER & POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 22nd August 1979

No. 629/22/79-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) (Gazetted), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints the following Research Assistants (Engineering) to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity with effect from the dates shown against each.

	Date of taking over
1. Shri R. M. Sinnarkar	3-8-79 (FN)
2. Shri V. M. Wakalkar	4-8-79 (FN)
3. Shri R. D. Kulkarni	3-8-79 (FN)
4. Shri S. N. Gavali	6-8-79 (FN)
5. Shri S. R. Vhatkar	3-8-79 (FN)
6. Shri A. F. Shevare	4-8-79 (FN)

The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water & Power Research Station, Pune, for a period of two years with effect from the date shown against each.

The 15th November 1979

No. 608/161/79-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune hereby appoints Shri V. M. Bapaye to the post of Asstt. Research Officer (Engg.) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 9-8-1979.

Shri V. M. Bapaye will be on probation for a period of two years with effect from 9-8-79.

No. 608/162/79-Adm.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), the Director, Central Water & Power Research Station, Pune, hereby appoints Shri B. S. Motwani to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Pune in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 31st August, 1979.

Shri B. S. Motwani will be on probation for a period of two years w.e.f. from 31-8-79.

DR. S. P. CHADHA
Chief Research Officer (II)
I/c Administration
for Director

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 16th November 1979

No. A-19023/48/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Kanpur, Shri G. S. Kashiyा handed over charge of the post of Marketing Officer (Group II) at Nagpur in the afternoon of 23-7-1979.

B. L. MANIHAR
Drector of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Faridabad, the 19th November 1979

No. A-31014/3/78-A.I (Vol.III).—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India is pleased to appoint Shri Santari Prasad substantively to the permanent post of Marketing Officer (Group III) in the Dte. of Marketing & Inspection w.e.f. 19-8-1978.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration.

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 8th November 1979

No. PPED/3(236)/79-Adm./1217/1999.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers-Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the dates shown against their names until further orders :—

Sl. No.	Name	Present Grade	Date of effect
1.	Shri C.S. Vaidya	Draughtsman 'C' (Quasi-Permanent).	2-8-79
2.	Shri B.D. Ganda	Scientific Assistant 'C' (Quasi-permanent)	1-8-79
3.	Shri M.R. Patnaik	Scientific Assistant 'C' (Quasi-permanent)	1-8-79
4.	Shri R.V. Shetty	Scientific Assistant 'C' (Quasi-permanent)	1-8-79

B. V. THATTE
Administrative Officer

**DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES
MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT**

Madras-600006, the 29th October 1979

No. MRPU/200(9)/79/Adm.—In continuation of this Office notification No. MRPU/200(9)/78/Adm. dated 19-8-79 the officiating appointment of Shri N. Rajagopalan was extended from 1-9-1978 to 29-7-1979 A.N. Shri N. Rajagopalan relinquished charge of the post of Assistant Purchase Officer on 29-7-1979 A.N.

S. RANGACHARY,
Purchase Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102 the 22nd October 1979

No. A. 32013/8/79/R.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following officials of this Centre as Scientific Officers/Engineers Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 until further orders.

Sl. No.	Name	Present Grade	Date of appoint- ment on promo- tion
1.	Shri S. Dhanpal	Quasi Permanent Draughtsman 'C'	1-8-79
2.	Shri V. Venugopal	Temporary Scientific Asst. 'C'	1-8-79
3.	Shri S. Sankaran	Temporary Foreman.	1-8-79
4.	Shri S. Nathamuni	Temporary Foreman.	1-8-79
5.	Shri A. Subash Chandra Bose	Temporary Foreman.	1-8-79
6.	Shri V. Pavanaram	Temporary Foreman.	1-8-79
7.	Shri A.K. Chandran	Temporary Foreman.	2-8-79

T. S. V. Aiyar,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th November 1979

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following five Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Station of Posting	Station to which Posted	Date of taking over charge
S/Shri				
1.	K.C. Sharma	Aero. Comm. Stn, Palam	Radio Stores Depot, New Delhi	6-9-79 (F.N.)
2.	J.R. Sharma	Aero. Comm. Stn, Ahmedabad	Aero. Comm. Stn, Porbander	27-9-79 (F.N.)
3.	K.T. John	Aero. Comm. Stn, Hyderabad	Aero. Comm. Stn, Hyderabad	4-10-79 (F.N.)
4.	Jaswant Singh	Aero. Comm. Stn, Bombay	Aero. Comm. Stn, Bombay	4-10-79 (F.N.)
5.	K.S. Mukherjee	Aero. Comm. Stn, Port Blair	Aero. Comm. Stn, Calcutta	6-10-79 (F.N.)

H. L. KOHLI
Director of Administration

New Delhi, the 14th November 1979

No. A. 32013/5/78-EC.—In continuation of the Department Notification No. A.32013/5/78-EC dated 30-11-78, the

President is pleased to sanction the continuance of *ad-hoc* appointment of Shri R. P. Sharma, as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Department beyond 30-8-79 and upto 12-10-79.

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on *ad-hoc* basis w.e.f. the date and station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	taking over charge on
1.	Shri K. Ramanathan	Aero. Comm. Stn, Palam	Aero Comm. Station, Palam	25-10-79 (F.N.)
2.	Shri D.P. Krishnaswamy	Aero. Comm. Stn, Tarakeswar	Aero. Comm. Stn, Calcutta	12-10-79 (F.N.)

The 15th November 1979

No. A-32012/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Sh. M. C. Mahay as Administrative Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the forenoon of the 3rd November, 1979 and until further orders in the office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

R. N. DAS,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 14th November 1979

No. A-32013/7/78-HL.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Majumdar, Deputy Director to the post of Director, Radio Construction & Development Units on *ad-hoc* basis beyond 30-8-1979 and upto 31-12-1979 or till regular appointment to the post is made, whichever is earlier, in continuation of this office Notification No. A-32013/7/78-EI, dated 24-11-1978.

C. K. VATSA,
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th November 1979

No. 12/4/78-EST.—The following officiating/temporary Assistant Engineers are appointed as Assistant Engineer in a substantive capacity with effect from the date indicated against each under Col. 3 :—

Sr. No.	Name	Date from which appointed in a substantive capacity in the post
1	2	3
1.	Shri Rajan Pal Singh	19-7-75
2.	Shri Y. Sreeramamurthy	20-7-75

The 15th November 1979

No. 15/109/76-Ests-I(i)—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following Research Assistants Grade I to the posts and from the dates mentioned against each on temporary basis, until further orders :—

Name	Post	Date
1. Shri P.P. Bhola	Research Officer, F.R.I. & Colleges	15-11-79 (A.N.)
2. Shri P.C. Pandey	Research Officer F.R.I. & Colleges	22-10-79 (F.N.)
3. Dr. S.C. Mishra	Research Officer, F.R.I. & Colleges	22-10-79 (F.N.)
4. Shri V.N. Tandon	Research Officer, F.R.I. & Colleges	22-10-79 (F.N.)
5. Shri A.K. Ananthanarayana	Research Officer, F.R.L. Bangalore	26-10-79 (F.N.)
6. Shri C.R. Rengeswamy	Research Officer, Sandal Research Centre, Bangalore	26-10-79 (F.N.)
7. Smt. B.S. Kamala	Research Officer, F.R.L., Bangalore	26-10-79 (F.N.)

Their appointment as Research Officer will be on probation for two years.

1	2	3
3. Shri Devinder Singh	.	21-7-75
4. Shri V.N.B. Khare	.	22-7-75
5. Shri C.R. Chhabra	.	23-7-75
6. Shri K. Ramachandran	.	24-7-75
7. Shri N.C. Roy	.	25-7-75
8. Shri R.P. Iyer	.	26-7-75
9. Shri A.K. Malik	.	27-7-75
10. Shri A.G.R. Iyengar	.	1-3-76
11. Shri D.S. Saxena	.	29-4-76
12. Shri K.N. Sharma	.	8-8-76
13. Shri S.K. Sharma	.	11-3-77
14. Shri G. Mohan Rao	.	5-5-77
15. Shri T.R. Kapur	.	24-6-77
16. Shri K.P. Verma	.	1-11-77
17. Shri R.J. Pol	.	5-3-78

S. SREENIVASACHAR,
Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 13th November 1979

No. 16/257/76-Ests-I.—The resignation tendered by Dr. Ramesh Chandra Setia from his appointment as Research Officer has been accepted by the President, Forest Research Institute and Colleges, with effect from the afternoon of 31st Junly, 1978.

The 14th November 1979

No. 16/334/79-Ests-I.—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri T. Krishnamurthy as Research Officer under the Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soil-cum-Vegetation Survey)" at its regional centre at Coimbatore under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun w.e.f. the afternoon of 15th October, 1979 until further orders.

No. 15/109/76-Ests-I(ii).—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint the following Research Officers working on *ad-hoc* basis as Research Officer on regular basis with effect from 22nd October, 1979 on a temporary basis, until further orders:—

1. Shri H. S. Gahlot.
2. Shri B. B. Gupta.
3. Shri K. K. Sharma.
4. Shri R. C. Gaur.
5. Shri Shiv Prasad.
6. Shri D. C. Chaudhuri.
7. Shri Krishan Lal.
8. Shri R. S. Arya.

They will be on probation for two years with effect from 22-10-1979.

No. 15/109/76-Ests-I.(iii).—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has reverted the following persons with effect from 22-10-79 forenoon to their original posts held by them immediately before their appointment as Research Officer on *ad-hoc* basis:—

1. Shri P. S. Payal.
2. Shri Adarsh Kumar.

3. Shri K. C. Badola.
4. Shri C. R. Sharma.
5. Shri R. D. Tandon.
6. Shri D. K. Jain.
7. Shri D. D. S. Negi.
8. Shri P. P. Jain.
9. Shri R. C. Mittal.
10. Shri V. K. Jain.
11. Shri K. K. Kalra.
12. Shri H. S. Ananthapadmanabha.
13. Shri S. R. Madhvan Pillai.

The 17th November 1979

No. 16/322/79-Ests-L.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Anil Kumar Mukhi, as Research Officer under the Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soil-cum-Vegetation Survey)" at its regional centre at Coimbatore, under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 27th September, 1979, until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv
Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

II MADRAS CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Madras-600034, the 14th November 1979

In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (seventh amendment) Rules, 1976, which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows:—

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of the act contravened.	The amount of penalty imposed.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
STATEMENT-I				
1.	Shri R. Nagarajan, S/o, K.V. Rangasamy Mudaliar.	L 5 No. 29/71, Chittode Post, Bhavani Taluk, Coimbatore Dist.	Section 9(1)(b)(bb) of the Central Excise and Salt Act, 1944.	Rs. 1,750/- fine imposed by Court.

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATION

NIL

STATEMENT-II

Sl. No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened	The Account of penalty imposed.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	C. Namperumal Gounder, L. 5 No. 17/67.	No. 13, Mohamediar Street, Mettur.	Rule 151 of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 2000/-, Convicted on 2 counts. (9)(1)(b), 9(1)(bb) of C. Ex. Act, 1944 imposing a penalty of Rs. 1000/- in default R.I. for 3 months.
2.	A. Gopal, L. 5 No. 18/77.	Karungalpatty 3rd Road, Salem.	151 (c), 160 of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 2000/-, Penalty Rs. 1000/- in default 2 months R.I. under 2 counts viz., 9(1) (b) and 9(1) (bb).
3.	M/s. Santhosh Kumar Industries.	L. 4 No. 143/PDP/72, Coimbatore.	Sec. 9 of C. Ex. Act, 1944	Fine Rs. 1000/- imposed.
4.	V. Manickam, S/o Varada Gounder.	Saner Street, Chittode, Bhavani Taluk, Coimbatore Dist.	Rule 32(1) of CE. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- imposed. Fine in lieu of confiscation imposed Rs. 1000/-, Convicted to undergo Imprisonment till rising of the court and to pay a fine of Rs. 300/-.
5.	V. Ramasamy, S/o. Velu Naicker, L. 5 No. 8/73.	Modachur, Gobi Taluk.	Rule 151 (c) of CE. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- imposed. Convicted to suffer R.I. for 9 months.
6.	G. Perumal Reddiar, S/o. Gongu Reddiar.	L.5 No. 2/67, Kemmiampatty (Via) Anthiyur, Bhavani Taluk.	Rule 151 (c) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/-, imposed Convicted to undergo Imprisonment till rising of the Court and a fine of Rs. 500/-.

1	2	3	4	5
7.	M. Krishnaasamy Gounder, L. 5 No. 11/68, S/o. Marappa Gounder.	Chittode.	Rule 151 (c) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- Convicted to pay a fine of Rs. 500/-.
8.	S.T. Muthusamy, L. 5 No. 19/66.	Sedapalayam, Kundadam.	Rule 151 (c) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- Convicted to pay a fine of Rs. 500/-.
9.	R. Kaliappa Gounder, L. 5 No. 348/64, S/o. Rokkia Gounder.	Perundural, Erode Taluk.	Rule 151 (c) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 2000/- Convicted to pay a fine of Rs. 500/-.
10.	Do.	Do.	Do.	Penalty Rs. 250/- Fine in lieu of confiscation Rs. 250/- Convicted to pay a fine of Rs. 500/-.
11.	P.A. Jaganathan, S/o. Arumugam.	L. 2 No. 112/68, Chittode.	Rule 32(1) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- Convicted to pay a fine of Rs. 500/-.
12.	P. Karuppusamy, S/o. Pongiappa Gounder.	Desampalayam, P. Puliampatty, Gobi Taluk.	Rule 32(1) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- Fine in lieu of confiscation Rs. 1250/- Convicted to pay a fine of Rs. 1000/-.
13.	P. Nachimuthu, S/o. Perumal Gounder, L. 5 No. 4/74, Tobacco Merchant.	Chittode, Bhavani Taluk.	Rule 151 (c) of C. Ex. Rules, 1944.	Penalty Rs. 250/- Fine in lieu of confiscation Rs. 250/- Convicted to suffer R.I. for 9 months.

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS**NIL**

In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (seventh amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows :—

Statement III

Sl. No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened.	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri P. Mahadevan .	P.M.G. Industries Coimbatore.	Section 9(1)(b) 9(1)(bb) of C. Ex. Act. 1944.	Fine Rs. 2000/- imposed.
2.	Shri R. Natarajan .	Vijay Electrical Coimbatore.	Do.	Fine Rs. 750/- imposed.

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATION**NIL**

M.G. VAIDYA
Collector of Central Excise Madras

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 3rd November 1979

No. 6/2/79-ADM.II.—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri B. K. Ghosh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from 15-9-79 until further orders.

The 6th November 1979

No. 6/2/79-ADM. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints undermentioned Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names until further orders :—

1. Shri Parmanand—11-9-79.
2. Shri J. S. Dua—11-9-79.

The 12th November 1979

No. 6/8/79-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri G. P. Anand, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in *absentia* in an officiating capacity with effect from 27-1-78 until further orders.

The 13th November 1979

No. 6/2/79-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints undermentioned supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Gr. 'B') Service in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names until further orders :—

1. Shri K. C. Batra—20-9-79.
2. Shri D. P. Rathee—22-9-79.

S. BISWAS
Under Secy.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)****COMPANY LAW BOARD**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Coromandal Coastal Mining Company Private Limited*

Hyderabad, the 8th November 1979

No. 519(560).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Coromandal Coastal Mining Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Nava Bharat Cables Private Limited*

Hyderabad, the 8th November 1979

No. 231339/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the M/s. Nava Bharat Cables Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Balajee Cargo Movers Private Limited*

Bangalore-56009, the 14th November 1979

No. 3184/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Balajee Cargo Movers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rao Bahadur S. V. Govindarajan Brothers & Company
Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 14th November 1979

No. 563/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rao Bahadur S. V. Govindarajan Brothers & Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kay Sales Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 14th November 1979

No. 1665/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kay Sales Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vijayanagar Mine Owner's Association Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 14th November 1979

No. 1435/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vijayanagar Mine Owner's Association Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Coorg Evergreen Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 14th November 1979

No. 2301/560/19.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Coorg Evergreen Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Inter State Finance Private Limited.*

Jullundur, the 15th November 1979

No. G/Stat/560/7912.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Inter State Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

-356GI/79

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Blue Bird Financiers Private Limited.*

Jullundur, the 15th November 1979

No. G/Stat/560/7914.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Blue Bird Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ranchi Breweries Private Limited*

New Delhi, the 15th November 1979

No. 6664/19782.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ranchi Breweries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Hayvana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Styro Films Limited*

Madras-6, the 16th November 1979

No. DN/6652/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Styro Films Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Y. SATYANARAYANA
Assistant Registrar of Companies
Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Burmah Shell Pensions Trust Private Limited*

Bombay, the 16th November 1979

No. 15414/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Burmah Shell Pensions Trust Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bekav Wood Products Private Limited.*

Bombay, the 16th November 1979

No. 13865/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bekav Wood Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. L. MEENA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Miranda Agro Industries Research Private Limited*

Bombay, the 16th November 1979

No. 18070/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Miranda Agro Industries Research

Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Wadhi Brothers Private Limited.*

Bombay, the 16th November 1979

No. I2840/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Wadhi Brothers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Kuppuswamy Transports Private Limited.*

Madras, the 17th November 1979

No. DN/4786/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Kuppuswamy Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. T. LEGGIRE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 9th November 1979

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/I/79-80/27434.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 9-11-1979.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-I-E, New Delhi.

No. JUR-DLI/II/79-80/27575.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 9-11-1979.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-II-H, New Delhi.

No. JUR-DLI/IV/79-80/27851.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Ranges shall be created with effect from 9-11-1979.

1. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-III-G, New Delhi.
2. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range IV-F, New Delhi.

M. W. A. KHAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-II, Delhi-IV & New Delhi

New Delhi, the 9th November 1979

No. JUR-DLI/III/79-80/27716.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi III, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 9-11-79.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-IV-G, New Delhi.

S. G. JAISINGHANI
Commissioner of Income-tax
Delhi-III, New Delhi

New Delhi, the 8th November 1979

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/V/79-80/27170.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the notification No. JUR-DLI/V/79-80/25954 dated 29-10-79 be treated as cancelled w.e.f. 8-11-1979.

The 9th November 1979

No. JUR-DLI/V/79-80/27999.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 9-11-79.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range V-F, New Delhi.

The 14th November 1979

No. JUR-DLI/V/79-80/28758.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of section 124 of I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi, hereby directs that the I.T.O. Disrtt. IV (4) New Delhi shall have concurrent jurisdiction with Income-tax Officer, Distt. II (6) New Delhi in respect of the persons/entities assessed/assessable by ITO IV(6), New Delhi where the names commence with alphabet 'S' excepting the cases assigned u/s. 127 or which may hereafter be assigned to ITO IV(6) New Delhi.

For the purpose of facilitating the performance of the functions C.U.T. Delhi-V also authorises the I.A.C. Range-V-C to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of section 124 of the I.T. Act 1961.

This notification shall take effect from 15-11-1979.

K. R. RAGHAVAN
Commissioner of Income-tax
Delhi-V, New Delhi

FORM IIN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE TATARA ROAD,
PUNE-411 009.

Poona, the 13th November 1979

Ref. No. IAC/CA-5/SRA 'Nagar/Aug.79/458.—Whereas, I, A. C. CHANDRA, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 3576, Mun. H. No. 3649, situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmednagar on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) The Ahmednagar Imarat Company Ltd;
President : Shri S. R. Tamboli.
Chairman : Shri M. M. Soni, Ahmednagar.
(Transferor)
- (2) Shri Kandkmal Maganmal Gandhi,
At Miri, Tal. Pathardi, Dist. Ahmednagar.
(Transferee)
- (3) M/s M. R. Bhingarwala,
Cloth Market, Ahmednagar.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property situated at C.S. No. 3576/1, Ahmednagar City, Area : 66.3 sq. mt.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1676 dated 24-8-79 in the office of the sub-registrar, Ahmednagar).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chander Sethi S/o Shri Tara Chand
R/o 84, Sunder Nagar New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/425.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10578, situated at Padam Singh Road, WEA Karol Bagh New Delhi Illaqa No. 16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 8-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Atam Parkash S/o Pt. Chirnji Lal R/o 1088, Kucha Natwan, Chandni Chowk Delhi.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said immovable property, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two and a half storeyed building bearing No. 10578, Illaqa No. 16 measuring 269 sq. yds. situated at Padam Singh Road, W.E.A. Karol Bagh New Delhi-110005.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramji Das Dua S/o Shri Naubat, Rai R/o F-7/5, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhajan Singh S/o Amar Singh R/o F-7/7, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/426.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-7/5, situated at Malviya Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property No. F-7/5, area 125.88 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Dina Nath Gandhi, Ram Narain Gandhi & Om Prakash Gandhi S/o L. Parma Nand Gandhi R/o E-27, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFT ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 90/84A area 100 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Suman Bhandari & Raman Bhandari sons of Shri Uggar Sain Bhandari R/o 1000, Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
(2) Smt. Ajit Kaur W/o S. Sadhu Singh R/o 12/2390, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/428.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11946, situated at Western Extension Area, Karol Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 11946 Plot No. 58, Block No. 3-A, measuring 77 sq. yds. situated in Western Extension Area Karol Bagh, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS(1) **Khem Chand S/o Khushi Ram Sector 23, 2315, Chandigarh.**

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) **Shri Ramji Dass & Smt. Parbati Devi, H-5/14, Malviya Nagar New Delhi.**

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/429.—Whereas I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-5/14, situated at Malviya Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Property No. H-5/14, (H-5/14) area 100 sq. yds. Malviya Nagar New Delhi.

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC-Acq-III/11-79/430.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-11/2 situated at Malviya Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gidu Mal S/o Uttam Chand R/o 7/9, Railway Colony, Daya Basti, Delhi through Special attorney S. N. Bansal S/o J. N. Bansal R/o G-11/2, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raksha Rani Bansal W/o S. D. Bansal R/o G-11/2, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. G-11/2, area 126 sq. yds. situated at Malviya Nagar New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—356GI/79

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa Vohra D/o Chunilal Dhawan W/o Sh. Dina Nath Vohra R/o House No. 31, Mall Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/431.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil/43B situated at Malviya Nagar, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 31-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Moti Ram S/o Sh. Deo Mal & Sh. Lachhman Doss S/o Sh. Deo Mal R/o 16, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. Nil/43B situated at Malviya Nagar, New Delhi-11007, admeasuring 100 sq. yds. and bounded as under :—

East : Service Lane
 West : Road
 North : Qr. No. Nil/43A.
 South : Qr. No. Nil/44.

D. P. GOYAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Shiv Lal S/o Sunder Lal attorney for Shri Munshi Singh S/o Dharam Singh R/o F-3/5, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Bhagwanti W/o Shiv Lal R/o F-3/13, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/432.—Whereas J. D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-3/12 situated at Malviya Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property No. F-3/12 area 128 sq. yds. situated at Malviya Nagar New Delhi and bounded as under :—

North : Road.
South : Plot No. F-3/11.
East : Road.
West : Service Lane.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79-433.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-7/6-7, situated at Malviya Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Gurcharan Singh S/o Gurdit Singh R/o D-86, Malviya Nagar New Delhi through Shri Chanan Ram Gupta S/o Shri Maghar Mal R/o H-7/6, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Desh Bandhu and Narinder Kumar sons of Chanan Ram Gupta R/o H-7/6, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. H-7/6-7 area 1777.50 sq. fts. (197.50 sq. yds) situated at Malviya Nagar, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/434.—Whereas I, D. P.

GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

No. Plot No. 10 Block A, situated at Green Park Extension,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi, on 19-3-1979,
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ishwar Chand Gupta S/o Ram Chander Gupta
R/o A-11, Greater Kailash Enclave-II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ajit Prashad Jain S/o Jyoti Prashad Jain R/o
2559, Dharampura Delhi-110006.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A one and a half storeyed residential house built on a free hold residential plot of land bearing No. 10 block No. A measuring 355.5 sq. yds (297.28 sq. mts.) situated in Green Park Extension New Delhi and bounded as under :—

East : House No. A/14 and A-15(Part).
West : Road.
North : House No. A-9.
South : House No. A-11.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mohinder Kaur W/o Pritam Singh C/o Jullundur Pipe Fitting Co., Chowk Bhagat Singh, Jullundur City-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/435.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-4/6 situated at Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ramesh Chander & Yoginder Prakash sons of Shri Wasti Ram R/o H. No. 9317 Gali No. 7, Mullanji Dhanda Paharganj New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-4/6, Rajouri Garden New Delhi with the freehold land measuring 206 sq. yds. under the said house area falling within the village Tatarpur, Delhi bounded as under :—

North : Open land.
South : Road.
East : Property No. J-4/5.
West : Property No. J-4/7.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/436.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-2, situated at Green Park New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Edith Nath Berry W/o Late Shri Nath Berry through her general attorney Sh. A. J. Levi R/o H-2, Green Park New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri K. K. Chadha S/o Late Sh. Sukh Raj Chadha R/o 11, Park Area, Karol Bagh New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house bearing Plot No. 2 Block H built on land measuring 200 sq. yds. situated in the colony known as Green Park area of village Khera Delhi State Delhi bounded as under :—

North : Road.
South : Service Lane.
East : Plot No. 1, Block H now known as Plot No. 16 Block F of Green Park.
West : Plot No. 3 Block H.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date . 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Lalit Kumar S/o R. K. Nanda R/o, J-10/49,
Rajouri Garden New Delhi,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bimla Rani W/o Kailash Chand, R/o 3/3,
Jaidev Park New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFT ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/437.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. Plot No. 10 on Road No. 66 situated at Punjabi Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House on plot No. 10 on Road No. 66 area 279.55 sq. yds. situated at Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/438.—Whereas I. D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 94 situated at Village Matiala, P. O. Uttam Nagar Najafgarh Road, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on 21-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Suman Kapahi S/o Shiv Kumar Papahi R/o 5/12, Punjabi Bagh Extn. New Delhi as eGn. Att. of Mir Singh.

(Transferor)

(2) M/s Delux Enterprises, 94, Matiala Delhi, State Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 825 sq. yds. with one and a half storeyed building thereon situated at No. 94, Village Matiala, P. O. Uttam Nagar, Najafgarh Road, New Delhi bounded as under :—

East : Property of M/s A. K. Industries.

West : Land of Shri Mir Singh.

North : Road.

South : Land of Sher Singh & Others.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22-356G1/79

FORM ITNS(1) Shri Gurbaksh Singh S/o Major S. Kartar Singh
R/o 57-B, Central Avenue Calcutta-72.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFAI ALI ROAD, NEW DELHI-110002(2) Shri Harnam Singh S/o S. Jeet Singh R/o 5/71,
Punjabi Bagh New Delhi-26.

(Transferee)

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/439.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 30 Road No. 56 situated at Punjabi Bagh New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 on Road No. 56 in Class C, measuring 555.55 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, area Village Madipur Delhi State Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hazara Singh S/o Jagat Singh Mahel R/o J-5/24, Rajouri Garden New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri D. K. Sahni R/o J-5/109, Rajouri Garden New Delhi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/11-79/440. —Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. J-5/24, situated at Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on freehold plot of land bearing plot No. 24, Block No. J-5, measuring 160 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden New Delhi bounded as under :—

East : Lawn.
West : Road.
North : Plot No. J-5/23.
South : Plot No. J-5/25.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Prithpal Singh S/o Late Sardar Dhian Singh of 62, North Avenue Road, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh s/o late Sardar Dhian Singh of 62, North Avenue Road, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAIF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/441.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/2 of No. 62 situated at North Avenue Road, Punjabi Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided half portion of property bearing No. 62, North Avenue Road, situated in Punjabi Bagh New Delhi measuring 277.78 sq. yds.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri (1) J. R. Singh S/o late Dewan Mulakh Raj R/o C-64, Panchsheel Enclave New Delhi (2) Smt. Raj Sethi D/o Late Dewan Mulakh Raj R/o C-2/23, New Rohtak Road N. Delhi (3) Smt. Ushu Singh W/o Late Apat Raj Singh, D-608, Curzon Road Hostal N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Sachdeva S/o Late Jagan Nath R/o 4/44, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/442.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 of Plot No. 18 Road No. 71 situated at Punjabi Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

'THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half portion of plot No. 18 on Road No. 71, measuring 548.33 sq. yds situated at Punjabi Bagh, area of village Madipur, Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Kamal Chhabra W/o Sh. Anil Raj Singh & Smt. Nirmal Kumari W/o Sh. Dev Raj Singh R/o 168, Mount Road, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kaur W/o Sh. Ajeet Singh R/o 21/43, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. JAC/Acq-III/11-79/443.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/3 of Plot No. 18 Road No. 71 situated at Punjabi Bagh New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share of plot bearing No. 18 on Road No. 71 measuring 365.55 sq. yds. situated at Punjabi Bagh area of village Madipur, Delhi State Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Krishna Kumari W/o Late Shri Prithvi Raj
R/o C-64, Panchsheel Enclave New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.

4/14A, ASAFAI ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/444.—Whereas I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6 of Plot No. 18 Road No. 71 situated at Punjabi Bagh New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Swaran Kaur W/o S. Ajeet Singh R/o 21/43, Punjabi Bagh New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of plot No. 18 on Road No. 71 measuring 182.78 sq. yds. situated at Punjabi Bagh area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Shanno Devi Wd/o Sh. Kanwar Bhan Kalra
R/o RA-19, Inderpuri Delhi,
(Transferor)
- (2) Shri Hardeep Singh Wadhwa s/o Iqbal Singh
Wadhwa R/o XVI/1325 Gali No. 19, Naiwala
Kuol Bagh New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/11-79/445.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RA-19, situated at Inderpuri Colony area of village Naraina Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property No. RA-19, measuring 200 sq. yds., Single Storeyed built in Inderpuri Colony area of village Naraina Delhi State, Delhi bounded as under:—

East : Property No. RA-18.
West : Road.
North : Road.
South : Lane.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. C. Goulatia S/o Sh. Dewan Chand, R/o 59-61, Shankar Market, Con. Circus New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harbhajan Singh S/o S. Gurdit Singh & Sukhbir Singh S/o Harbhajan Singh R/o, 8227, Gali No. 6, Multani Dhanda, Paharganj Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/11-79/446.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of plot No. 22 Road No. 56 situated at Punjabi Bagh New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-5-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

1/2 acre of free hold plot of land bearing plot No. 22 on Road No. 56 measuring 330.32 sq. yds. (Total 660.64 sq. yds) situated in the colony known as Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State, Delhi, bounded as under :—

North : Road No. 56.
South : Service Lane
East : Kothi On Plot No. 20/56.
West : Road No. 67.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—356GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002.

New Delhi, the 8th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/11-79/447.—Whereas I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of plot No. 22 Road No. 56 situated at Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. C. Goulatia S/o Sh. Dewan Chand R/o 59-61, Central Market (Shankar Market) Con. Circus, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Harbhajan Singh Chopra and Smt. Harbhajan Kaur R/o 8227, Gali No. 6, Multani Dhanda Paharganj New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 on Road No. 56 measuring 330.32 sq. yds. (total area 660.64 sq. yds) situated in the colony known as Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Road No. 56.
South : Service Lane.
East : Kathi On Plot No. 20/56.
West : Road.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 8-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 14th November 1979

Ref. No. RAC. No. 272/79-80.—Whereas I,
R. B. L. AGGRAWAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
1164 Ward No. VII situated at Gali Samosan, Frash
Khana, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Delhi on 5-3-1979,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Lachhmi Bai alias Smt. Laxmi Bai Wd/o Sh.
Hukam Chand Mutreja R/o No. 1164, Gali Samo-
san Frash Khana Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Kailash Chand 2. Ghansham Dass ss/o Rattan
Lal R/o 219, Gali Kandle Kashan Fatchpuri Delhi
3. Kanwal Kishore S/o Rattan Lal R/o 6253
Kucha Shiv Mandir, Gali Batashan Khari Baoli
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One house 2½ storeyed, bearing Municipal Corporation
No. 1164 Ward No. VII built at free hold land measuring
120 sq. yds. situated in Gali Samosan, Frash Khana, Delhi,
bounded as under :—

East : House No. VII/130.
West : Gali.
North : Masjid.
South : Gali.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 14-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ganga Ram S/o Chhelu Ram of Cheap Silk Store, Ajmal Khan Road, Karol Bagh New Delhi.
(Transferor)
- (2) M. C. Oberoi S/o Bishan Dass of B-3/14, Rajouri Garden New Delhi and Sh. Krishan Lal S/o Madan Lal A-43, Rajouri Garden New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 14th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/3-79/5028.—Whereas I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-137 situated at Kirti Nagar New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. J-137 measuring 250 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar and area of village Bassai Darapur Delhi State, Delhi bounded as under :—

North : Road.
South : Service Lane and Park.
East : Road.
West : House on Plot No. J-136.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.**

New Delhi, the 14th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/3-79/5097/3798.—Whereas I,

R. B. L. AGGRAWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 142 situated at Raja Garden Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Baldev Kumar Chaudhary S/o Jagdish Lal R/o N-45, Kirti Nagar New Delhi at present Ireland through his general attorney Smt. Kumud Lata Gupta W/o Ramesh Kumar Gupta R/o 142, Raja Garden New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Gupta S/o Rakha Ram Gupta R/o 142, Raja Garden New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on Plot No. 142 measuring 220½ sq. yds. situated in the colony known as Raja Garden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi bounded as under :—

North : Plot No. 141,

South : Road.

East : Road.

West : Plot No. 135.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 14-11-1979.

Seal :

FORM II NS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 14th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/3-79/4973.—Whereas I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-45, situated at Rajouri Garden New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manmohan Bharia & Inder Mohan Bharia sons of Sh. Mukund Lal Bharia R/o 25/60, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

(2) Gurucharan Singh S/o Sardar Singh R/o S-31, Rajouri Garden New Delhi (2) Satya Bhushan & (3) Subhash Chandra Sons of Devki Nandan R/o F-3, Rattan Park New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45 in Block J, Measuring 243 sq. yds. at Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi, bounded as under :—

North : Plot No. J-46.
South : Plot No. J-44.
East : Road.
West : Plot No. J-86.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 14-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 16th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-II/3-79/1014/5014.—Whereas I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-149, situated at Rajouri Garden New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sardarni Inder Kaur W/o S. Attar Singh Oberoi R/o Z-13, Rajouri Garden New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Chhabra & Surinder, Kumar Chhabra S/o Khem Chand R/o H. No. 948, Tilak Gali Kashmere Gate Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 149 in Block J measuring 300 sq. yds. situated in the residential colony known as Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi bounded as under :—

North : Plot No. —/148.
South : Plot No. J/149A.
East : Road.
West : Plot No. J/167.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 16-11-1979.

Seal:

FORM ITNS(1) Sardar Sumer Singh & Mahendra Prakash
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Nafees Abbasi & Mohd. Hafeez Abbasi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As in Form 37G—Vendors.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG
LUCKNOW.

Lucknow, the 5th September 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 105-M/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and property on Khasra, bearing No. 2592/2 Amroha situated at Amroha, Moradabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amroha Dist. Moradabad on 19-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Cinema Hall on a land measuring 0.47 decimal Bhumi-dhari Khasra No. 2594/2 including machinery part, furniture and fittings, land building etc, situate at Kasba Amroha, Dist. Moradabad (inside 'CHUNGT') and all that description of the property which is mentioned in form 37G—No. 1075/79 and sale deed duly registered at the office of the Sub Registrar, Amroha, Dist. Moradabad on 12-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sahu Nirankar Saran.

(2) Subodh Kumar Gupta.

(Transferor)

(3) Sahu Nirankar Saran.

(Person in occupation of the property).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG
LUCKNOW.**

Lucknow, the 14th September 1979

Ref. No. 179-S/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one shop including building & land situated at Mohalla Bazar Mistonganj, P.N.B. Road, Rampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rampur on 29-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One shop including building & land etc. situate at Mohalla Mistonganj, Punjab National Bank Road, Rampur, and all that description of the property which is mentioned in Form 27G No. 894 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Rampur on 29-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 14-9-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

4-356GI/79

FORM ITNS

(1) Prof E. Ahmad Shah.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG
LUCKNOW.**

Lucknow, the 14th September 1979

Ref. No. 39-G/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 498/179 situated at Faizabad Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 6-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Gian Devi & M/s Arora Cottage Pvt. Ltd.
(Transferee)

(3) Vendees.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A bungalow No. 498/179 situate at Faizabad Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 1218/79 and sale deed duly registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on 6-2-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 14-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Gaya Pd. Kesarwani
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Vishnu Mittal;
2. Arvind Agarwal;
3. Smt. Sneh Lata Agarwal;
4. Smt. Manju Agarwal.

(Transferee)

- (3) Shri Gaya Prasad Kesarwani.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG
LUCKNOW.

Lucknow, the 11th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 41-V/Acq.—Whereas I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 986-B, Daryabad, Allahabad situated on Plot No. 165 South Housing Scheme Part II, Daryabad, Allahabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 30-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

One-storeyed house No. 986-B located at Plot No. 165 South Housing Scheme Part II of Nagarmahapalika situate at Daryabad, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 1241 and sale deed duly registered at the office of the Sub Registrar, Allahabad on 30-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 14-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG
LUCKNOW.**

Lucknow, the 18th September 1979

Ref. No. 106-M/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Mohalla Bagh Khrni, Shahjehanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahjehanpur on 30-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Narain Shanglu.

(Transferor)

(2) Smt. Dr. Madanjeet Singh.

(3) Shri J. N. Shunglu.

(Person in occupation of the property)
(Transferee)

(4) Shri J. N. Shunglu.

(Person whom the undersigned to be included in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including land etc. area about 200 Sq. Yds. situate at Mohalla Bagh Khrni, Shahjehanpur and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37G No. 928/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Shahjehanpur on 30-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 18-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
57-RAMTIRTH MARG
LUCKNOW.

Lucknow, the 18th September 1979

Ref. No. 106-M/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Mohalla Bagh Khrni, Shahjehanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahjehanpur on 30-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Narain Shanglu.

(Transferor)

(2) Smt. Dr. Madanjeet Singh.

(3) Shri J. N. Shanglu.

(Person in occupation of the property)
(Transferee)

(4) Shri J. N. Shanglu.

(Person whom the undersigned to be included in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

One house including land etc. area about 200 Sq. Yds. situate at Mohalla Bagh Khrni, Shahjehanpur and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 7G No. 928/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Shahjehanpur on 30-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 18-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th September 1979

Ref. No. 34-D/Acq.—Wheeras I, A. S. BISEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mohalla Bagh Khrni, Shahjehanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahjehanpur on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Narain Shunglu. (Transferor)
- (2) Shri Dharmendra Pratap Singh. (Transferee)
- (3) Above transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including land etc. total area about 250 Sq. Yds. situate at Mohalla Bagh Khrni, Shahjehanpur and all that description of the property which is mentioned in sale deed and Form 37G No. 427/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Shahjehanpur.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-11-1979.

Seal :

FORM ITNS.—

- (1) 1. Sri Laxmi Asthana;
2. Sri G. N. Asthana;
3. Km. Amita Asthana;
4. Km. Alka Asthana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. N-29/Acq.—Whereas I A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-42, Sector A, situated at Mahanagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Dr. N. N. Mahendra;
2. Smt. Kukkum Mahendra;
3. Shri Vinay Mahendra;
4. Sri Sharad Mahendra; and
5. Sri Ashish Mahendra (3-5 minor sons of Dr. N. N. Mahendra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing No. B-42, Sector A, Mahanagar, Lucknow measuring 9833 sft and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1921 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow on 23-4-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Kamini Srivastav.
(Transferor)
- (2) Sri Tribeni Pd. Dwivedi; and Sri Janardan Pd. Pandey.
(Transferee)
- (3) Seller.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. T-20/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 954, situated at Katra Allahabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on 18-4-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house bearing No. 954, Katra, Allahabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1563 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Allahabad on 18-4-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Sri Ram Kishan;
2. Sri Hari Chand; and
3. Sri Rajeshwar Nath Dubey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

- (2) 1. Smt. Madhuri Agarwal; and
2. Smt. Ram Sakhi Devi.

(Transferee)

- (3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 19th November 1979

Ref. No. M-107/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 1069, situated at Moh. Katghar-Mahbullaganj-Moradabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moradabad on 7-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land Khasra No. 1069 measuring 642.2640 sqm. situate at Katghar—Mehbullaganj, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1985 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar Moradabad on 7-4-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—356GI/79

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Girish Shukla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hanuman Das Agarwal and Smt. Chando Devi.

(Transferee)

(3) Seller. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Lucknow, the 18th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. H-32/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 81/3, constructed on 3613 sft of land situated at Shivpuri, Bans Mandi, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 23-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 81/3, constructed on 3613 sft of land, situate at Shivpuri, Bans Mandi, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1475/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on 23-4-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. D-35/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 102/43, Ahata Gulab Niketan situated at Shivaji Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prabhu Narain Kakkar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dhanpat Rai Arora;
2. Smt. Rukmani Rani;
3. Madan Lal Arora; and
4. Rakesh Kumar Arora minor through his natural legal guardian Shri Dhanpat Rai Arora.

(Transferee)

(3) Seller and Abhiyanta Sharda Sahayak Khand.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 102/43, situated at Ahata Gulab Niketan, Shivaji Marg, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1305 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on 24-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Sri Arvind Kumar Gupta; and
2. Sri Vipin Kumar Gupta.
(Transferor)
- (2) 1. Sri Ajit Agarwal;
2. Sri Amit Agarwal;
3. Sri Anil Agarwal; and
4. Sri Akhil Agarwal.
(Transferee)
- (3) Sellers.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW**

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. A-77/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 590.7545 sqm situated at Vill. Majhola, Parg. Teh. and Dist. Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 30-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 590.7545 sqm surrounded by boundary wall situate at Vill. Majhola, Parg., Teh. and Dist. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 807/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Moradabad on 30-4-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th November 1979

Ref. No. S-182/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1st Floor portion of House No. 92/161 situated at Bans Mandi, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 30-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) British Indian Association Avadh, Qaiser Bagh, Lucknow through President Shri Himanshudhar Singh and Vice President Shri Krishna Pal Singh. (Transferor)
- (2) Shri Surendra Kumar Pahwa. (Transferee)
- (3) Seller and Shri C. N. Bhargava. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

1st floor portion of House No. 92/161 situate at Bans Mandi, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1460 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on 30-3-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 9-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1979

Ref. No. R-138/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and House bearing No. Nil situated at Mohalla Brahmabupura, Nai Basti, Narkulaganj, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 29-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Om Shanker; &
2. Shri Siddhanta Kumar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rajendra Pd.
2. Shri Vijai Kumar, &
3. Shri Narendra Kumar.

(Transferee)

(3) Shri Om Shanker
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house including building & land situate at Mohalla Brahmabupura, Nai Basti, Narkulaganj, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1592 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareilly on 29-3-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sanjai Kumar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1979

Ref. No. R-139/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd portion of house No. 201-C, constructed on plot No. 189, situated at Nai Basti, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bareilly on 2-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Rajendra Pd.
2. Shri Vijai Kumar, &
3. Shri Narendra Kumar.

(Transferee)

(3) Seller (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd portion of house No. 201-C, constructed on Plot No. 189, situated at Mohalla Nai Basti, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G No. 1646 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareilly on 2-4-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prithviheet Kumar

(Transferor)

(2) Shri Satya Prakash & Prem Chand

(Transferee)

(3) Seller & tenants

S/Shri

1. Ram Niwas
2. Chunni Lal
3. Gyaneer Saran
4. Sipahi Lal
5. Ghanshyam Dass
6. Munni Lal
7. Shiv Kumar
8. Ram Murat Singh
9. Ram Kishore
10. Ram Asrey Pd.
11. Om Prakash
12. Pratap Narain

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG

LUCKNOW

Lucknow, the 16th November 1979

Ref. No. S-183/Acq.—Whereas, I, A. S. BIESN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 shops including land area 163 Sqm. situated at Pujeri Gali, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 19-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Thirteen shops including building & land admeasuring 163 Sqm. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 747/79 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Moradabad on 19-4-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 16-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. The Associated Cement Cos. Ltd.,
Shahabad Cement Works P.O. Shahabad,
ACC 585229, Dist Gulbarga (Karnataka State)

(Transferor)

(2) M/s The ACC Vickers Babcock Ltd.,
Shahabad Works P.O. Shahabad,
ACC. 58529 Dist. Gulbarga, Karnataka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1979

Notice No. 253/79 80/Acq.—Whereas, I,
P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M/s. The ACC Vickers-Babcock Ltd. Shahabad Works, P.O. Shahabad ACC Gulbarga Dist. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gulbarga Doc. No. 180/79-80 on 31-3-1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 180/79-80. Dated 31-3-1979]

Property pertaining to Civil portion consist of (1) Stone Masonry wall around canteen Building (2) Culvert over Gulbarga Ravur, Road across the water pipe line. (3) Water pipe line to new pattern shop, item Nos 1 and 3 are situated within the campus of M/s. ACC Vickers-Babcock Ltd., Shahabad and item No. 2. is situated on the Main road connecting Gulbarga-Ravur and Machinery and Plants as per conveyance deed Registered at Dist. Registrars' Office Gulbarga on 31-3-1979.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 6-10-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—356GI/79

FORM ITNS

(1) Shri Prakash Rama Krishna Salgaocar,
Vasco da Gama, GOA.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. Pundalika Mallya, Panjim, Goa
Present address :
Manager, Syndicate Bank,
Delhi Chokda Road, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 10th October 1979

Notice No. 254/79-80/Acq.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1289 & 1290, situated at Alto De Porvorim, Serula of Socorro Village Panchayat, Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardez, Document No. 303/79 on 7-5-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Doc. No. 303/79-80 Dated 7-5-1979]
Portion of House property bearing revenue Nos. 1289 & 1290 known as "Fondem gallum" situated at Alto De Porvorim, Serula of Socorro Village Panchayat, of Serula Taluk, Bardez, Goa,

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prakash Ramerisna Salgaocar,
Vasco da Gama, GOA.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 10th October 1979

Notice No. 255/79-80/Acq.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 1289 & 1290, situated at Alto De Porvorim, Serula of Socorro Village Panchayat, Bardey, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardey, Doc. No. 305/79 on 14-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri K. Ramanatha Baliga, Mapusa Goa,
Present address :
Manager, Syndicate Bank,
Kalpana T.C. 26/770,
Co-operative College Road,
Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 305/79-80 Dated 14-5-1979]
Portion of house property bearing land revenue Nos. 1289 & 1290 known as "Fondem Gallum" situated at Alto De Porvorim, Serula of Socorro Village Panchayat, of Taluk Bardey, dt. Goa,

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 10/10/1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 10th October 1979

Notice No. 256/79-80/Acq.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1289 & 1290, situated at Alto De Porvorim, Serala of Socorro Village Panchayat, Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardez Doc. No. 304/79-80 on 11-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakash Ramchandra Salgaocar,
Vasco da Gama, GOA.

(Transferor)

(2) Shri M. Devadas Kini, Sanquelim, Goa
Present address :
Manager, Syndicate Bank,
Mission Street, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 304/79-80. Dated 11-5-1979]
Portion of House Property bearing land revenue Nos 1289 & 1290 known as "Fondem Gallam" situated at Alto Porvorim-sucorro Village Panchayat, of Serala Taluk, Bardez, Goa,

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 339/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land S. No. 834 situated at Nalgonda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalgonda on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Shamsunnisa Begum
W/o M. A. Aiziz,
2. Smt. Rafiqunnisa Begum
W/o Shri Moinuddin Hussain,
both R/o 5-4-94 at M.G. Road,
Secunderabad.

(Transfactors)

- (2) The Secretary,
Survey of land records
Employees Co-operative House Building Society,
R/o Ramagiri-Nalgonda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in survey No. 834 Kasara No. 900 admeasuring 13.27 Acre, situated at Nalgonda village, Nalgonda, registered vide Doc. No. 413/79 in the office of the Sub-Registrar Nalgonda.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269Q of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Shaw Builders,
22-7-269/3 at Dewandevdi, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Hemlata,
W/o Shri Jamnadas,
R/o 8-I-212 at Sivujinagar, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 340/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mulg No. 37 situated at 22-7-269/37 Dewandevdi, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop R.C.C. area 23-66 Sq. Mts. No. 37 in M. No. 22-7-269/37 at Dewandevdi Hyderabad, registered vid. Doc. No. 940/79 in the office of the Sub Register Azampura.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-11-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

- (1) 1. Smt. Vikar-un-nisa Begum,
2. Smt. Asif-jahan Begum,
3. Smt. Maqbool Jahan Begum,
4. Smt. Moazam Jahan Begum,
5. Smt. Mukaram Jahan Begum,
6. Shri Mirza Saleem Baig,
7. Shri Mirza Mohamed Ali Baig,
all residing at H No. 6-10-123/A at Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) 1. Smt. Bilquis Jahan Begum,
2. Smt. Najamannisa Begum,
3. Smt. Shahryar Jahan Begum,
all residing at H. No. 6-2-655 at Khairtabad,
Hyderabad.

(Transferees)

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 341/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6-2-655 situated at Khairtabad, Hyderabad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and Building M. No. 6-2-655 at Khairtabad, Hyderabad, total area 2350 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 956/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-11-1979.

S. I. :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri S. Eshwar Reddy, R/o
157/7 at Tokatta, Secunderabad.
(Hyderabad Urban)

(Transferor)

(2) The Raghava Cooperative House Building Society,
Ltd., H. No. 6-/87/4 at Alwal, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 342/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land S. No. 157/7 situated at Tokatta, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 acre in portion of Survey No. 157/7 at Thoktatta, Hyderabad, Urban, Secunderabad, registered vide Doc. No. 482/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. K. Kamala
W/o Shri Sita Rama Raju,
R/o Padmagrape garden Secunderabad,
(Transferor)

(2) Sri Syed Najmul Hussain,
S/o Shri Syed Amir Hussain,
R/o Padma Grapes Garden Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 343/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 33 in situated at 1-7-234 to 241 S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on March-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 33 in premises No. 1-7-234 to 241 in Chandralok Complex, at S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 506/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-11-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—356GI/79

FORM ITNS(1) Swastic Construction Co.,
at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Sri B. Visam Raju
H. No. 1-10-1/15 Ashoknagar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 344/79 80—Whereas, I, K. K. VEER being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 337 in 3rd floor situated at S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Office premises No. 337 in 3rd floor of Chandralok Complex, at S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 686/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Swastik Construction Co.,
at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. B. Sitha,
H. No. I-10-I/15, Ashoknagar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 345/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 237 on 2nd floor situated at S.R. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 237 in 2nd floor of Chandralok Complex, at 111 S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 687/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri V. Krishna Prasad, R/o
H. No. 1-8-549/2 at Chikkadpally,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri S. Narahari, R/o
H. No. 18-4-391 at Outside Aliabad,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC No. 346/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,500/- and bearing Plot No. 24 situated at 16-2-Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 24 under M. No. 16-2 admeasuring 1109 Sq. Yds. situated at Malakpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 718/79 in the office of the Sub-Registrar, Azampura.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 3-11-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(1) Sri M. Sunder Rao
 S/o Shri M. Kondala Rao,
 his G.P.A. Sri M. Kondala Rao,
 H. No. 3-6-696 at Himayatnagar, Hyderabad.
 (Transferor)

(2) Dr. Kolam Janaradhan Reddy,
 H. No. 1-5-16/C Mushirabad, Hyderabad.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 3rd November 1979

Ref. No. RAC No. 347/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7 situated at Judges Colony Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7 admeasuring 450 Sq. Yds. at Judges Colony, Malakpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 939/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura

K. K. VEER,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Koduru Sridevamma,
W/o Sri Venkata Krishna Reddy,
R/o Pemmareddypalem, Kovur-Tq.,
Nellore-Dt.

(Transferor)

(1) 1. Sri Gadi Ramachandra Reddy,
2. Sri Gadi Dharanija,
W/o Ramachandra Reddy,
both residing at Annareddypalem, Villg.
Kovur-Tq., Nellore, Dist.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No. 348/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 1600/24 situated at Fathekanpet Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on March-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building Door No. 1600, ward No. 24 situated at Fathekanpet, Nellore, registered vide Doc. No. 702/79 in the office of the Sub-Registrar Nellore.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Jitender Raj,
H. No. 6-3-1238 at Raj Bhavan Road,
Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

(2) Smt. Habeebunnisa Begum, W/o Sri Hasheemuddin Farooqui, H. No. 3-1-298 at Nimbawli, adda Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 349/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot in S. No. 32/1 situated at Somajiguda Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land in Survey No. 32/1 admeasuring 942.5 Sq. Yds. situated at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 964/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 350/79-70.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot S. No. 118/2 situated at Khairtabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Y. Hemalatha Devi, 7-1-414/45 at Srinivasangar East, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Challa Prasanna Kumar,
2. Sri Challa Praveenkumar,
both residing at 3-6-462/A at Hardikar Bagh,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House site 546 Sq. Yds. situated at Khairtabad in S. No. 118/2 and 118/4 Hyderabad, registered vide Doc. No. 977/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. (Mrs.) B. Pinto,
149/A at Brig. Syed Road,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sunil S/o Hariram Sachdev,
32-Sadhana Building Gamadia Road,
Bombay-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 351/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 6-3-907/912 situated at Somajiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 412 Sq. Yds. No. 6-3-907/912 situated at Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1002/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
28-356GI/79.

FORM ITNS

(1) Smt. Duggirala Satyavathi, and others,
R/o Penjendra, Gudivada-Tq. Krishna-Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Kauneswari, I.C-68 at Firman-i Colony,
Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 352-79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 S. No. 384 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 2 in survey No. 384 at Somajiguda, Hyderabad, admeasuring 867 Sq. Yds., registered vide Doc. No. 1055-79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. P. Kamala Devi, W/o P. Ramachandra Rao,
H. No. 12/2/725/23 at P. and T. Colony,
Reti Bowli, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) The Sarewell Co-operative Housing Society Ltd.,
P. & T. Colony, Hyderabad-28.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 353/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 129 situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in survey No. 129 area 39.1/4 Gunta, situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1065/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. Ramachandra Rao, 12-2-725/23 at P. & T. Colony, at Reti Bowli, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 354/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land S. No. 129 situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

(2) The Sarewell Co-operative Housing Society Ltd., at P. and T. Colony, at Reti Bowli, Hyderabad-28.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in survey No. 129 area 23-3/4 Guntas, situated at Yousufguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1066/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri P. Venkateshwara Rao, H. No. 12/2/725/23 at
P. & T. Colony, at Reti Bowli,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 355/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 129 situated at Yousufguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) The Sarewell Co-operative Housing Society Ltd.,
at P. and T. Colony, Reti Bowli, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant land in Survey No. 129 situated at Yousufguda, Hyderabad, total area 2873.75 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1068/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 356/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 234 situated at Guddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Lakshmikusummamba, C/o B. Rangaiah, Bakaram, Hyderabad. (Transferor)
- (2) The Sarewell Co-operative Housing Society Ltd., at P. and T. Colony, Reti Bowli, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in survey No. 234 at Guddimalkapur, total area 2.15 Acres, registered vide Doc. No. 1070/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. K. Sarojini Devi, W/o Venkatanarasiyah,
H. No. 16-11-1/5/8 at Saleemnagar Colony,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) The Sarewell Co-operative Housing Society Ltd.,
at P. and T. Colony, Reti Bowli, Hyderabad-28.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th November 1979

Ref. No. RAC. No. 357/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. 234 situated at Guddimalkapur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land in survey No. 234 in Guddimalkapur, Hyderabad, total area 1.07 Acres., registered vide Doc. No. 716/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri Jitender Raj,
H. No. 1238 at Somajiguda,
R. B. Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. S. Renuka Bhale Rao, W/o U. T. Bhale Rao,
H. No. C-5 at R. R. labs. quarters,
Tarnaka, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 358/79/80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 32/1 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in survey No. 32/1 in Somajiguda, Hyderabad, admeasuring 875 Sq. Yds., registered vide Doc. No. 849/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Mohanlal Lakhota, 6-3-927/B at Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)
(2) Sri Arif Mohd. Aquil Ansari, G.P.G., Sri Mumtaz Ahmed, 6-3-666/A, Panjagutta, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 359/79/80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4 & 5A situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Plot No. 4 and 5A under M. No. 772/4 at Panjagutta, Hyderabad registered vide Doc. No. 1287/79 in the office of the Joint-Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
29—356GI/79

Date : 15-11-1979,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 360/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 40 to 44 situated at Gandiguda Villg. Hyderabad-West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West in March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 21-22, at Narindra Palace Parliament Street, New Delhi, through Sri S. C. Gupta, H. No. 2664, Churiwala, Delhi-6.

(Transferor)

(2) M/s. Preetam Garden, partner Sri Preetam Nagpal, 16-1-484 at Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 50 Acres, 29 Gunta, at Gandiguda Village, Rangareddy Dist. in survey Nos. 40, 41, 42, 43, 44, registered vide Doc. No. 536/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 361/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-883/A/12 situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M. RaghuNandha Rao, 2. M. Srinivas, H. No. 6-3-883/A/12 Panjagutta, Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ganshibai Kundalia W/o E. C. Kundalia, 2. Sri Ramesh Kundalia, 3. Sri Ashok Kundalia, 4. Smt. Manju R. Kundalia, W/o Ramesh Kundalia, all residing at H. No. 6-3-88/A/12/1 at Panjagutta, offices Colony, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property M. No. 6-3-883/A/12 and 6-3-883/A/12/1 situated at Panjagutta, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1001/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri H. C. Watson S/o David Watson,
10-3-108 'I' at East Maredpally,
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 362-79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-108 'I' situated at E. Maredpally Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Bolisetty Gopalakrishna Minthy,
1-3-166 at Rajajinundalai Street,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-108 'I' situated on plot No. 29 at East Maredpally Secunderabad, registered vide Doc. No. 475/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 363/77-78.—Whetens, I. K. K. VEER,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immo-
vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 10-1-5/2 & land situated at E. Maredpally Secunderabad
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad in March-79
for an apparent consideration which is less than the fair
marked value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (1) Sri K. P. K. Nair S/o Sri P. Krishna Pillai,
R/o 2 CPR-Avenue, FACT Colony, Cochin,
Kerala-State. (Transferor)

(2) Sri Rajeev Krishna Gupta,
II, No. 8-2-139, Road No. 3, Banjara Hills,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or erosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

All the piece and parcel land admeasuring 340.64 Sq. Yds., plot No. 2 in S. No. 76 2 together with H. No. 10-1-5/2 at East Maredpally, Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 364/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 46, 48, 52/1 situated at Maredpally, Villg. Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. Nagarajan, H. No. 163 Maredpally-West, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Railway Employees' Co-operative House Building Society, Ltd., Represented by President Sri T. Subramaniam, (Vigilance Office, IV-th floor, Railnilayam, Secunderabad).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 8.25 Acres, situated at Maredpally village, Secunderabad, survey Nos. 46, 48, 52/1, 54/1, 55/1, 59/1, registered vide Doc. No. 513/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. S/Sri Ronald Michael De Rozario,
R/o No. 13B Chottu Teerrane, First floor
Colaba Road, Bombay.
2. Sri A. J. Chacko.
3. Mrs. Maureen Philomena Chacko.
4. Mrs. Yvonne Glassford, address S. No. 1.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Marquis Phillip Footman,
12-5-87 Bathkammakunta, Secunderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 365/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. Pot. 12-5-87 situated at Lallaguda Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-79 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Eastern portion of H. No. 12-5-87 at Bathkummakunta, Lallaguda, Secunderabad, 788 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 568/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 366 79-80.—Whereas, I, K. K. VEFF, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. West Port 12-5-87 situated at Lallaguda, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Ronald Michale de-Rozario,
2. Sri A. J. Chacko,
3. Mrs. Maureen Philomena Chacko,
4. Mrs. Youme Glasford,
R/o 13-B, Chottu Teerrace, 1st floor Colaba Road, Bombay.
- (Transferor)

- (2) Sri Dudley Footman, H. No. 12-5-87 at Bathammakunta Lallaguda, Secunderabad.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Western portion of H. No. 12-5-87, at Bathammakunta Lallaguda, Secunderabad, registered vide Doc. No. 569/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEFF
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 367/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-503 situated at Jubilee Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—356GI/79

(1) 1. Smt. Kusum Bharathi, W/o Dev Datt Bharathi,
2. Satish Chandra Bharati,
3. Sudhir Chandra Bharati,
all residing H. No. 8-2-503 at Jubilee Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Nirmala Ben, W/o Shivjee,
2. Smt. Manjula,
3. Nitin Kumar,
4. Girish Kumar,
5. Sri Neelesh Kumar,
all residing at H. No. 8-2-503 at Jubilee Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied building H. No. 8-2-503 out-houses, Garages, servant and Watchman quarters, admeasuring 3358.12 Sq. Mts. situated at Jubilee Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 802/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vuppalla Venkata Lakshmi, W/o
V. G. Nageswar Rao,
R/o Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Moyiyed Mulla Taiyab Bhai Manajiwala,
R/o Krishna Colony, "Ashok Nivas", Bholakpur,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 368/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-3-173, situated at Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in March-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Double storeyed building M. No. 10-3-173 on plot of land plot No. 21/1A admeasuring 222.22 Sq. Yds. situated at St. John's Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 615/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Heel Mohini, W/o late Raj Koshal Raj,
H. No. 494/22/LIGH, Sanjeevareddynagar,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th November 1979

Ref. No. RAC. No. 369/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-135 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. S/Sri, Hanuman Prasad S/o Bhuramal,
2. Rameshchand, 3. Suresh Chand,
4. Narayani Bai, W/o Hanuman Prasad,
all residing at H. No. 3-6-129/1 at Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House building M. No. 3-6-135 admeasuring 885 Sq. Yds. situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1627/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-11-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.**

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 370/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 38 & 39 situated at 16-2 at Saidabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Prakhakant Rao, Pratapwant, S/o late Hanuman Rao, 6-2-906 at Khairtabad, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Secretary, State Bank of Hyderabad Staff Cooperative Housing Society, Ltd., Gaddiamnaram, II-Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land in Survey No. 38 and 39 in ward No. 16-2— total area 8, Acrs. at Saidabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 927/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 16-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Farhana Yousufuddin, 6-3-1119/A at Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 371/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-15 to 17 Tilak Road, situated at Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 4-1-938/R-15 to 17 on 3rd floor of Krishna Complex Building situated at Tilak Road, Hyderabad, admeasuring 1157 Sq. ft. registered vide Doc. No. 1835/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sree Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri V. Vishweswara Rao, H. No. 1-1-404/A at Bakaram, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 372/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-12 to 14 Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hall No. 4-1-938/R-12 to 14 on 3rd floor of Krishna Complex Building at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1518/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 16-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s Sree Krishna Construction Co., 5-8-612 Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri Mir Mahmood Ali Khan, H. No. 6-2-6 at Lakdikapul, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref No. RAC. No. 373/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-19 & 20 situated at Tilak Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises Bearing M. No. 4-1-938/R-19 and R-20 on 5th floor of Krishna floor of Krishna Complex, at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1519/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 374/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 79 situated at S. P. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad, on March 79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mohd. Abdul Hadi, H.No. 196 "A" Class, New Malakpet Hyderabad.
(Transferor)

(1) Syed Yousuf, H. No. 10-4-11/7 at Masab Tank, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 79 area 194 Sq. Yds part of layout bearing No. 1548/112/74 at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 642/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979

Seal :

FORM IENS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 375/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-121 to 142, situated at Eden Garden, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sahebzadi Aziza Begum, W/o Nawab Nawazish Jah Bahadur, R/o Nawazish Villa, Eden Garden, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mahinder Kaur, W/o Sri Sardar Karter Singh, H. No. 5-2-423 at Risala Abdullah, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot of land in M.No. 3-5-121 to 142 at Edengarden, King Koti Hyderabad, admeasuring 566 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1464/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 16-11-1979.

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—
31—356GI/79

FORM ITNS —————

- (1) Smt. Tahazeebunnisa Begum, 16-2-867 at Saidabad,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) State Bank of Hyderabad Employees Co-operative
Housing Society, Ltd, at TAB-57 at Malakpet-Unit
Gunfoundry, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 376/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Saidabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Azampura, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2229 Sq. Yds situated at Saidabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 655/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-11-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Tahzeebunnisa Begum, H. No. 16-2-867 at Saidabad, Hyderabad.
(Transferor)

(2) State Bank of Hyderabad Employees Co-operative Housing Society, Ltd., Malakpet-Unit at TAB-57 Gunfoundry, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 377/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land at situated at Saidabad, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2771 Sq. Yds situated at Saidabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 654/79 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 378/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-9-297/1 and situated at 15-9-299 Afzalgunj, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Zeibunnisa Begum,
2. Mohd. Dilawar Shariff,
3. Mohd. Yousuf Shariff,
4. Mohd. Khaja Shariff,
5. Mrs. Dilawar Begum,
6. Khairunnisa Begum,
7. Noorunnisa Begum,
all residing at H. No. 15-9-297/1 Afzalgunj, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Syed Yusuf, and Syed Ibrahim,
H. No. 17-8-343 at Chowai Nade Ali Baig, Yaqut-pura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 15-9-297/1 and its Malgi No. 15-9-299 (1st and ground floor) at Afzalgunj, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1828/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 16.11.1979.
Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Narbada Bai,
2. Sri Mukundalal Pitti,
3. Sri Laxminivas Pitti, all at H.No. 4-1-10 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Sri Mohd. Aleem Khan, H. No. 8-7-685 at Darugalli, Nizamabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th November 1979

Ref. No. RAC. No. 379/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 1 on situated at Sagarview Building, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1 on ground floor of "Sagar View Building" at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, admeasuring 231 Sq. Ft. registered vide Doc. No. 1798/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(13) Sri D. Venkat Rao, S/o Sri Sita Ramaiah, G.P.A.
Smt. D. Seshirekha, W/o Sri Sita Ramaiah, H. No.
4-1-920 at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. B. Narsimha Reddy, S/o G. Galreddy,
C/o Dr. P. Raghu Ram Reddy, 5-8-50/2 at Nam-
pally, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 380/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-47/1 situated at Ashoknagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 1-10-47/1 at Ashoknagar Hyderabad, 1st floor 1620 Sq. Ft. registered vide Doc. No. 1759/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range.
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 381/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-158, situated at Himayatnagar, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

(1) Smt. Indira Bai, W/o late Raja Dilaramgiri, R/o Puran Bagh, at Toli Chowli, Hyderabad. (8-2-681 at Road. No. 12 Banjara Hills, Hyderabad).

(Transferor)

(2) Dr. Syed Jaweed Muneer s/o Syed Muneer Ahmed H. No. 318/B at Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion, No. I bearing M. No. 3-6-168 at Hyderguda, Himayatnagar Hyderabad, registered vide Doc. No. 1631/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS _____

(1) Smt. Indira Bai, late Raja Dilarangirji, H. No. 8-2-681/A at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 382/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port, 3 in 3-6-158 situated at Hyderguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Portion No. 3 of M.H. No. 3-6-158 situated at Hyderguda, Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 208.00 Sq. Yds registered vide Document No. 1632/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-1 1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. S/Sri N. Shantha Iyengar w/o Dr. N. C. Iyengar
2. Dr. N. Ranga Raj,
3. N. Ramprasad,
4. N. Dwarakanath,
5. Smt. Jaya Lakshmi Promod,
6. Smt. Tara Satyan,
7. Smt. Rama Balaji, R/o Jainagar Bangalore,
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 383/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-8-129 to 137 situated at Hanumkonda, Chowrashtha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal, on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) S/Sri Yada Narayana, R/o Pinnawari Street, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. No. 6-8-134 situated at Chowrasta, Hanamkonda, Warangal, registered vide Doc. No. 620/79-registered in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. K. VEER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
32—356GT/79

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 384/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-8-135 situated at Hanamkonda, Warangal, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. S/Sri N. Shantha Iyengar, W/o Dr. N. C. Iyengar,
 2. Dr. N. Ranga Raj,
 3. N. Rampasad,
 4. N. Dwarakanath,
 5. Smt. Jaya Lakshmi Promod,
 6. Smt. Tara Satyana,
 7. Smt. Rama Balaji W/o Balaji 367—Second Block—Uainagar, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Smt. Mandapalli Padma, W/o M. Kistaiah, H. No. 1-8-157 at Head Post Office Hanamkonda, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Malgi No. 6-8-135 at Chowrastha, Hanamkonda, Warangal, registered vide Doc. No. 621/79 in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. K. VEER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-11-1979.

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. S/Sri N. Shantha Iyengar, s/o Dr. N. C. Iyengar,
2. Dr. N. Ranga Raj,
3. N. Ram Prasad,
4. N. Dwarakanath,
5. Smt. Jaya Lakshmi Promod,
6. Smt. Tara Satyan,
7. Smt. Rama Balaji,
H. No. 367 Second block, Jainagar,
Bangalore.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 385/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Malgi No. 6-8-136 situated at Hanamkonda, Warangal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Warangal, on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Sri Nasaruddin, S/o Karmali Musali, R/o Girmajipet, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Malgi No. 6-8-136, situated at Hanamkonda, Warangal, registered vide Doc. No. 622/79 in the office of the Sub-Registrar, Warangal.

K. K. VEER
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 386/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Malgi No. 6-8-137 situated at Hanamkonda, Warangal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal, on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. S/Sri N. Shantha Iyengar, W/o Dr. N. C. Iyengar, R/o Tarnaka, Hyderabad,
2. Dr. N. Ranga Raj,
3. N. Ramprasad,
4. N. Dwarakanath,
5. Smt. Jaya Lakshmi Promod,
W/o Dr. Promod, Hihari,
6. Smt. Tara Satyana,
7. Smt. Rama Balaji W/o Balaji,
R/o Jainagar, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Sri S. Seetha Ramulu, S/o Kantaiah, R/o Zafargadha-Warangal Tq, Warangal Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Malgi No. 6-8-137 at Chowrasta, Hanamkonda, Warangal, registered vide Doc. No. 623/79 in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 387/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-8-130, 131, 132, 133, Hanamkonda, Warangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. S/Sri N. Shantha Iyengar, W/o Dr. N. C. Iyengar, R/o Tarnaka, Hyderabad,
2. Dr. N. Ranga Raj,
3. N. Ramprasad,
4. N. Dwarakanath,
5. Smt. Jaya Lakshmi Promod,
6. Smt. Tara Satyan,
W/o late N. Satyan,
7. Smt. Rama Balaji W/o Balaji,

(Transferor)

- (2) 1. S/Sri Gunda Sivakumar (Minor) G.P.A. Father Sri Linga Murthy,
2. Sri Kumar (Minor),
3. G. Sravana Kumar, (Minor)
4. G. Uma Maheshwar,
5. K. Jitender Kumar, all residing at 12/635, to 640 at S.V.N. Road, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Maliges, M. No. 6-8-130, 131, 132, 133, situated at Chowrasta, Hanamokonda, Warangal, registered vide Doc. No. 624/79 in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. K. VEER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. S/Sri N. Shantha Iyengar,
2. Dr. N. Ranga Raj,
3. N. Ramprasad,
4. N. Dwarkanath,
5. Smt. Jaya Lakshmi,
6. Smt. Tara Satyana,
7. Smt. Rama Balaji R/o Bangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.**

- (2) S/Sri Rayabarapu Prakash, R/o Old Beat Bazar, Warangal,
2. R. Vidyasagar,
3. R. Sudharshanam, all residing at Old beat Bazar, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 388/79/80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-8-129, 137 situated at Hanamkonda Warangal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Warangal, on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Malgs. M. No. 6-8-129 and 137 situated at Hanamkonda, Warangal, registered vide Doc. No. 625/79 in the office of the Sub-Registrar, Warangal.

K. K. VEER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 17-11-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri O. P. Vasudev, S/o late Pt. Aminchand, No. 1 at
Katal Road, Nagpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.**

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 389/79-90.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 is situated at 8-2-696/697 Banjara Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Surinder Kaur Kohli, W/o Amarjit Singh Khili, 2. Mrs. Gurjot Kaur Kohli W/o Jagmohan Singh, Kohli, R/o 3-6-131/1 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1196 Sq. Yds. bearing Plot No. 2 in the compound of H. No. 8-2-696/697 situated at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1784/79 in the office of the Khairtabad.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri J. N. Upender Rao,
2. J. Nareshkumar, both H. No. 1-2-412/8 at
Gaganmahal Colony Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri N. Kantaiah, S/o Jegiah, 7-12- Laxsettipet
Kareemnagar-Dist.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th November 1979

Ref. No. RAC. No. 390/79-80.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 7-12 situated at Laxpetipet Mancheryal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mancheryal on March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House M. No. 7-12- situated at Laxpetipet, Kareemnagar-Dist., registered vide Doc. No. 239/79 in the office of the Sub-Registrar Mancheryal.

K. K. VEER
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mela Singh,
Sahota Building, Civil Lines, Jullundur.
(Transferors)

(2) M/s. Apex Industries, No. 54,
Dada Colony, Industrial Area, Jullundur.
(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33-356GI/79

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 8645 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 29-10-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd November 1979

Ref. No. AP-1966.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding No. As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satnam Singh, Harjot Singh and Mohan Singh S/o Labh Singh, Ravidas Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh s/o Shri Hazara Singh, Smt. Jasbir Kaur w/o Gurdial Singh, Village Kathar.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 8128 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 2-11-1979
Seal :

FORM ITNS(2) Siri Gurdial Singh s/o Inder Singh,
G.T. Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj s/o Balraj Duggal,
G.T. Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1967.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2208 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1968.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Raj Kaur w/o Shri Hira Singh, EC-139, Panj Peer, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Rajinder Kaur w/o Shri Tarlochan Singh, EF-352, Ladowali Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above, [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 8109 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1969.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- ad bearing

No As per Schedule situated at pullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Kesar Singh s/o Shri Kaur Singh,
EC-139, Panj Peer, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kaur w/o Shri Hira Singh,
Panj Peer, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 8110 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-11-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ved Parkash s/o Shri Telu Ram Singhla,
G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No AP-1970.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Dr. Krishan Chand s/o Shri Ram Sarup Khosla, Subash Nagar, Phagwara.
(Transferee)
- (2) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (3) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2201 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Roop Chand s/o Shri Telu Ram Singla,
G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1971.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Dr. Krishan Chand s/o Shri Ram Sarup, Subash Nagur, Phagwara.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2219 of March, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1972.—Whereas, I, B. S. DEHHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Shri Telu Ram Singla, G.T. Road, Phagwara. (Transferor)
- (2) Smt. Dr. Usha Khosla w/o Dr. Krishan Chand Khosla, Subreh Nagar, Phagwara. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2203 of March, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 7-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1973.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Roop Chand s/o Shri Telu Ram Singla, G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Smt. D. Usha Khosla w/o Dr. Krishan Chand Khosla, Subash Nagar, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2218 of March, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—356GI/79

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chaman Lal s/o Shri Telu Ram Singla,
G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th November 1979

Ref. No. AP-1974.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri Ram Sarup s/o Shri Ram Nath Khosla, Subash Nagar, Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2220 of March, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chanan Singh s/o Shri Attar Singh,
Vill. & P.O. Shankar, Tch. Nakodar.
(Transferor)

(2) Shrimati Jagdish Kaur w/o Shri Ajit Singh,
Vill. & P.O. Shankar, Tch. Nakodar.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th November 1979

Ref. No. AP-1975.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per Schedule situated at Village Shanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2982 of March, 1979 of the Registering Authority, Nakodar.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Teja Singh s/o Bachittar Singh,
Vill. Jethpur Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Singh, Malkiat Singh S/o Teja Singh,
Vill. Jethpur Teh. Jullundur
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th November 1979

Ref. No. AP-1976.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Village Jethpur Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 8631 of March, 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Mehtab Singh,
Spare Parts Wala, Model Town, Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th November 1979

Ref. No. AP-1977.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule
situated at Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Harpal Kaur w/o Shri Gurdip Singh,
NM-123 Moh. Krar Khan, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 8562 of March 1979 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Gurdial Kaur w/o Shri Harbhajan Singh,
Khera Road, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Bal Krishan s/o Shri Rakhi Ram,
R/o Partap Pura Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AP-1978.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2199 of March, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hardial Singh s/o Shri Inder Singh,
R/o G.T. Road, Phagwara.
(Transferor)

(2) Shri Kailash Chander s/o Shri Jagan Nath,
G.T. Road, Phagwara.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 9th November 1979

Ref. No. AP-1979.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2209 of March, 1979 of the Registering Authority, Phagwara.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-11-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th November 1979

Ref. No. TR/748/Acq. Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Surendranath Bansal s/o Shri Ramesh Nath Bansal, 2. Shri Narendra Kumar Bansal s/o Shri Jammuna Pd. Bansal, 3. Shri Surendra Kumar Bansal s/o Kailash Nath Bansal and Arvind Kumar Bansal s/o Shri Rajendra Pd. Bansal, r/o Raghunath Nagar, Mahatma Gandhi Road, Agra.

(Transferrors)

(2) M/s. Liberty Footwear Company, Mathura Road, Agra, Partner Shri Purshottam Dass Gupta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Urban Property No. 5/85 situated at Madia Katra Mausooma, Mathura Road, Agra and half portion in Sham-lathi.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITN6 . . .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th November 1979

Ref. No. 762/Acq/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 9-4-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
35—356G/III/79

(1) Shri Suresh Nath Bansal s/o Shri Ramesh Nath Bansal, Shri Naikendra Kumar Bansal s/o Shri Jamuna Pd. Bansal, Shri Surendra Kumar Bansal s/o Shri Kailash Nath Bansal and Arvind Kumar Bansal s/o Shri Rajendra Pd. Bansal, r/o Raghuban Nath Nagar, Mahatma Gandhi Road, Agra.

(Transferors)

(2) M/s. Liberty Enterprises Mathura Road, Agra, through Partner Shri Purshotam Dass Gupta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Urban Property No. 5/85 situated at Madia Katra Agra and half portion in Shamlahti.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpu

Date : 7-11-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chandra Agarwal,
r/o Sethwara Tilakdwar, Mathura.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

(2) 1 Shri Ramnath Agarwal
r/o Kesavpur, Mathura,

2. Smt Sushila Devi and Subhash Chandra Agarwal
r/o Sitalpur, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One portion House No 1206 (old) and 1317 (new) situated Sethwara Tiladwar, Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date . 7 11 1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Sukhveer Singh & Balram Singh s/o Shri Asharam,
Village Purmaki, Parg. Jhinjhana Hall Bahera; Parg.
Jhinjhana, Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.
(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal s/o Shri Devi Chandra & Smt.
Chandre Prabha w/o Shri Chaman Lal,
Village Bohera, Parg. Jhinjhana, Teh. Kairana, Dist.
Muzaffarnagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 542-A/P.N./Kairana/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kairana on 29-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land	99 1/1	106 /2	A 10 Kitey 7111/2
-------------------	-----------	-----------	-------------------

Lagan 77.35 yearly situated at Village Thithali (Dithali) Parg. Jhinjhana and two Houses at south side (Kacha construction) situated at Village Bahera, Parg. Jhinjhana, Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Dated : 27-10-1979 .

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Munshi and Shri Karam Singh s/o Dataram, r/o Binauli, Patg. Barnava, Teh. Sardhana Distt. Meerut

(Transferor)

(2) Smt. Suria Devi w/o Shri Suresh Pal and M. Baheti w/o Shri Iqbal Singh, r/o Chhaprauli Teh. Baghpat Distt. Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th October 1979

Ref. No. 205-A/P.N./Baghpat/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5 Baghpat on 2-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDELE

Agricultural Land situated at Village Chhaprauli Bangar Khasara No. 2749 yearly Lagan 80.35.
6/3-11

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ami Chand Sachdev,
13, Cantonement, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh
R/o Sagar Bhawan, Kulari, Mussorie,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 29th October 1979

Ref. No. 118-A/P.N./Massorie/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Massorie on 16-4-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House property (Three storeyed) situated at spring Road, Mussorie.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1979
Seal :

